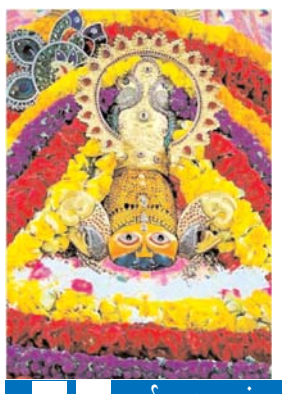

RNI No. GUJHIN/2010/35230

महानगर मेट्रो

राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र

कार्यालय :- सी-8 रिची हाउस, स्वामी नारायण मंदिर के सामने मणिनगर अहमदाबाद गुजरात-380008

महानगर मेट्रो
राष्ट्रीय दैनिक हिन्दी समाचार पत्र, प्रेस नोट एवं विज्ञापन के लिए कार्यालय पर सम्पर्क करें
सरबजीत माकन
+91-9638877700
mahanagarmetro7@gmail.com

वर्ष :16 । अंक: 26। पेज:12। mahanagarmetro7@gmail.com || अहमदाबाद,22 सितंबर 2026 (मंगलवार) || सम्पादक - सरबजीत माकन (9638877700)।। मूल्य :- 1.50 रु.-/

80,000 करोड़ की भारी-भरकम लागत से बने जामनगर-चंडीगढ़ सिक्स-लेन हाईवे पर खड़े हुए सवाल

विकास के दावों के बीच गुणवत्ता पर मंडराए शंका के बादल!

महज दो साल में ही करोड़ों की लागत से बनी सड़कों की हालत जर्जर होने से वाहन चालकों और आम जनता में भड़का आक्रोश

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

अहमदाबाद/जामनगर। देश के बुनियादी ढांचे और कनेक्टिविटी को मजबूत करने के लिए सरकार द्वारा अरबों-खरबों रुपए के प्रोजेक्ट्स घोषित किए जाते हैं, लेकिन जमीनी हकीकत कितनी खोखली होती है, इसका एक बेहतरीन उदाहरण हाल ही में चर्चा में आया है। गुजरात के औद्योगिक शहर माने जाने वाले जामनगर से लेकर देश के चंडीगढ़ तक के अत्याधुनिक और महत्वाकांक्षी सिक्स-लेन हाईवे प्रोजेक्ट को लेकर अब बेहद गंभीर सवाल खड़े होने लगे हैं। भारी-भरकम 80,000 करोड़ की लागत से तैयार हुए इस मार्ग पर अभी बमुश्किल दो साल का समय बीता है कि सड़कों की गुणवत्ता पर बड़े प्रश्नचिह्न लग गए हैं। प्राप्त जानकारियों और स्थानीय रिपोर्टों के मुताबिक, इतने बड़े आर्थिक निवेश के बाद तैयार हुए इस हाईवे पर अभी से गड्ढे पड़ने शुरू हो गए हैं और सड़क की सतह उखड़ने लगी है। करोड़ों रुपए के टैक्स के पैसों से तैयार होने वाले ऐसे राष्ट्रीय राजमार्ग यदि मात्र दो साल के भीतर ही जर्जर होने लगें, तो यह तकनीकी खामी है या फिर भ्रष्टाचार का परिणाम? यह जांच का एक बड़ा विषय बन गया है। हाईवे पर गाड़ियां दौड़ाने वाले चालक और ट्रांसपोर्टर भी बार-बार पेश आने वाली असुविधा और दुर्घटना के जोखिम से त्रस्त हो चुके हैं।

जवाबदेही किसकी?

इतनी बड़ी रकम खर्च करने के बाद भी यदि जनता को गुणवत्तापूर्ण और सुरक्षित सड़क नहीं मिल पा रही है, तो इस प्रोजेक्ट से जुड़ी एजेंसियों, इंजीनियरों और जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय क्यों नहीं की जा रही है? ऐसे सवाल अब जागरूक नागरिकों द्वारा पूछे जा रहे हैं। सरकारी योजनाओं में होने वाले भारी खर्च के मुकाबले यदि बुनियादी गुणवत्ता ही न बचे, तो विकास के दावे सिर्फ कागजी साबित होते हैं।

महानगर मेट्रो का सवाल:

जनता की गाढ़ी कमाई और टैक्स के पैसों से बनने वाले ऐसे विकास कार्यों में पारदर्शिता कब आएगी और भ्रष्टाचार करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई कब होगी?

जहीर बने सीएसके के नए हेड कोच

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। चेन्नई सुपर किंग्स ने सोमवार को पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज जहीर खान को अपना नया मुख्य कोच नियुक्त किया। जहीर स्टीफन फ्लेमिंग की जगह लेंगे, जो 2009 से 2026 तक टीम के मुख्य कोच रहे। यह जहीर की किसी आईपीएल टीम के मुख्य कोच के रूप में पहली जिम्मेदारी होगी। इससे पहले वे मुंबई इंडियंस में क्रिकेट संचालन निदेशक और वैश्विक विकास प्रमुख रह चुके हैं। 2025 में वे लखनऊ सुपर जायंट्स के मार्गदर्शक भी रहे। जहीर ने आईपीएल में तीन टीमों के लिए खेलते हुए 100 मैचों में 102 विकेट लिए। भारत के लिए उन्होंने 92 टेस्ट, 200 एकदिवसीय और 17 टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले। 2011 विश्व कप जीतने वाली भारतीय टीम में वे प्रमुख तेज गेंदबाज थे।

दूसरे को सिम देने पर 3 साल की जेल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। दूरसंचार विभाग ने 21 सितंबर को नई सलाह जारी कर चेताया है कि फर्जी पहचान पत्र से सिम लेने-बेचने, सिम किसी और को देने या मोबाइल के आईएमईआई नंबर से छेड़छाड़ करने पर 3 साल तक की जेल और 50 लाख रुपये तक का जुर्माना हो सकता है। सरकार ने नागरिकों से संचार साथी पोर्टल या अनुप्रयोग पर अपनी पहचान से जुड़े मोबाइल नंबरों की जांच करने को कहा है। छत्तीसगढ़ में एक सिम विक्रेता ने लोगों के दस्तावेजों का दुरुपयोग कर 25 फर्जी सिम चालू कर दिए थे। जांच के बाद सभी नंबर बंद कर विक्रेता को काली सूची में डाल दिया गया। दूरसंचार विभाग ने साफ किया कि अपने नाम की सिम किसी दूसरे को बेचने, किराए पर देने या साइबर अपराध में इस्तेमाल होने देने पर मूल ग्राहक भी कानूनी कार्रवाई में फंस सकता है। देश में एक व्यक्ति के नाम पर अधिकतम 9 सिम रखने की सीमा है, जबकि जम्मू-कश्मीर, असम और पूर्वोत्तर राज्यों में यह सीमा 6 सिम है।

जमुई में छात्रा से सड़क पर बदसलूकी, तीन नाबालिग हिरासत में

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जमुई। बिहार के जमुई में दसवीं कक्षा की छात्रा के साथ सड़क पर बदसलूकी का मामला सामने आया है। घटना का वीडियो सामने आने के बाद पुलिस ने तीन नाबालिगों को हिरासत में लिया है, जबकि अन्य आरोपियों की तलाश में छापेमारी जारी है। जानकारी के अनुसार, छात्रा शनिवार को पढ़ाई के बाद अपने सहपाठी के साथ स्कूटी से मड़वा पहाड़ गई थी। लौटते समय कुछ युवकों ने दोनों को सड़क पर रोक लिया। आरोप है कि इसके बाद छात्रा के साथ अभद्र व्यवहार किया गया और उसे परेशान किया गया। घटना का किसी व्यक्ति ने वीडियो बना लिया, जो बाद में सामाजिक माध्यमों पर प्रसारित हो गया। वीडियो में कुछ युवक छात्रा के साथ आपत्तिजनक हरकत करते दिखाई दे रहे हैं। छात्रा को घसीटने और जबरन उठाने का भी आरोप है। घटना ने महिलाओं और नाबालिग लड़कियों की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। जमुई के पुलिस अधीक्षक ने बताया कि छात्रा और उसका सहपाठी दोनों नाबालिग हैं। उन्होंने कहा कि वीडियो प्रसारित करने वालों के खिलाफ भी बाल यौन अपराध संरक्षण कानून के तहत कार्रवाई की जाएगी। घटना पर राहुल गांधी और तेजप्रताप यादव ने भी प्रतिक्रिया दी है। तेजप्रताप यादव ने सरकार से जवाब मांगते हुए आंदोलन की चेतावनी दी है।

साहिल की मौत पर घिरा आईआईटी बॉम्बे, डीन पद से हटाए

संस्थान ने पहले दिए बयान पर मांगी माफी, निदेशक के इस्तीफे की मांग पर छात्रों का प्रदर्शन जारी...

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। आईआईटी बॉम्बे के बीटेक छात्र साहिल वाकोडे की मौत के मामले में संस्थान ने प्रोफेसर सूर्यनारायण दूल्ला को डीन पद से हटा दिया है। हालांकि वे प्रोफेसर के पद पर बने रहेंगे। संस्थान ने साहिल की मौत को लेकर पहले जारी किए गए बयान पर भी माफी मांगते हुए कहा कि जांच पूरी होने से पहले घटना के कारणों को लेकर कुछ भी कहना उचित नहीं था। 22 वर्षीय साहिल ऊर्जा विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग के द्वितीय वर्ष के छात्र थे। 18 सितंबर की रात वह पवई परिसर स्थित छात्रावास के कमरे में मृत मिले थे। 19 सितंबर को संस्थान ने दावा किया था कि परीक्षा के दौरान साहिल को मोबाइल का इस्तेमाल करते पकड़ा गया था और उन्होंने कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित संवाद प्रणाली पर प्रश्नपत्र डालने का प्रयास किया था। बाद में संस्थान ने इस बयान पर खेद जताया। मामले को लेकर छात्रों का विरोध तेज है। छात्रों ने निदेशक के इस्तीफे समेत 18 मांगें रखी हैं। एक माह में मांगें पूरी नहीं होने पर

निदेशक और दो डीन के इस्तीफे की मांग की गई है। छात्रों ने साहिल के बारे में जारी पुरानी जानकारी को लेकर सार्वजनिक माफी, खुली बैठक और इस वर्ष जान गंवाने वाले छात्रों के परिवारों को आर्थिक सहायता देने की भी मांग की है। उधर, संस्थान के शिक्षक मंच ने प्रोफेसर दूल्ला के समर्थन में परिसर में मार्च निकाला। संस्थान ने निदेशक प्रो. शिरीष केदारे के इस्तीफे की खबरों को भी खारिज किया है। साहिल की मौत के बाद 400 से ज्यादा छात्रों ने प्रशासन के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। इस बीच मिड-सेमेस्टर परीक्षाएं टाल दी गई हैं। जांच पूरी होने से पहले साहिल पर आरोप लगाने की इतनी जल्दी क्यों थी? यदि संस्थान का पहला बयान गलत या अधूरा था, तो उसकी जिम्मेदारी किसकी है? जानकारी सार्वजनिक करने की जरूरत क्यों पड़ी?

पाकिस्तान में पेट्रोल 1000 रुपये तक पहुंचने का खतरा...

महानगर मेट्रो ब्यूरो

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में पेट्रोल की कीमत 1000 पाकिस्तानी रुपये प्रति लीटर तक पहुंचने की आशंका जताई गई है। पेट्रोलियम मंत्री अली परवेज मलिक ने कहा कि देश में पेट्रोल की कमी होने पर कीमत और बढ़ सकती है। फिलहाल पाकिस्तान में पेट्रोल 389 और डीजल 424 पाकिस्तानी रुपये प्रति लीटर है। 28 फरवरी को पेट्रोल 258.17 रुपये था। तब से कीमत करीब 51 प्रतिशत बढ़ चुकी है। मध्य-पूर्व में जारी युद्ध के कारण कच्चे तेल की कीमतों में बढ़ोतरी को इसका प्रमुख कारण बताया जा रहा है। बढ़ती महंगाई से राहत देने के लिए पाकिस्तान सरकार ने मोटरसाइकिल, रिक्शा और 800 सीसी तक की कारों के लिए पेट्रोल पर 100 रुपये प्रति लीटर तक की सब्सिडी योजना शुरू की है। सरकार के अनुसार 17.5 लाख से अधिक लोगों ने इसके लिए पंजीकरण कराया है।

रामलला के चढ़ावे पर 105 बार हाथ साफ!

70 नहीं, कैमरों में कैद हुई चोरी की 105 घटनाएं; 8 आरोपी जेल में, 25 सितंबर तक आरोपपत्र का दावा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अयोध्या। राम जन्मभूमि मंदिर में चढ़ावा चोरी मामले में जांच का दायरा बढ़ने के साथ कई गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। सोमवार को उच्चतम न्यायालय में बताया गया कि मंदिर के कैमरों में चढ़ावा चोरी की 70 नहीं, 105 घटनाएं कैद हुई हैं। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने विशेष जांच दल की स्थिति रिपोर्ट के आधार पर बताया कि जांच लगभग पूरी हो चुकी है। कैमरों के फुटेज, गवाहों के बयान और अन्य साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों की पहचान की गई है। सवाल यह है कि जब चढ़ावे की रसीद बनती थी और कीमती सामान बैंक के लॉकर में रखा जाता था, तो चोरी 105 बार कैसे होती रही? पहली जांच में 27 अप्रैल से 5 जून के बीच करीब 70 संदिग्ध घटनाएं सामने आई थीं। फुटेज में गिरफ्तार 8 आरोपी नोटों की गड्डियां जेब और जूतों में छिपाते दिखाई दिए थे। विशेष जांच दल ने 25 सितंबर तक आरोपपत्र दाखिल करने की बात कही है। वहीं 22 सितंबर को 90 दिन पूरे होने के कारण आरोपियों की वैधानिक जमानत का मुद्दा भी अहम हो गया है। याचिकाकर्ताओं ने जांच रिपोर्ट की प्रति मांगी, लेकिन उच्चतम न्यायालय ने फिलहाल देने से इनकार कर दिया।

महानगर मेट्रो का बड़ा सवाल

मंदिर की सुरक्षा और चढ़ावे की निगरानी में आखिर ऐसी कौन-सी बड़ी चूक हुई कि 105 कथित चोरी की घटनाएं सामने आ गईं? क्या केवल 8 गिरफ्तारियां पूरी कहानी खोल पाएंगी?

गिरफ्तारी को लेकर सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला, वजह लिखित में बताना जरूरी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कहा कि किसी व्यक्ति को गिरफ्तार करते समय उसे गिरफ्तारी का कारण लिखित रूप में और ऐसी भाषा में बताना जरूरी है, जिसे वह समझ सके। ऐसा नहीं करने पर गिरफ्तारी गैरकानूनी और असंवैधानिक मानी जाएगी। न्यायालय ने कहा कि गिरफ्तारी के बाद व्यक्ति को रिहा कर दिया गया हो और जांच एजेंसी उसे फिर गिरफ्तार करना चाहती हो, तो पुलिस सीधे गिरफ्तारी नहीं कर सकती। इसके लिए पहले मजिस्ट्रेट की अनुमति लेनी होगी। पीठ ने यह भी कहा कि पहली गिरफ्तारी में नियमों का उल्लंघन करने वाले अधिकारी के खिलाफ विभागीय जांच होगी। दोबारा गिरफ्तारी होने पर आगे की जांच किसी दूसरे अधिकारी को सौंपी जाएगी। यह फैसला जसरकरनजीत सिंह की अपील पर आया। नाबालिग से यौन अपराध के आरोपों से जुड़े मामले में उन्हें गिरफ्तारी का कारण लिखित में नहीं बताया गया था। सुप्रीम कोर्ट ने उनकी गिरफ्तारी को गैरकानूनी माना। न्यायालय ने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 22(1) के तहत गिरफ्तारी का कारण बताना व्यक्ति का मौलिक और वैधानिक अधिकार है। इसका उल्लंघन होने पर आरोपी को तत्काल रिहाई का अधिकार होगा।

करीना कपूर ने पूरे किए 46 साल, ढाई दशक के सफर में बनाई खास पहचान

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। अभिनेत्री करीना कपूर खान आज 46 साल की हो गईं। 21 सितंबर 1980 को जन्मीं करीना ने वर्ष 2000 में फिल्म 'रिफ्यूजी' से अभिनय की शुरुआत की थी। इसके बाद 'कभी खुशी कभी गम', 'अजनबी' और 'मुझे कुछ कहना है' जैसी फिल्मों से वह मुख्यधारा के सिनेमा की चर्चित अभिनेत्री बनीं। शुरुआती दौर में उनकी पहचान ग्लैमरस और व्यावसायिक फिल्मों की नायिका के रूप में रही। 'कभी खुशी कभी गम' की 'पू' ने उनकी इस छवि को खास पहचान दी। बाद में करीना ने चुनौतीपूर्ण भूमिकाओं की ओर रुख किया। 'चमेली', 'देव' और 'ओमकारा' जैसी फिल्मों में उनके अभिनय ने उनकी अलग पहचान बनाई। 'देव' और 'ओमकारा' के लिए उन्हें फिल्मफेयर समीक्षक पुरस्कार भी मिला। करीना ने अपने ढाई दशक से अधिक लंबे करियर में ग्लैमर से आगे बढ़कर गंभीर और विविध किरदारों से अपनी अभिनय क्षमता साबित की है।

श्रीगंगानगर चेयरमैन बोले- हां, मैं गुंडा हूं: निकाय चुनावों में हंगामा, पार्षदों को रोकने के आरोप

महानगर मेट्रो ब्यूरो

श्रीगंगानगर। राजस्थान में निकाय चुनावों के दौरान कई जगह राजनीतिक खींचतान देखने को मिली। श्रीगंगानगर नगर परिषद में भाजपा के अजय दावड़ा अध्यक्ष चुने गए। जीत के बाद उन्होंने विरोधियों के आरोपों पर कहा कि वे अपने भाइयों के लिए 'गुंडा' हैं। सवाई माधोपुर की बामनवास नगर पालिका में अध्यक्ष पद के चुनाव के दौरान भाजपा और कांग्रेस कार्यकर्ता आमने-सामने हो गए। कांग्रेस विधायक इंदिरा मीणा के पहुंचने पर विवाद बढ़ गया। भाजपा की पूर्व प्रधान शशिकला मीणा ने उनकी गाड़ी रोकने का प्रयास किया। पुलिस ने बल प्रयोग कर दोनों पक्षों को अलग किया। वहीं तिजारा नगर परिषद के 18 कांग्रेस समर्थित पार्षदों को कथित तौर पर रोकने का मामला सामने आया है। कांग्रेस के पूर्व विधायक संदीप यादव ने आरोप लगाया कि हरियाणा पुलिस ने रविवार रात उन्हें और पार्षदों को चंडीमंदिर टोल प्लाजा पर हिरासत में लिया और जंगल की ओर ले गई। ये पार्षद अध्यक्ष पद के चुनाव में मतदान के लिए हिमाचल से तिजारा लौट रहे थे। पुलिस की ओर से लगाए गए आरोपों पर विस्तृत प्रतिक्रिया सामने आना बाकी है। इस कार्रवाई के विरोध में कांग्रेस नेता हरियाणा के पिंजौर थाने के बाहर धरने पर बैठे हैं। वहीं, तिजारा में गायब पार्षदों के परिवार और कांग्रेस कार्यकर्ता भी थाने के बाहर नारेबाजी कर रहे हैं।

वडोदरा के करजण APMC का चुनाव रद्द होने से राजनीति में भूचाल

बीजेपी के ही दो गुटों के आपसी टकराव से 'राम भरोसे' चल रही बाजार समिति!

विधायक अक्षय पटेल और पूर्व विधायक सतीश पटेल की अगुवाई में वर्चस्व की लड़ाई बढ़ने पर चुनाव स्थगित

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वडोदरा/करजण। गुजरात में सहकारिता क्षेत्र और मार्केट यार्ड्स पर कब्जा जमाने के लिए राजनेता किस हद तक जा सकते हैं, इसका एक बेहतरीन उदाहरण वडोदरा जिले के करजण तालुका में देखने को मिला है। करजण APMC (एग्रीकल्चर प्रोड्यूस मार्केट कमेटी) के बेहद संवेदनशील चेयरमैन और वाइस चेयरमैन का चुनाव अचानक रद्द कर दिया गया है। रजिस्ट्रार द्वारा इसे 'निजी कारणों' से स्थगित किए जाने का आधिकारिक कारण बताया गया है, लेकिन अंदरखाने जो खेल चल रहा है, उसने राजनीतिक गलियारों में भारी सनसनी फैला दी है।

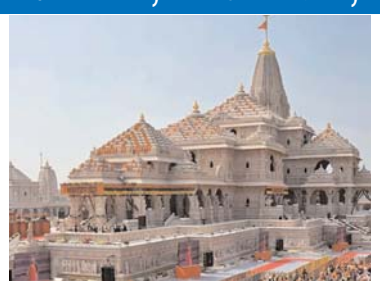

बीजेपी के ही दो गुट आमने-सामने, हार का डर या मलाई खाने की लड़ाई?

सूत्रों से मिली बेहद विश्वसनीय जानकारी के अनुसार, करजण के वर्तमान विधायक अक्षय पटेल और पूर्व विधायक सतीश पटेल की अगुवाई वाले बीजेपी के ही दो शक्तिशाली गुटों के बीच APMC पर वर्चस्व कायम करने के लिए खुली जंग छिड़ गई थी। हालात ऐसे बन गए थे कि यदि चुनाव होते तो आधिकारिक बीजेपी मैंडेट के खिलाफ ही बगावत हो जाती और बीजेपी के ही उम्मीदवार की हार तय थी। अपनी साख बचाने और कुर्सी खिसकने के डर से बीजेपी के दिग्गजों के इशारे पर इस चुनाव को ऐन वक्त पर टाल दिए जाने की चर्चा जोर-शोर से चल रही है।

नेताओं की लड़ाई में किसान बेहाल, 'राम भरोसे' चल रही है APMC

एक तरफ सत्ता और पद की लालसा में नेता धड़ाधड़ बयानबाजी कर रहे हैं, तो दूसरी तरफ अन्नदाता कहे जाने वाले किसानों के मुद्दों और हितों को पूरी तरह दरकिनार कर दिया गया है। APMC जैसी संस्थाएं यदि राजनीति का अखाड़ा बन जाएं और 'राम भरोसे' चलें, तो किसानों को अपनी उपज बेचने के लिए किस पर भरोसा करना चाहिए? यह एक बड़ा सवाल है। एक-दूसरे पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगा रहे ये नेता पूरी व्यवस्था को दांव पर लगा रहे हैं।

कोयले में हाथ काले कर रहे नेताओं के खिलाफ जनता में उग्र रोष

इस पूरे घटनाक्रम से स्थानीय जनता और किसानों में भारी गुस्सा फैल गया है। जनता के बीच चर्चा हो रही है कि नेता अपने निजी स्वार्थ और राजनीतिक रोटियां सेकने के लिए पूरी बाजार समिति को बंधक बना रहे हैं और 'कोयले की दलाली में हाथ काले' कर रहे हैं। अब सवाल यह उठ रहा है कि आखिर APMC चेयरमैन के चुनाव की नई तारीख कब तय होगी? या फिर अंदरखाने सौदेबाजी करके सत्ता की सेटिंग कर ली जाएगी?

नगालैंड की 'अंग' को ऑस्कर में सीधी पात्रता, धर्म परिवर्तन और परंपराओं के खोने की कहानी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। नगालैंड की फिल्म 'अंग' को 2027 के ऑस्कर पुरस्कारों की अंतरराष्ट्रीय फीचर फिल्म श्रेणी में सीधी पात्रता मिल गई है। इससे पहले मराठी फिल्म 'गोंधल' भारत की आधिकारिक प्रविष्टि बनी थी। निर्देशक थेजा रियो की 'अंग' ने टोरंटो अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव 2026 में मंच पुरस्कार जीता। इस पुरस्कार के साथ फिल्म को ऑस्कर में सीधे पात्र होने का अवसर मिला। फिल्म को 20 हजार कनाडाई डॉलर का पुरस्कार भी मिला। 1960 के दशक के नगालैंड की पृष्ठभूमि पर बनी यह फिल्म धर्म परिवर्तन के बीच अपनी संस्कृति और परंपराओं को बचाने की कोशिश कर रहे एक आदिवासी मुखिया की कहानी है। फिल्म में नगालैंड के स्थानीय कलाकारों के साथ बाफ्टा पुरस्कार विजेता अभिनेता डगलस हेनशॉल भी नजर आएंगे। 'अंग' थेजा रियो की 2021 में आई इसी नाम की लघु फिल्म का विस्तारित रूप है।

सूरत मनपा में भ्रष्टाचार का भूचाल: 5 क्लास-1 अधिकारियों के खिलाफ जांच के लिए ACB ने मांगी मंजूरी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सूरत। सूरत महानगर पालिका एक बार फिर बड़े भ्रष्टाचार के दलदल में फंसती नजर आ रही है। सूरत मनपा के 5 उच्च पदस्थ क्लास-1 अधिकारियों की मुश्किलें काफी बढ़ गई हैं। पालिका में स्ट्रीटलाइट और एलईडी सप्लाई से जुड़े विवादित टेंडर्स और घपले के मामले में एंटी करप्शन ब्यूरो ने इन सभी पांचों अधिकारियों के खिलाफ कानूनी शिकंजा कसने के लिए आधिकारिक तौर पर मंजूरी मांग ली है।

इस बड़े खुलासे के बाद से सूरत के प्रशासनिक अमले में भारी भगदड़ और खलबली मच गई है। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, सूरत मनपा द्वारा शहर में स्ट्रीटलाइट लगाने और एलईडी सप्लाई करने के लिए जो टेंडर जारी किए गए थे, उनमें नियमों को ताक पर रखकर लाखों-करोड़ों रुपए की धांधली किए जाने की गंभीर शिकायतें सामने आई थीं। इस मामले में एसीबी द्वारा की गई शुरुआती जांच के बाद इन पांचों उच्च अधिकारियों की भूमिका बेहद संदिग्ध पाई गई है। इस भ्रष्टाचार की जड़ें कहां तक फैली हैं, इसका पर्दाफाश करने के लिए एसीबी ने अब गहराई से जांच शुरू करने की पूरी तैयारी कर ली है। एसीबी के रडार पर आए इन पांचों अधिकारियों में सूरत मनपा के कई महत्वपूर्ण पदों पर बैठे भ्रष्ट क्लास-1 अधिकारी शामिल हैं। इससे पहले भी पालिका के कुछ इंजीनियर और अधिकारी भ्रष्टाचार के मामलों में एसीबी के हत्थे चढ़ चुके हैं, लेकिन इस ताज़ा खुलासे ने पालिका की पारदर्शी प्रशासनिक छवि पर एक बार फिर बड़ा दाग लगा दिया है। नियमानुसार किसी भी सरकारी या मनपा अधिकारी के खिलाफ सीधे जांच या कार्रवाई से पहले सक्षम प्राधिकारी या नगर आयुक्त से अनुमति लेना अनिवार्य होता है। एसीबी द्वारा अनुमति के लिए प्रस्ताव भेजे जाने के बाद अब पालिका के भीतरखाने में यह चर्चा जोरों पर है कि क्या प्रशासन इन भ्रष्ट अधिकारियों को बचाएगा या फिर एसीबी को खुली छूट देकर निष्पक्ष जांच होने देगा? यदि मंजूरी की मुहर लग जाती है,

रात के अंधेरे में बेकाबू दौड़ते वाहन चालकों पर नवरंगपुरा पुलिस का हंटर: सिर्फ 6 घंटे में 106 वाहन डिटेन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। शहर में रात के समय कानून-व्यवस्था की धज्जियां उड़ाने और तेज रफ्तार में गाड़ियां दौड़ाकर आम नागरिकों की सुरक्षा को खतरे में डालने वाले लापरवाह चालकों और उपद्रवी तत्वों पर अब अहमदाबाद शहर पुलिस की पैनी नजर पड़ चुकी है। नवरंगपुरा पुलिस ने रात के अंधेरे में सड़कों पर आतंक मचाने वाले बेलगाम वाहन चालकों के खिलाफ बेहद आक्रामक अंदाज में 'मेगा ड्राइव' शुरू की है, जिसके महज दो दिनों के नाइट चेकिंग में चौंकाने वाले आंकड़े सामने आए हैं। मिली जानकारी के मुताबिक, नवरंगपुरा पुलिस ने शहर के सबसे व्यस्त और पॉश इलाकों में शुमार सी.जी. रोड (ष्ट.त्र. क्रश्वड्डस्र) और म्युनिसिपल मार्केट के आसपास रात 10:00 बजे से 1:00 बजे तक सघन वाहन चेकिंग अभियान चलाया। केवल दो रातों के दौरान कुल 6 घंटे के इस छोटे से समय में नियमों की धज्जियां उड़ाने वाले कुल 106 वाहन पुलिस द्वारा डिटेन किए गए हैं। पुलिस की इस अचानक और आक्रामक कार्रवाई से वाहन चालकों में हड़कंप मच गया। इस मेगा ड्राइव के दौरान नवरंगपुरा पुलिस और SHE टीम की महिला पुलिसकर्मियों ने संयुक्त रूप से मोर्चा संभाला। खास तौर पर बिना नंबर प्लेट के 21 वाहन पकड़े गए, जिनके असामाजिक गतिविधियों या दुर्घटना को अंजाम देकर फरार होने की आशंका है। ड्राइविंग लाइसेंस और जरूरी दस्तावेजों के बिना फर्राटा भरने वाले वाहन चालक। सड़कों पर शोर शराबा और आतंक फैलाने वाले मॉडिफाइड साइलेंसर और फैंसी नंबर प्लेट वाले वाहन। डिटेन किए गए कुल 106 वाहनों में 26 एक्सेस, 25 बर्गमैन, 19 एक्टिवा, 6 बुलेट, 3 जुपिटर और 6 फोर-व्हीलर (कार) शामिल हैं। महिलाओं और वरिष्ठ नागरिकों की सुरक्षा सर्वोपरि पुलिस स्टेशन के उच्च अधिकारियों के मुताबिक, इस सख्त अभियान का मुख्य उद्देश्य रात के समय बाहर निकलने वाली महिलाओं, युवतियों और वरिष्ठ नागरिकों की सुरक्षा को पुख्ता करना है। रात के वक्त स्ट्रीट रेसिंग करने वाले या कानून को ताक पर रखने वाले बेकाबू चालकों पर लगाम कसने के लिए यह बड़ा कदम उठाया गया है।

1.80 लाख डॉलर की नौकरी छूटने के बाद पूर्व इंटेल इंजीनियर ने शुरू किया अपना स्टार्टअप

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। दुनिया की दिग्गज टेक्नोलॉजी कंपनियों में पिछले कुछ समय से चल रही बड़े पैमाने पर छटनी ने हजारों प्रतिभाशाली इंजीनियरों और प्रोडक्ट मैनेजरों का भविष्य अंधकारमय बना दिया है। गूगल, मेटा माइक्रोसॉफ्ट और इंटेल जैसी ग्लोबल जायंट कंपनियों से रातों-रात बाहर किए गए कर्मचारियों के लिए आज नई नौकरी पाना लोहे के चने चबाने जैसा हो गया है। लाखों-करोड़ों का पैकेज पाने वाले टेक प्रोफेशनल्स आज बेरोजगारी के भंवर में गोता लगाने को मजबूर हैं। इस कड़वी सच्चाई का शिकार हुए ऐसे ही एक हाई-प्रोफाइल मामले में, इंटेल कंपनी में 'डेवलपर एडवोकेट' के तौर पर काम करने वाले और सालाना 1,80,000 (लगभग 1.80 लाख डॉलर) कमाने वाले श्रीराम रामकृष्णन को जुलाई 2025 में नौकरी से निकाल दिया गया था। लगातार 23 साल तक कंपनी को अपनी निष्ठा और कुशलता देने के बाद अचानक नौकरी छूटने से उनकी व्यक्तिगत पहचान और आत्मविश्वास को हिला देने वाला बड़ा झटका लगा था। जब श्रीराम को कंपनी से बाहर का रास्ता दिखाया गया, तब उन्होंने सोचा था कि उनके अनुभव और स्किल्स के दम पर उन्हें अधिकतम छह महीने के भीतर नई नौकरी मिल जाएगी। लेकिन, ग्लोबल टेक मार्केट की मंदी और कठोर सच्चाई यह थी कि एक साल से ज्यादा समय बीत जाने के बाद भी उन्हें कोई संतोषजनक नौकरी नहीं मिल सकी। छह अंकों की सालाना सैलरी गंवाने के बाद सैकड़ों या हजारों कंपनियों में आवेदन करने के बावजूद सिर्फ निराशा ही हाथ लगी, जो बिग टेक सेक्टर के कर्मचारियों के लिए एक कड़वी हकीकत बन चुकी है। लंबे समय तक बेरोजगार रहने और तमाम बाधाओं का सामना करने के बावजूद, श्रीराम ने हार मानने से इनकार कर दिया था। निराश होकर बैठने के बजाय उन्होंने नया रास्ता चुना और अपना खुद का स्टार्टअप 'Technidos' शुरू करके एक शानदार शुरुआत की है।

रसोई पर महंगाई का आतंक: प्याज, दाल, तेल और आटा के दाम आसमान छूने से जनता त्रस्त, जमाखोर बेफाम

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद/गांधीनगर। देश में इस वक्त रोजाना की जरूरी चीजों की बेलगाम महंगाई ने मध्यम वर्ग और गरीब परिवारों की कमर तोड़ कर रख दी है। दाल, खाद्य तेल, मसाले, आटा और प्याज के दाम इतने ज्यादा आसमान छू रहे हैं कि आम परिवार का रसोई का बजट पूरी तरह चरमरा गया है। कालाबाजारियों और जमाखोरों पर कड़ा शिकंजा कसने में नाकाम साबित हो रही भाजपा सरकार के खिलाफ गुजरात प्रदेश कांग्रेस कमेटी के मीडिया कन्वीनर और प्रवक्ता डॉ. मनीष दोशी द्वारा बेहद आक्रामक और धमाकेदार बयान जारी किया गया है। डॉ. मनीष दोशी द्वारा सार्वजनिक किए गए आंकड़ों के मुताबिक, आम जनता पर महंगाई का कितना बड़ा बोझ लादा गया है, इसकी साफ झलक मिलती है सरसों का तेल: 102 रुपए से बढ़कर 263 रुपए (157.84' की बढ़ोतरी) उड़द की दाल: 71 रुपए से बढ़कर 180 रुपए (153.52' की बढ़ोतरी) चना दाल: 50 रुपए से बढ़कर 125 रुपए (150.00' की बढ़ोतरी) विकास के बड़े-बड़े खोखले नारे लगाने वाली सरकार के राज में प्याज के दाम मई 2013 में 23 रुपए प्रति किलो थे, जो बढ़कर अगस्त 2026 में 84 रुपए प्रति किलो (217.39' की भारी बढ़ोतरी) पर पहुंच गए हैं।

सेवानिवृत्ति के बाद एक्सटेंशन के खेल पर सवाल

किडनी अस्पताल में डॉ. प्रांजल मोदी की तानाशाही और करोड़ों के घोटाले के खिलाफ 'महानगर मेट्रो' का बड़ा धमाका

सी.आर. पाटिल के नियमों की बातों के बीच किडनी अस्पताल में एक्सटेंशन और करोड़ों के भ्रष्टाचार की चर्चा हुई तेज

सच्चाई सामने आने के डर से 'महानगर मेट्रो' के प्रतिनिधि को अस्पताल में प्रवेश करने से रोककर गार्ड द्वारा दी गई धमकी अरबों रुपए का PM फंड और करोड़ों का घोटाला

क्या प्रधानमंत्री मोदी के सपनों को खत्म कर रहा है यह प्रशासनिक साम्राज्य?

संपादक के फोन का जवाब देने से कतराते डॉ. प्रांजल मोदी पर किसका आशीर्वाद?

महानगर मेट्रो के सवाल

क्या पीएमओ इस मामले का संज्ञान लेकर उच्च स्तरीय जांच के आदेश देगा? क्या गुजरात सरकार भ्रष्टाचार के इस दलदल के खिलाफ कोई ठोस कदम उठाएगी या फिर गुजरात के आम मरीजों और जनता को इस भ्रष्टाचार की भट्टी में झोंके जाते हुए देखती रहेगी? हमारी आवाज अब सीधे प्रधानमंत्री कार्यालय तक पहुंचनी ही चाहिए!

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

अहमदाबाद/गांधीनगर। गुजरात में बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष सी.आर. पाटिल द्वारा पूर्व में स्पष्ट निर्देश दिए गए थे कि सेवानिवृत्ति के बाद सरकारी या अर्धसरकारी पदों पर एक्सटेंशन (सेवा विस्तार) नहीं दिया जाना चाहिए, ताकि युवा और प्रतिभाशाली युवाओं को रोजगार और आगे बढ़ने का अवसर मिल सके। यदि इस नियम का पालन होता है तो यह वाकई बहुत अच्छी बात है, लेकिन जब बात अहमदाबाद की विश्व प्रसिद्ध किडनी अस्पताल की आती है, तो ये नियम केवल कागजों तक ही सीमित नजर आ रहे हैं। किडनी अस्पताल में डॉ. प्रांजल मोदी को एक्सटेंशन देकर विशेष छूट दिए जाने की चर्चाएं जोरों पर हैं।

क्या किडनी अस्पताल में चल रही है डॉ. प्रांजल मोदी की हिटलरशाही?

सूत्रों से प्राप्त बेहद चौंकाने वाली जानकारियों के अनुसार, किडनी अस्पताल में डॉ. प्रांजल मोदी का वर्चस्व इस हद तक है कि उन पर कोई नियम लागू नहीं होता और अस्पताल में कथित तौर पर 'हिटलरशाही' चल रही है। अस्पताल के संचालन के लिए केंद्र सरकार द्वारा करोड़ों रुपए का पीएम फंड आवंटित किया जाता है, लेकिन इतने बड़े फंड के मुकाबले पर्याप्त ध्यान नहीं दिया जा रहा है और अंदरखाने करोड़ों रुपए का घोटाला किया जा रहा है—ऐसे गंभीर आरोप सूत्रों द्वारा लगाए जा रहे हैं।

सच्चाई सामने आने के डर से 'महानगर मेट्रो' की टीम पर प्रतिबंध और धमकी!

जब किडनी अस्पताल के इस करोड़ों रुपए के घोटाले और गड़बड़ियों की रिपोर्ट 'महानगर मेट्रो' न्यूज़ पेपर में प्रकाशित हुई, तो सत्ताधारियों और अस्पताल प्रशासन में भारी हड़कंप मच गया था। अपनी काली करतूतों को छिपाने के लिए हद तो तब पार हो गई जब हमारे प्रतिनिधि इस मामले में रियालिटी चेक करने या ग्राउंड रिपोर्ट के लिए अस्पताल पहुंचे, तो उन्हें अंदर प्रवेश करते ही रोक दिया गया और सुरक्षा गार्ड्स द्वारा धमकियां दी गईं!

क्या डॉ. प्रांजल मोदी और उनका प्रशासन इतना संदिग्ध है कि 'महानगर मेट्रो' के सवालों के जवाब वे नहीं दे सकते? यही वजह है कि 'महानगर मेट्रो' के संपादक द्वारा जब डॉ. प्रांजल मोदी से उनके मोबाइल पर संपर्क करने का प्रयास किया गया, तो उन्होंने फोन उठाने या जवाब देने की जहमत तक नहीं उठाई!

क्या किसी बड़े नेता या आरएसएस के आशीर्वाद से चल रहा है खेल?

राजनीतिक और सामाजिक हलकों में ऐसी चर्चाएं जोर पकड़ रही हैं कि डॉ. प्रांजल मोदी पर आरएसएस या किसी प्रभावशाली नेता का हाथ है, जिसकी वजह से उन पर कोई कानूनी या विभागीय आंच नहीं आती। यदि देश की जनता के टैक्स के पसीने की कमाई और पीएम फंड के पैसों का इस तरह दुरुपयोग होता रहा, तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'भ्रष्टाचार मुक्त भारत' और पारदर्शी प्रशासन के सपनों को करारा झटका लगेगा।

वड़ताल के श्रीजी आर्केड में मदरसा बनने की आशंका से ग्रामीणों में भड़का रोष: VHP और बजरंग दल का उग्र विरोध

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वड़ताल/खेड़ा। गुजरात के विश्व प्रसिद्ध तीर्थस्थल वड़ताल की पवित्र धरती पर इस समय एक नया और गंभीर विवाद सामने आया है। वड़ताल के पास स्थित 'श्रीजी आर्केड' कॉम्प्लेक्स विवाद के घेरे में आ गया है। इस कॉम्प्लेक्स के मालिक द्वारा तीसरी मंजिल की आठ दुकानें मुस्लिम समुदाय के लोगों को बेचे जाने के बाद स्थानीय लोगों और हिंदू संगठनों में भारी हलचल मच गई है। ये दुकानें किस उद्देश्य से बेची गई हैं, इस संबंध में विश्व हिंदू परिषद द्वारा की गई जांच में चौंकाने वाली जानकारियां सामने आई हैं, जिसके चलते ग्रामीणों और संगठनों में आक्रोश का ज्वालामुखी फूट पड़ा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, श्रीजी आर्केड कॉम्प्लेक्स की आठ

दुकानें मुस्लिम समुदाय को बेचे जाने के बाद वहां कथित तौर पर 'मदरसा' बनाए जाने की सूचना सामने आई है। यह बात जंगल में आग की तरह फैलते ही ग्रामीण भड़क उठे। जिस गांव में मुस्लिम आबादी बमुश्किल 1 प्रतिशत भी नहीं है, ऐसे तीर्थ क्षेत्र में अचानक मदरसा बनाने की साजिश किस इरादे से रची जा रही है? इस तरह के गंभीर सवाल अब आम चर्चा का विषय बन गए हैं। स गंभीर मामले को लेकर विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के कार्यकर्ता तुरंत एक्शन मोड में आ गए हैं। इन संगठनों द्वारा इस पूरे प्रकरण का बेहद आक्रामक अंदाज में विरोध प्रदर्शन किया गया है। विरोधस्वरूप कॉम्प्लेक्स के बाहर स्पष्ट शब्दों में बैनर और पोस्टर लगा दिए गए हैं जिन पर लिखा है, 'यह जगह मदरसा बनाने के लिए बेची गई है, हिंदू समाज इसका कड़ा विरोध करता है।' इस कदम से पूरे इलाके में पुलिस बंदोबस्त और तनावपूर्ण शांति जैसा माहौल बन गया है। स्थानीय नागरिकों के अनुसार, खेड़ा जिले में पिछले कुछ समय से इस तरह के विवाद और गतिविधियां लगातार सामने आ रही हैं, जो आने वाले समय में सामाजिक सौहार्द और सुरक्षा के लिहाज से गंभीर प्रश्नचिह्न खड़े कर रही हैं।

सरपंच पर लगे आरोपों को लेकर सोशल मीडिया पर जंग

निष्पक्ष जांच और डीएनए टेस्ट' की मांग के साथ समर्थक मैदान में

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। राज्य के ग्रामीण इलाकों और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर इस समय एक विवादित मामला भारी चर्चा का विषय बन गया है। एक जनप्रतिनिधि या सरपंच के खिलाफ लगे गंभीर आरोपों के बाद अब समर्थकों और जागरूक नागरिकों द्वारा न्याय और पारदर्शी जांच की मांग के साथ सोशल मीडिया पर अभियान शुरू कर दिया गया है। किसी भी तरह के पूर्वाग्रह के बिना पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच हो और सच क्या है, यह जनता के सामने आए, ऐसी पुरजोर मांग उठ रही है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक, चर्चा में आए सरपंच भाई के खिलाफ कुछ आरोप लगाए गए हैं, जिन्हें लेकर उनके समर्थक और शुभचिंतक आगे आए हैं। समर्थकों का मानना है कि केवल आरोपों के आधार पर ही किसी व्यक्ति को अपराधी या दोषी मान लेना सही नहीं है। सरपंच भाई ने पहले समाज और गांव के विकास के लिए तथा जरूरतमंदों को कई बार साथ और मदद दी है, इसलिए इस मामले में दूध का दूध और पानी का पानी होना अनिवार्य है। इस केस में सच्चाई सामने लाने के लिए बेहद आक्रामक मांग की गई है कि, यदि जरूरत पड़े तो डीएनए टेस्ट समेत तमाम वैज्ञानिक सबूतों की सघन और निष्पक्ष जांच की जाए। न्याय किसी के पक्ष में नहीं, केवल सच्चाई के आधार पर होना चाहिए! इस प्रकरण में सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे संदेशों और बयानों में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि न्याय हमेशा तराजू के पलड़े देखकर नहीं, बल्कि सच्चाई और मजबूत सबूतों के आधार पर ही होना चाहिए।

गुजरात में सरकारी कर्मचारियों की हुंकार: सिटी सर्वे की हड़ताल और ग्रामसेवकों के बहिष्कार से प्रशासनिक तंत्र ठप

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर/अहमदाबाद। पूरे गुजरात में सरकारी कर्मचारियों में फैला आक्रोश अब खुले विरोध और आंदोलन में बदल चुका है। लंबे समय से लंबित मांगों को सरकार द्वारा स्वीकार न किए जाने के बाद आखिरकार राज्य के कर्मचारियों ने सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। एक तरफ सिटी सर्वे के कर्मचारियों ने अनिश्चितकालीन हड़ताल का हथियार उठा लिया है, तो दूसरी तरफ ग्रामसेवकों ने भी सरकारी पोर्टल के ऑनलाइन कामकाज का बहिष्कार करके सरकार की चिंता को और बढ़ा दिया है। कर्मचारियों के इस उग्र आंदोलन की वजह से राज्यभर के सरकारी दफ्तरों के प्रशासनिक कामकाज पर भारी असर देखने को मिल रहा है। सिटी सर्वे कर्मचारियों की हड़ताल से कामकाज ठप प्राप्त जानकारी के अनुसार, सिटी सर्वे विभाग के कर्मचारियों ने अपनी विभिन्न लंबित मांगों को

लेकर अनिश्चितकालीन हड़ताल का ऐलान किया है। इसके कारण शहरी इलाकों में जमीन की पैमाइश, प्रॉपर्टी कार्ड निकलवाने, सिटी सर्वे के दस्तावेज प्राप्त करने और संपत्ति के दस्तावेजों से जुड़ी हजारों अर्जियां लटक गई हैं। रोजाना दफ्तरों के चक्कर काट रहे फरियादियों को खाली हाथ वापस लौटना पड़ रहा है। ग्रामसेवकों का ऑनलाइन बहिष्कार, 2 अक्टूबर से उग्र आंदोलन की चेतावनी सिर्फ सिटी सर्वे ही नहीं, बल्कि ग्रामीण स्तर पर जमीनी कामकाज संभालने वाले ग्रामसेवक भी इस लड़ाई में मैदान में उतर आए हैं। ग्रामसेवकों ने सरकारी पोर्टल पर किए जाने वाले सभी ऑनलाइन कार्यों का पूरी तरह से बहिष्कार कर दिया है। उनकी मुख्य मांगों में समय पर वेतन और ग्रेड पे में सुधार जैसे लंबित मुद्दे शामिल हैं। अगर सरकार द्वारा इस मामले में तत्काल प्रभाव से कोई उचित निर्णय नहीं लिया जाता है, तो ग्रामसेवकों ने आगामी 2 अक्टूबर (गांधी जयंती) से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले जाने की कड़ी और जोरदार चेतावनी दे दी है। कर्मचारियों की इस हड़ताल और बहिष्कार के कारण ग्रामीण और शहरी दोनों ही क्षेत्रों में आम जनता पिस रही है। जमीन पैमाइश, प्रॉपर्टी कार्ड, वारिसई प्रविष्टि के साथ-साथ सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन पर सीधा ब्रेक लग गया है। त्योहारों और आने वाले दिनों की पूर्वसंध्या पर कर्मचारियों का यह आंदोलन सरकार के लिए एक बड़ी चुनौती बनकर खड़ा हो गया है।

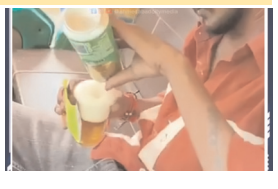

श्मशान घाट के पास रिक्शे में बैठकर खुलेआम बीयर पीते आदमी का वीडियो वायरल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद. गुजरात में कागजों पर शराब बैन के बड़े-बड़े दावे किए जाते हैं, लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि शराब तस्कर और नशेड़ी खुलेआम कानून की धज्जियां उड़ा रहे हैं। अहमदाबाद शहर के सेंसिटिव नरोदा पुलिस स्टेशन इलाके से एक बहुत ही चौंकाने वाला मामला सामने आया है। नरोदा इलाके में श्मशान घाट के बहुत करीब एक युवक रिक्शे के अंदर आराम से बैठकर खुलेआम बीयर पीता हुआ देखा गया है, जिसका एक वीडियो इस समय सोशल मीडिया पर जंगल में आग की तरह वायरल हो रहा है। राज्य में शराब की बिक्री और पीने पर सख्त बैन होने के बावजूद अगर कोई इस तरह बेखौफ होकर पब्लिक में शराब या बीयर पी रहा है, तो यह स्वाभाविक है कि पुलिस सिस्टम के काम करने के तरीके पर गंभीर सवाल उठेंगे। वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि इस युवक को न तो कानून का कोई डर है और न ही पुलिस की पॉलिसी का कोई डर। आखिर पब्लिक में इतनी हिम्मत कहां से आती है? क्या लोकल पुलिस की मिलीभगत के बिना यह मुमकिन है? ऐसे कई सवाल पब्लिक में चर्चा में हैं। ऐसी घटनाओं से अहमदाबाद पुलिस की इमेज खराब हो रही है और आम लोगों में बहुत गुस्सा है। हालांकि इस वायरल वीडियो की सच्चाई और घटना की ऑफिशियल पुष्टि अभी

बाकी है, लेकिन इन नज़ारों ने सिस्टम की पोल खोल दी है। अब देखना यह है कि नरोडा पुलिस इस मामले में जागती है, रिक्शा चालक और नशेड़ी तक पहुंचकर सख्त एक्शन लेती है या मामले को ऐसे ही छोड़ दिया जाता है।

भावनगर लथाकांड के बाद पुलिस महकमे में भारी भूचाल

IGP गगनदीप गंभीर की सख्त कार्रवाई से 100 से अधिक पुलिसकर्मियों के सिर पर लटकी तलवार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भावनगर/गांधीनगर। गुजरात में शराबबंदी के कागजी दावों के बीच जब कानून-व्यवस्था की धज्जियां उड़ती हैं, और रक्षक ही भक्षक बन जाए, तो प्रशासन किस हद तक सख्ती बरतता है, इसका एक बेहतरीन उदाहरण भावनगर से सामने आया है। चर्चित भावनगर लथाकांड के बाद अब गुजरात पुलिस मुख्यालय और उच्च स्तर से कड़ी कार्रवाई शुरू कर दी गई है। रेंज आईजी गगनदीप गंभीर द्वारा उठाए गए आक्रामक कदमों की वजह से भावनगर पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया है और 100 से अधिक पुलिस अधिकारियों तथा कर्मचारियों पर सस्पेंशन या कड़ी विभागीय कार्रवाई की तलवार लटक रही है। प्राप्त अत्यंत विश्वसनीय जानकारियों के अनुसार, भावनगर इलाके में लंबे समय से चल रही अवैध गतिविधियों और शराब तस्करों (बूटलेगरों) के नेटवर्क को स्थानीय पुलिस की रहनुमाई या मिलीभगत के बिना चलाना असंभव था। इस गंभीर मामले को ध्यान में रखते हुए आईजीपी गगनदीप गंभीर ने कमान संभालते ही सघन जांच के आदेश दे दिए हैं। शुरुआती जांच में जो नाम सामने आए हैं, उनमें 100 के करीब पुलिस कर्मचारियों और अधिकारियों की भूमिका संदिग्ध पाई जा रही है। उनमें 100 के करीब पुलिस कर्मचारियों और अधिकारियों की भूमिका संदिग्ध पाई जा रही है। उनमें 100 के करीब पुलिस कर्मचारियों और अधिकारियों की भूमिका संदिग्ध पाई जा रही है। जिन पुलिसकर्मियों की जिम्मेदारी जनता की सुरक्षा करने और अपराध पर लगाम लगाने की थी, वही यदि काले कारोबार में साझीदार बन जाएं तो इसे कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा—यह स्पष्ट संदेश इस कार्रवाई के जरिए दिया गया है। लथाकांड के बाद गुजरात पुलिस अब 'एक्शन मोड' में आ गई है और कसूरवार कोई भी हो, उसे बख्शा नहीं जाएगा—ऐसी नीति अपनाई जा रही है। आने वाले दिनों में इस मामले में बड़े पैमाने पर तबादलों और निलंबन के आदेश जारी होने की प्रबल संभावना है।

श्रीमती रतिला चंद्रवंशी अपनी पुत्री गीतांजली चंद्रवंशी के भविष्य के लिए जमा कर रही राशि

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजनांदगांव। सुकन्या समृद्धि योजना ने बेटी के शिक्षा, उच्च शिक्षा, विवाह सहित अन्य भविष्य में आने वाली छोटी-छोटी जरूरतों को पूरा करने के लिए माता-पिता का बड़ा सहारा बन सकती है। छुरिया विकासखंड के ग्राम चिरचारीकला निवासी श्रीमती रतिला चंद्रवंशी ने सुकन्या समृद्धि योजना से जुड़कर अपनी बेटी गीतांजलि के उज्ज्वल भविष्य के लिए नियमित बचत की शुरूआत की है।श्रीमती रतिला चंद्रवंशी अपनी पुत्री गीतांजलि चंद्रवंशी के भविष्य को लेकर हमेशा चिंतित रहती थीं। बेटी के जन्म पर उन्हें बेहद खुशी हुई और उन्होंने उसके पोषण एवं बेहतर परवरिश का विशेष ध्यान रखा। साथ ही बेटी की स्कूली एवं उच्च शिक्षा के लिए छोटी-छोटी बचत भी शुरू की। उन्होंने बताया कि परिवार में अचानक आवश्यकताएं आने पर कई बार उन्हें अपनी बचत राशि खर्च करनी पड़ती थी। इससे बेटी के भविष्य के लिए की गई बचत फिर से समाप्त हो जाती थी। ऐसे में उन्हें बेटी के भविष्य को लेकर चिंता होती थी। इसी दौरान आंगनबाड़ी कार्यकर्ता श्रीमती अनिता गंधर्व से सुकन्या समृद्धि योजना की जानकारी मिली। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता बताया कि सुकन्या समृद्धि योजना बेटियों के भविष्य के लिए बचत को प्रोत्साहित करती है। योजना की जानकारी मिलने के बाद श्रीमती रतिला चंद्रवंशी ने बिना देर किए अपनी पुत्री गीतांजलि के नाम से सुकन्या समृद्धि खाता खुलवाया और नियमित रूप से राशि जमा करना शुरू किया। इस योजना के तहत वह अपनी बेटी की शिक्षा और भविष्य की जरूरतों के लिए आर्थिक आधार तैयार करने के लिए अपनी पुत्री के खाते में प्रतिमाह 1200 रूपए जमा कर रही हैं। उन्होंने कहा कि सुकन्या समृद्धि योजना बेटी के भविष्य के लिए नियमित बचत की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह पहल अभिभावकों के लिए भी बेटियों की शिक्षा और भविष्य की बेहतर योजना बनाने की प्रेरणा देती है।

लायंस क्लब रीजन-4 की प्रथम स्टाफ मीटिंग संपन्न

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजनांदगांव। रीजन चेयरमेन PMJF लायन अमित खण्डेलवाल, रीजन-4 के नेतृत्व में एवं डिस्ट्रिक्ट गवर्नर 3233 सी PMJF लायन रिपुदमन सिंह पुसरी के निर्देशानुसार होटल क्रॉस रोड रेस्टोरेंट, भिलाई में रीजन-4 की प्रथम रीजन स्टाफ मीटिंग आयोजित की गई। बैठक में रीजन के अंतर्गत आने वाले तीन जोन एवं 11 लायंस क्लबों की गतिविधियों की समीक्षा करते हुए आगामी सेवा कार्यों, सदस्यता विस्तार एवं क्लब की रिपोर्टिंग को लेकर महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। बैठक की शुरुआत ध्वज वंदना के साथ हुई। इसके पश्चात उपस्थित पदाधिकारियों ने रीजन एवं क्लबों द्वारा किए जा रहे सेवा कार्यों की विस्तृत जानकारी साझा की। डिस्ट्रिक्ट 3233 सी के सेकंड वाइस गवर्नर PMJF लायन अनिल अग्रवाल ने 'मिशन 1.5 मेंबर्स ग्रोथ अभियान' के संबंध में विस्तृत जानकारी देते हुए सदस्य संख्या बढ़ाने और नए सदस्यों को लायंस क्लब की सेवा गतिविधियों से जोड़ने पर जोर दिया। रीजन चेयरमेन अमित खण्डेलवाल ने रीजन-4 के अंतर्गत आने वाले तीनों जोन चेयरपर्सन एवं 11 क्लबों के अध्यक्ष, सचिव और कोषाध्यक्षों से जुलाई माह से सितंबर माह तक आयोजित किए गए विभिन्न सेवा एवं सामाजिक कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी ली। रीजन-4 में राजनांदगांव के दो, भिलाई के सात, दुर्ग के एक तथा अहिवारा के एक क्लब शामिल हैं। बैठक के दौरान रीजन चेयरमेन अमित खण्डेलवाल ने बताया कि रीजन-4 के क्लबों द्वारा अपनी गतिविधियों की रिपोर्टिंग में उल्लेखनीय प्रदर्शन किया गया है। रीजन के क्लबों की ओर से 100 प्रतिशत रिपोर्टिंग किए जाने पर उन्होंने सभी जोन चेयरपर्सन, क्लब अध्यक्ष, सचिव, कोषाध्यक्ष एवं पूरी टीम को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि क्लबों की नियमित रिपोर्टिंग से सेवा गतिविधियों का बेहतर समन्वय एवं मूल्यांकन संभव होता है। रीजन चेयरमेन PMJF लायन अमित खण्डेलवाल ने बैठक के दौरान अपने रीजन से डोनेशन देने की शुरुआत भी की।

पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना से श्री श्याम सुंदर वैष्णव का घर हुआ रौशन

खुली बचत की नई राह, प्रतिमाह 2000 रूपए की हो रही बचत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजनांदगांव। प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना बिजली उपभोक्ताओं को सौर ऊर्जा अपनाने के लिए प्रोत्साहित करने के साथ ही बिजली बिल से राहत और ऊर्जा के क्षेत्र में भारत को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के माध्यम से हितग्राही अपने घर की छत पर सोलर रूफटॉप पैनल लगवाकर बिजली के खर्च में कमी ला रहे हैं। डोंगरगढ़ विकासखंड के ग्राम कातलवाही निवासी श्याम सुंदर वैष्णव ने प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना का लाभ लेते हुए अपने घर की छत पर सोलर रूफटॉप पैनल लगवाकर ऊर्जा के क्षेत्र में भारत को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में किए महत्वपूर्ण पहल का हिस्सा बन गए है। श्री श्याम सुंदर वैष्णव ने बताया कि उनके परिवार में 6 सदस्य है। उनके घर में फ्रिज, कूलर पंखे, पानी की मोटर सहित अन्य विद्युत उपकरणों के उपयोग के कारण हर महीने लगभग 1800 से 2200 रूपए बिजली बिल आता था। वह बिजली खर्च में राहत पाने का विकल्प तलाश रहे थे। इसी दौरान ग्राम पंचायत में आयोजित सूर्य सभा एवं जागरूकता शिविर में पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना की जानकारी मिली। शिविर में अधिकारियों ने बताया कि योजना के तहत हितग्राहियों को केन्द्र सरकार की ओर से 78000 रूपए एवं राज्य शासन द्वारा 30 हजार रूपए की सब्सिडी दी जाती है। साथ ही सोलर रूफटॉप पैनल विभिन्न लाभों के बारे में बताया। उन्होंने योजना के लाभों से प्रभावित होकर सोलर रूफटॉप पैनल लगवाने के लिए ऑनलाइन आवेदन किया। आवेदन स्वीकृत होने के बाद उनके घर की छत पर 3 किलोवाट क्षमता का सोलर रूफटॉप पैनल स्थापित किया गया। सोलर पैनल स्थापित होने के बाद श्री वैष्णव के परिवार को बिजली खर्च में बड़ी राहत मिली है। अब उन्हें प्रतिमाह 300 यूनिट तक मुफ्त बिजली का लाभ मिल रहा है और उनका बिजली बिल लगभग शून्य हो गया है। इससे हर महीने करीब 2000 रूपए तक की बचत हो रही है। सोलर पैनल से उत्पादित अतिरिक्त बिजली ग्रिड में जा रही है। जिसका नियमानुसार भविष्य में भी लाभ मिलेगा। साथ ही योजना के तहत केन्द्र एवं राज्य शासन से कुल 1 लाख 8 हजार रूपए की सब्सिडी प्राप्त हो गई है।

डॉ. मनीष दोशी के तीखे प्रहार: 'मोदी सरकार के राज में हर घर के चूल्हे पर ताला लगाने की साजिश

रसोई पर महंगाई का आतंक: प्याज, दाल, तेल और आटा के दाम आसमान छूने से जनता त्रस्त, जमाखोर बेफाम

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद/गांधीनगर। देश में इस वक्त रोजाना की जरूरी चीजों की बेलगाम महंगाई ने मध्यम वर्ग और गरीब परिवारों की कमर तोड़ कर रख दी है। दाल, खाद्य तेल, मसाले, आटा और प्याज के दाम इतने ज्यादा आसमान छू रहे हैं कि आम परिवार का रसोई का बजट पूरी तरह चरमरा गया है। कालाबाजारियों और जमाखोरों पर कड़ा शिकंजा कसने में नाकाम साबित हो रही भाजपा सरकार के खिलाफ गुजरात प्रदेश कांग्रेस कमेटी के मीडिया कन्वीनर और प्रवक्ता डॉ. मनीष दोशी द्वारा बेहद आक्रामक और धमाकेदार बयान जारी किया गया है।

आंकड़ों की बोलती गवाही: किस चीज में कितना भारी-भरकम इजाफा हुआ?

डॉ. मनीष दोशी द्वारा सार्वजनिक किए गए आंकड़ों के मुताबिक, आम जनता पर महंगाई का कितना बड़ा बोझ लादा गया है, इसकी साफ झलक मिलती है:

आटा: 21 रुपए से बढ़कर 69 रुपए (228.57' की बढ़ोतरी)

सरसों का तेल: 102 रुपए से बढ़कर 263 रुपए (157.84' की बढ़ोतरी)

उड़द की दाल: 71 रुपए से बढ़कर 180 रुपए (153.52' की बढ़ोतरी)

चना दाल: 50 रुपए से बढ़कर 125 रुपए (150.00' की बढ़ोतरी)

चावल: 29 रुपए से बढ़कर 71 रुपए (144.83' की बढ़ोतरी)

तुअर की दाल: 75 रुपए से बढ़कर 180 रुपए (140.00' की बढ़ोतरी)

दूध: 36 रुपए से बढ़कर 85 रुपए प्रति लीटर (136.11' की बढ़ोतरी)

चीनी (खांड): 37 रुपए से बढ़कर 84 रुपए (127.03' की बढ़ोतरी)

मूंगफली का तेल: 165 रुपए से बढ़कर 286 रुपए (73.33' की बढ़ोतरी)

सरकार के खोखले दावे और गरीबों के चूल्हे पर संकट

विकास के बड़े-बड़े खोखले नारे लगाने वाली सरकार के राज में प्याज के दाम मई 2013 में 23 रुपए प्रति किलो थे, जो बढ़कर अगस्त 2026 में 84 रुपए प्रति किलो (217.39' की भारी बढ़ोतरी) पर पहुंच गए हैं। एक तरफ प्याज उगाने वाले किसानों को सही दाम नहीं मिल रहे हैं और वे खून के आंसू रो रहे हैं, तो दूसरी तरफ जमाखोर और कालाबाजारी खुलेआम लूट मचा रहे हैं। अगस्त 2026 में थोक महंगाई 9.92 फीसदी रही है, जबकि ईंधन और बिजली समूह में यह दर 22.93 फीसदी तक जा पहुंची है। पिछले 12 वर्षों में केंद्र सरकार द्वारा 40 लाख करोड़ रुपए नागरिकों की जेब से झटक लिए जाने का आरोप लगाया गया है। मसालों में भी 150 से 400 रुपए तक की बढ़ोतरी होने से आम इंसान के लिए जीवन जीना दूभर हो गया है। महानगर मेट्रो का सवाल: प्रधानमंत्री और केंद्र सरकार महंगाई पर क्यों खामोश हैं? 'अच्छे दिन' के वादे करने वाले लोग रसोई तक ये राहतें क्यों नहीं पहुंचा पा रहे हैं? जमाखोरों पर कब सख्त छापे पड़ेंगे? जनता अब सिर्फ विज्ञापन नहीं, सीधे जवाब चाहती है!

अंतरराष्ट्रीय ड्रग्स सिंडिकेट का खुलासा: अहमदाबाद को ड्रग्स का हब बनाने की साजिश नाकाम

अहमदाबाद एयरपोर्ट पर ड्रग्स माफियाओं का बड़ा पर्दाफाश: बैंकॉक से आए यात्री के पास से 8.9 किलो हाइड्रोपोनिक गांजा पकड़ा गया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। गुजरात को नशे की लत में धकेलने के लिए असामाजिक तत्वों द्वारा किस-किस तरह के हथकंडे अपनाए जा रहे हैं, इसका एक और सनसनीखेज मामला अहमदाबाद इंटरनेशनल एयरपोर्ट से सामने आया है। बैंकॉक से फ्लाइट के जरिए अहमदाबाद पहुंचे एक संदिग्ध यात्री के पास से अहमदाबाद कस्टम्स टीम ने सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए लगभग 8.9 किलोग्राम (8,913 ग्राम) हाइड्रोपोनिक वीड (बरामद किया है। विदेश से आयात किए गए इस घातक ड्रग्स की बाजार में कीमत करोड़ों रुपए आंकी जा रही है।

कैसे पकड़ा गया ड्रग्स का पूरा खेल?

प्राप्त अत्यंत विस्तृत जानकारियों के अनुसार, 21 सितंबर को बैंकॉक से अहमदाबाद एयरपोर्ट पर उतरे एक यात्री की हरकतों और उसके सामान पर कस्टम्स अधिकारियों को शक हुआ था। जब उसके चेक-इन बैगेज की सघन तलाशी ली गई, तो अधिकारी भी सन्न रह गए। बैग के अंदर कपड़ों को बेहद शातिर तरीके से व्यवस्थित कर उनके बीच कुल 14 एयरटाइट प्लास्टिक पैकेट छिपाए गए थे। इन पैकेटों की प्राथमिक जांच और टेस्टिंग करने पर उनमें हाइड्रोपोनिक गांजा होने की आधिकारिक पुष्टि हुई।

युवा पीढ़ी को बर्बाद करने की बड़ी साजिश नाकाम

हाइड्रोपोनिक गांजा सामान्य देसी गांजे की तुलना में कई गुना अधिक नशीला और खतरनाक विदेशी ड्रग्स माना जाता है, जिसकी मांग महंगी पार्टियों और युवा वर्ग के बीच बड़े पैमाने पर रहती है। कस्टम्स विभाग द्वारा कुल 8,913 ग्राम यानी करीब 8.9 किलो वजन का यह विदेशी माल जब्त कर लिया गया है। यह ड्रग्स किस शख्स को डिलीवर किया जाना था और इस सिंडिकेट के पीछे कौन-कौन से बड़े चेहरे जुड़े हैं, इसे लेकर कस्टम्स और अन्य जांच एजेंसियों द्वारा गहराई से पूछताछ और जांच का दौर शुरू कर दिया गया है।

राजीव कुमार राणा को वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ईसीजीसी लिमिटेड के निदेशक मंडल में नॉन ऑफिसियल डायरेक्टर के रूप में किया गया नियुक्त

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के अधीन वाणिज्य विभाग ने राजीव कुमार राणा को ईसीजीसी लिमिटेड (एक्सपोर्ट क्रेडिट गारंटी कॉरपोरेशन ऑफ़ इंडिया)के निदेशक मंडल में गैर-सरकारी निदेशक के रूप में नियुक्त किया है। ईसीजीसी लिमिटेड,भारत सरकार की एक प्रमुख संस्था है जो वाणिज्य मंत्रालय के अधीन कार्य करती है।इसका मुख्य कार्य भारतीय निर्यातकों को बीमा और सुरक्षा प्रदान करना है,ताकि यदि विदेशी खरीदार भुगतान न करे तो निर्यातकों को होने वाले नुकसान से बचाया जा सके। यह नियुक्ति भारत के राष्ट्रपति के आदेश से, मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति(एसीसी) की मंजूरी के बाद की जाती है।यह एक सम्मानित और महत्वपूर्ण पद है।इस नियुक्ति के बाद राजीव राणा जी भारत की निर्यात नीति से जुड़े महत्वपूर्ण निर्णय लेने वाले बोर्ड का हिस्सा होंगे और अपने अनुभव से कंपनी को बिजनेस,मैनेजमेंट और फाइनेंस के क्षेत्र में सलाह देंगे। यह नियुक्ति कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग द्वारा 07 सितंबर 2026 को जारी आदेश संख्या 20/12/2026-ईओ(पीई) के अनुसार,ईसीजीसी के आर्टिकल्स ऑफ एसोसिएशन के अनुच्छेद 63 के तहत की गई है। राष्ट्रपति द्वारा अनुमोदित यह नियुक्ति 16 सितंबर,2026 से तत्काल प्रभाव से लागू हो गई है और तीन वर्ष तक या अगले आदेश तक, जो भी पहले हो,वैध रहेगी। राणा जी ने बधाई देने वालों सभी लोगों का आभार व्यक्त किया।

जेतपुर में बिजली टावर लाइन की मरम्मत का किसानों ने किया विरोध, रस्सियों से ह्यूमन चेन बनाकर रोका काम

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जेतपुर। राजकोट जिले के जेतपुर तालुका के पेढाला गांव में किसानों ने बिजली टावर लाइन की मरम्मत का विरोध करते हुए काम रुकवा दिया। करीब 39 साल पहले जेतपुर-सापुर के बीच किसानों के खेतों से होकर बिजली लाइन बिछाई गई थी और खेतों में बिजली के टावर लगाए गए थे। अब टावर के जम्पर में खराबी आने के बाद बिजली कंपनी के अधिकारी और कर्मचारी मरम्मत के लिए मौके पर पहुंचे थे, लेकिन किसानों ने काम शुरू होने से पहले ही विरोध शुरू कर दिया। पेढाला और जूनागढ़ क्षेत्र के किसान खेतों में एकत्र हुए और रस्सियों से मानव श्रृंखला बनाकर मरम्मत कार्य का विरोध किया। किसानों का कहना है कि खेतों में इस समय खड़ी फसल है। यदि मरम्मत के लिए कर्मचारियों और मशीनों को खेतों से होकर गुजरना पड़ा तो फसल को नुकसान हो सकता है। किसानों ने यह भी सवाल उठाया कि करीब 39 साल पहले जब बिजली लाइन बिछाई गई थी, तब उन्हें मुआवजा दिया गया था या नहीं और इसके लिए कोई समझौता हुआ था या नहीं। किसानों ने कहा कि आज तक उन्हें मुआवजा नहीं मिला है। उनका दावा है कि 25 साल के समझौते पर हस्ताक्षर भी नहीं हुए और न ही उसे आगे बढ़ाया गया। किसानों के अनुसार अधिकारियों के पास समझौते या मुआवजा भुगतान से संबंधित कोई स्पष्ट दस्तावेज भी उपलब्ध नहीं है। किसानों ने मांग की कि पहले मुआवजे और समझौते का समाधान किया जाए। साथ ही मरम्मत कार्य के दौरान फसल खराब होने पर किसानों को उसका उचित मुआवजा दिया जाए। किसान नेता चेतन गढ़िया और किसान रमेशभाई झाला ने कहा कि किसानों की मांगें पूरी होने तक विरोध जारी रहेगा।

नंबर प्लेट के बिना चल रहे बर्गमैन स्कूटर से डेढ़ लाख के गांजे के साथ कुख्यात शख्स गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। अहमदाबाद शहर अब असामाजिक तत्वों और नशे के सौदागरों के लिए सुरक्षित गढ़ नहीं रहा है, क्योंकि खाकी वर्दी ने ड्रग्स माफियाओं के खिलाफ आर-पार की लड़ाई शुरू कर दी है। शहर के संवेदनशील माने जाने वाले गोमतीपुर इलाके से पुलिस ने एक ऐसे शख्स को दबोच लिया है, जो बिना नंबर प्लेट वाले वाहन में बेखौफ होकर गांजे के जखीरे की तस्करी कर रहा था। गोमतीपुर पुलिस स्टेशन की टीम द्वारा खुफिया सूचना के आधार पर की गई इस सटीक कार्रवाई से नशे के कारोबारियों में भारी हड़कंप मच गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, गोमतीपुर पुलिस जब गश्त और चेकिंग पर थी, तभी चतुरसिंह चार रास्ता के पास से एक संदिग्ध बिना नंबर प्लेट की बर्गमैन गाड़ी गुजर रही थी। पुलिस ने तुरंत गाड़ी को रोककर उसकी सघन तलाशी ली। गाड़ी के चालक फर्दीन सैयद नामक शख्स से पूछताछ कर जब स्कूटर की डिक्की खोलकर जांच की गई, तो पुलिस भी हैरान रह गई। डिक्की से लगभग डेढ़ लाख रुपए की कीमत का 3 किलो से ज्यादा वजन का गांजे का जत्था बरामद हुआ।

कौन है फखरूद्दीन उर्फ टकला? बड़ा खुलासा!

पुलिस की शुरुआती पूछताछ में पकड़े गए आरोपी फर्दीन सैयद ने सनसनीखेज खुलासे करते हुए बताया कि उसने यह गांजा गोमतीपुर के ही मदनी मोहल्ला में रहने वाले फखरूद्दीन उर्फ टकला नाम के शख्स से खरीदा था और वह खुद भी इस तरह की अवैध बिक्री में शामिल था। इस नेटवर्क के तार कहां-कहां तक जुड़े हैं, इसका पता लगाने के लिए पुलिस ने जांच का दायरा और तेज कर दिया है। पहले भी सॉल्यूशन ट्यूब केस में पकड़ा जा चुका है आरोपीसूत्रों के मुताबिक, पकड़े गए आरोपी फर्दीन सैयद का आपराधिक इतिहास भी सामने आया है। इससे पहले वह स्ह्रत द्वारा सॉल्यूशन ट्यूब (नशीले पदार्थ) के अवैध बिक्री के मामले में कानून के शिकंजे में आ चुका है। जेल की हवा खाने के बाद भी उसकी आदतों में कोई सुधार नहीं हुआ और वह और बड़े नशे के कारोबार में संलिप्त हो गया। फिलहाल पुलिस ने इस मामले में एक्ट के तहत केस दर्ज कर मुख्य सप्लायर को धर दबोचने के लिए कार्रवाई शुरू कर दी है।

राजकोट में फिर गरमाई सियासत: पद्मिनीबा वाड़ा के खिलाफ सरकारी काम में बाधा का मामला दर्ज होने से हाहाकार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजकोट। रंगछवि वाले राजकोट शहर में एक बार फिर राजनीतिक और सामाजिक सरगर्मी अपने चरम पर पहुंच गई है। शहर के रेलनगर इलाके में आना-जाने वाले आम नागरिकों और राहगीरों के लिए परेशानी का सबब बने ट्रैफिक बैरिकेड्स के विरोध में मैदान में उतरी जानी-मानी नेता पद्मिनीबा वाड़ा के खिलाफ पुलिस ने सख्त रुख अपनाया है। ट्रैफिक पुलिस पीआई सरोजबेन की शिकायत के आधार पर पद्मिनीबा के खिलाफ 'सरकारी ड्यूटी में बाधा' का मामला दर्ज किए जाने से पूरे शहर में भारी सनसनी फैल गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, राजकोट के रेलनगर इलाके में स्थित सांधिया पुल के पास से रोजाना हजारों की संख्या में वाहन चालक और स्थानीय लोग गुजरते हैं। इस इलाके में पुलिस द्वारा लगाए गए बैरिकेड्स और ट्रैफिक व्यवस्था के कारण आए दिन भारी ट्रैफिक जाम लग जाता था और राहगीरों के लिए ये बैरिकेड्स सिरदर्द साबित हो रहे थे। आम जनता की इस स्थायी परेशानी और समस्याओं को ध्यान में रखते हुए पद्मिनीबा वाड़ा ने इन बैरिकेड्स का खुला विरोध किया था और जनता के मुद्दों पर अपनी आवाज उठाई थी।

विरोध करते ही पुलिस तंत्र हरकत में, मामला दर्ज

आम जनता के दर्द और ट्रैफिक की समस्या के खिलाफ आवाज उठाना पद्मिनीबा वाड़ा को भारी पड़ गया है। विरोध प्रदर्शन बढ़ने पर प्रशासन हरकत में आया और ट्रैफिक पुलिस शाखा की पीआई सरोजबेन की आधिकारिक शिकायत के आधार पर पद्मिनीबा के खिलाफ सरकारी काम में बाधा डालने सहित अन्य धाराओं के तहत केस दर्ज कर लिया गया। पुलिस की इस सख्त कार्रवाई के बाद क्षत्रिय समाज और स्थानीय नागरिकों में गहरी नाराजगी की लहर दौड़ गई है। इस घटना के सामने आते ही सोशल मीडिया से लेकर राजनीतिक गलियारों में जोरदार चर्चाएं शुरू हो गई हैं। जनता के हित के लिए और ट्रैफिक की असुविधा को दूर करने के लिए ज्ञापन देने या विरोध करने गए नेता के खिलाफ पुलिस शिकायत दर्ज होने से क्या लोकतंत्र में आवाज को दबाया जा रहा है? ऐसे गंभीर सवाल खड़े होने लगे हैं। आने वाले दिनों में इस मामले के और अधिक तूल पकड़ने की पूरी संभावना है।

नंबर प्लेट के बिना चल रहे बर्गमैन स्कूटर से डेढ़ लाख के गांजे के साथ कुख्यात शख्स गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। अहमदाबाद शहर अब असामाजिक तत्वों और नशे के सौदागरों के लिए सुरक्षित गढ़ नहीं रहा है, क्योंकि खाकी वर्दी ने ड्रग्स माफियाओं के खिलाफ आर-पार की लड़ाई शुरू कर दी है। शहर के संवेदनशील माने जाने वाले गोमतीपुर इलाके से पुलिस ने एक ऐसे शख्स को दबोच लिया है, जो बिना नंबर प्लेट वाले वाहन में बेखौफ होकर गांजे के जखीरे की तस्करी कर रहा था। गोमतीपुर पुलिस स्टेशन की टीम द्वारा खुफिया सूचना के आधार पर की गई इस सटीक कार्रवाई से नशे के कारोबारियों में भारी हड़कंप मच गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, गोमतीपुर पुलिस जब गश्त और चेकिंग पर थी, तभी चतुरसिंह चार रास्ता के पास से एक संदिग्ध बिना नंबर प्लेट की बर्गमैन गाड़ी गुजर रही थी। पुलिस ने तुरंत गाड़ी को रोककर उसकी सघन तलाशी ली। गाड़ी के चालक फर्दीन सैयद नामक शख्स से पूछताछ कर जब स्कूटर की डिक्की खोलकर जांच की गई, तो पुलिस भी हैरान रह गई। डिक्की से लगभग डेढ़ लाख रुपए की कीमत का 3 किलो से ज्यादा वजन का गांजे का जत्था बरामद हुआ। पुलिस की शुरुआती पूछताछ में पकड़े गए आरोपी फर्दीन सैयद ने सनसनीखेज खुलासा करते हुए बताया कि उसने यह गांजा गोमतीपुर के ही मदनी मोहल्ला में रहने वाले फखरूद्दीन उर्फ टकला नाम के शख्स से खरीदा था और वह खुद भी इस तरह की अवैध बिक्री में शामिल था। इस नेटवर्क के तार कहां-कहां तक जुड़े हैं, इसका पता लगाने के लिए पुलिस ने जांच का दायरा और तेज कर दिया है। सूत्रों के मुताबिक, पकड़े गए आरोपी फर्दीन सैयद का आपराधिक इतिहास भी सामने आया है। इससे पहले वह स्ह्रत द्वारा सॉल्यूशन ट्यूब (नशीले पदार्थ) के अवैध बिक्री के मामले में कानून के शिकंजे में आ चुका है।

आचार्य सम्राट डॉ. शिव मुनि जी महाराज के 85वें जन्मोत्सव पर जावरा में आत्म-ध्यान शिविर आयोजित

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जावरा । जैन श्रमण संघ के चतुर्थ पट्टधर आचार्य सम्राट, प्रख्यात ध्यानयोगी एवं दार्शनिक संत डॉ. शिव मुनि जी महाराज के 85वें जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में जावरा नगर में विशेष आत्म-ध्यान शिविर का आयोजन किया गया। यह आयोजन श्री ऑल इंडिया श्वेतांबर स्थानकवासी जैन कॉन्फ्रेंस आत्म-ध्यान योजना, नई दिल्ली के राष्ट्रीय अध्यक्ष पिंटू कर्नावट के देशव्यापी आह्वान के तहत संपन्न हुआ।आत्म-ध्यान योजना के राष्ट्रीय संगठन मंत्री संदीप रांका एवं कार्यकारिणी सदस्य शेखर नाहर ने जानकारी देते हुए बताया कि पूरे भारतवर्ष में आयोजित हो रहे ध्यान शिविरों की श्रृंखला में जावरा में भी श्रद्धालुओं ने सामूहिक रूप से आत्म-साधना की। श्री रांका एवं श्री नाहर ने आचार्य श्री के जीवन वृत्त पर प्रकाश डालते हुए बताया कि पूज्य आचार्य सम्राट का जन्म 18 सितंबर 1942 को मलोट (पंजाब) में हुआ था।

जयपुर में तेज रफ्तार थार ने स्कूटी सवार डेयरी संचालक को कुचला, इलाज के दौरान मौत; चालक फरार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जयपुर। सांगानेर थाना क्षेत्र में शनिवार सुबह तेज रफ्तार थार की टक्कर से स्कूटी सवार डेयरी संचालक नवल शर्मा (57) की मौत हो गई। हादसे के बाद थार चालक मौके से फरार हो गया। घटना का सीसीटीवी फुटेज सामने आने के बाद पुलिस फरार चालक की तलाश में जुटी है। पुलिस ने आरोपी तक पहुंचने के लिए दो टीमें गठित की हैं। पुलिस के अनुसार, सांगानेर के बुद्धसिंहपुरा निवासी नवल शर्मा शनिवार सुबह करीब 6 बजे अपनी स्कूटी लेकर घर से दूध डेयरी पर काम करने के लिए निकले थे। वह चीलगाड़ी रेस्टोरेंट से कुछ दूरी पर स्थित हनुमान मंदिर के पास से गुजर रहे थे। इसी दौरान पीछे से तेज रफ्तार में आई थार ने उनकी स्कूटी को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगने से नवल शर्मा सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद थार चालक घायल को संभालने या मदद करने के बजाय मौके से गाड़ी लेकर फरार हो गया। आसपास मौजूद राहगीरों ने घटना की सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस घायल नवल शर्मा को अस्पताल लेकर गई, जहां उपचार के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज में काले रंग की थार पीछे से स्कूटी को टक्कर मारती दिखाई दे रही है। हादसे के बाद वाहन चालक के मौके से भागने की बात भी सामने आई है। फुटेज के आधार पर पुलिस थार की पहचान करने और चालक तक पहुंचने का प्रयास कर रही है। सांगानेर थाना प्रभारी हरवेंद्र सिंह ने बताया कि नवल शर्मा के शव का रविवार दोपहर एसएमएस अस्पताल में पोस्टमार्टम करवाने के बाद परिजनों को सौंप दिया गया। बिना नंबर की थार की तलाश में जुटी पुलिस पुलिस के मुताबिक, हादसे में शामिल थार पर नंबर प्लेट नहीं होने की जानकारी सामने आई है।

सांथू के गायत्री आश्रम में वार्षिक ध्वजारोहण के साथ तीन दिवसीय मेले का शुभारंभ

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सांथू। गायत्री आश्रम स्थित बाबा रामदेव मंदिर परिसर में रविवार को वार्षिक ध्वजारोहण समारोह आयोजित किया गया। इसके साथ ही तीन दिवसीय मेले का शुभारंभ हुआ। धार्मिक आयोजन मंदिर के महाराज विष्णु स्वरूप और सारणेश्वर मंदिर के महंत रणछोड़ पुरी महाराज की मौजूदगी में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में धर्मप्रेमियों और ग्रामीणों ने भाग लिया रविवार सुबह शुभ मुहूर्त में वैदिक रीति-रिवाजों और विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों के बीच ध्वजारोहण किया गया। इस दौरान श्रद्धालुओं ने बाबा रामदेव के जयकारे लगाए और क्षेत्र में सुख-समृद्धि की कामना की। ध्वजारोहण के बाद मंदिर परिसर में महाआरती का आयोजन हुआ, जिसमें आसपास के गांवों से आए श्रद्धालुओं ने हिस्सा लेकर पूजा-अर्चना की। तीन दिवसीय मेले को लेकर मंदिर परिसर में सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। मेले के दौरान विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। आयोजन को लेकर ग्रामीणों और श्रद्धालुओं में उत्साह का माहौल है। मेले में आसपास के क्षेत्रों से भी धर्मप्रेमियों के पहुंचने की उम्मीद है। गोरी शंकर पुरोहित, राण सिंह, ओब सिंह, करनाराम और कुयाराम घांची सहित कई धर्मप्रेमी मौजूद रहे। जनों से क्षेत्र में धार्मिक उत्साह और भक्ति का वातावरण बना रहा।

टोंक जिले के 10 नगर निकायों में भाजपा के 8 अध्यक्ष चुने गए, कांग्रेस को 2 सीटें

महानगर मेट्रो ब्यूरो

टोंक। नगर निकाय आम चुनाव 2026 के तहत टोंक जिले के 10 नगर निकायों में अध्यक्ष पद के परिणाम घोषित हो गए हैं। चुनाव परिणामों में भाजपा ने 8 निकायों में अध्यक्ष पद पर जीत दर्ज की, जबकि कांग्रेस को 2 निकायों में सफलता मिली। जिले में भाजपा के आठ अध्यक्ष चुने जाने के साथ ही निकाय चुनावों में पार्टी की बढ़त सामने आई। कांग्रेस टोंक नगर परिषद और उनियारा नगरपालिका में अध्यक्ष पद हासिल करने में सफल रही। टोंक नगर परिषद में कांग्रेस के मयंक गोयल सभापति चुने गए। उन्हें 38 मत मिले, जबकि भाजपा के प्रहलाद सिंह सोलंकी को 21 मत प्राप्त हुए। इस तरह मयंक गोयल ने 17 मतों के अंतर से जीत दर्ज की। मतदान के बाद करीब डेढ़ बजे परिणाम घोषित किया गया। जिले की अन्य निकायों में मालपुरा से जितेंद्र कुमार जैन, टोडारायसिंह से संत कुमार जैन, डिग्गी से अरविंद शर्मा, लाम्बाहरिसिंह से सोनिया कुमारी स्वर्णकार, निवाई से नरेंद्र कुमार शर्मा, पीपलू से रमेश, देवली से कजोडी देवी और दूनी से अर्चना देवी भाजपा से अध्यक्ष चुने गए। वहीं उनियारा नगरपालिका में कांग्रेस के नरेश कुमार गुर्जर अध्यक्ष निर्वाचित हुए। टोंक नगर परिषद क्षेत्र में चुनाव के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए तीन ड्यूटी मजिस्ट्रेट नियुक्त किए गए थे। एपीआरटीएस परिसर में तहसीलदार भू-अभिलेख रामपाल बैरवा, एपीआरटीएस से घंटाघर तक अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी ललित कुमार और पूरे टोंक शहर के लिए जिला रसद अधिकारी इंद्रपाल मीणा को जिम्मेदारी सौंपी गई। सभापति चुनाव में वार्ड नंबर 55 की पार्षद बीना छामुनिया मतदान के लिए पहुंचीं। कांग्रेस की वार्ड नंबर 25 की पार्षद गायत्री चौरसिया और वार्ड नंबर 23 से भाजपा पार्षद आशा जैन ने भी अपने मताधिकार का उपयोग किया। वहीं भाजपा के 19 पार्षद एक साथ मतदान करने पहुंचे।

माउंट आबू में भाजपा के सुनील आचार्य बने नगर पालिका अध्यक्ष, 19 मत हासिल कर दर्ज की जीत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

माउंट आबू। नगर पालिका अध्यक्ष पद के चुनाव में भाजपा प्रत्याशी सुनील आचार्य ने जीत दर्ज कर पालिका की कमान अपने हाथ में ले ली है। सोमवार को हुए मतदान में सुनील आचार्य को 19 मत मिले, जबकि कांग्रेस प्रत्याशी यश शर्मा को 6 मत प्राप्त हुए। कुल 25 पार्षदों ने मतदान किया। परिणाम घोषित होने के बाद भाजपा कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल रहा। मतदान प्रक्रिया के तहत भाजपा के सभी 15 निर्वाचित पार्षद सोमवार को एक वाहन में नगर पालिका कार्यालय पहुंचे। यहां रिटर्निंग अधिकारी के सामने सभी पार्षदों ने एक-एक कर अपने मताधिकार का उपयोग किया। इसके बाद राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी की प्रत्याशी सुनीता बेरवाल और कांग्रेस के सातों पार्षद मतदान के लिए पहुंचे। मतदान पूरा होने के बाद रिटर्निंग अधिकारी राहुल श्रीवास्तव ने परिणाम घोषित करते हुए सुनील आचार्य को विजेता घोषित किया। इस चुनाव में भाजपा के पास पहले से ही 15 पार्षदों का समर्थन था। इसके अलावा दो निर्दलीय पार्षदों ने भी सुनील आचार्य का साथ दिया। चुनाव में खास बात यह रही कि कांग्रेस और राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के एक-एक पार्षद ने भी भाजपा प्रत्याशी सुनील आचार्य के पक्ष में मतदान किया। इस तरह उन्हें कुल 19 मत मिले। वहीं कांग्रेस प्रत्याशी यश शर्मा को 6 मतों से संतोष करना पड़ा। 25 वार्डों वाली माउंट आबू नगर पालिका में अध्यक्ष पद के लिए हुए इस चुनाव में भाजपा प्रत्याशी की जीत के साथ नए अध्यक्ष का चयन हो गया। सुनील आचार्य अब नगर पालिका अध्यक्ष के रूप में जिम्मेदारी संभालेंगे।

जोधपुर में पहली बार भारत-जापान वायुसेना प्रमुखों ने उड़ाया तेजस, ऐतिहासिक उड़ान से मजबूत हुआ रक्षा सहयोग

जापानी वायुसेना प्रमुख ने कहा- स्वदेशी तेजस में उड़ान का अनुभव शानदार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जोधपुर। भारत और जापान के बीच जारी संयुक्त युद्धाभ्यास के दौरान रविवार को एक ऐतिहासिक क्षण देखने को मिला। जोधपुर में पहली बार दोनों देशों के वायुसेना प्रमुखों ने एक साथ तेजस लड़ाकू विमान में उड़ान भरी। भारतीय वायुसेनाध्यक्ष एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह ने एक तेजस विमान से अकेले उड़ान भरते हुए विमानों के गठन का नेतृत्व किया, जबकि जापान के वायु आत्मरक्षा बल के प्रमुख जनरल मोरिता ताकेहिरो ने दूसरे तेजस विमान में उड़ान भरी। उड़ान के दौरान जापानी वायुसेना प्रमुख को स्वदेशी तेजस की क्षमताओं, आधुनिक प्रणालियों और मारक क्षमता से परिचित कराया गया। दोनों विमानों ने एयरफील्ड के ऊपर उड़ान भरते हुए फ्लाई-पास्ट किया। इसके बाद दोनों विमानों ने एयरबेस पर सुरक्षित उतरकर उड़ान पूरी की। लैंडिंग से पहले दोनों विमानों ने अपनी निर्धारित स्थिति संभालते हुए विशेष उड़ान अभ्यास भी किया। इस ऐतिहासिक उड़ान को भारत-जापान के बीच बढ़ते रक्षा सहयोग के महत्वपूर्ण उदाहरण के रूप में देखा जा रहा है। दोनों देशों की वायुसेनाओं के प्रमुखों ने उड़ान के बाद संयुक्त पत्रकार वार्ता में रक्षा सहयोग को और मजबूत करने की बात कही। उन्होंने बताया कि भविष्य में परिचालन रणनीति और विशेषज्ञता साझा करने के लिए संयुक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किए जा रहे हैं। जापानी वायुसेना प्रमुख जनरल मोरिता ताकेहिरो ने कहा कि भारत के स्वदेशी तेजस विमान में उड़ान भरने का अनुभव शानदार रहा। उन्होंने तेजस को भारत के तकनीकी नवाचार का प्रतीक बताया।

अभ्यास से दोनों देशों की क्षमताएं बढ़ेंगी

भारतीय वायुसेनाध्यक्ष एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह ने कहा कि यह युद्धाभ्यास दोनों देशों की सेनाओं के बीच गहरे विश्वास और हिंद-प्रशांत क्षेत्र के लिए साझा दृष्टिकोण को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि साथ अभ्यास करने, एक साथ उड़ान भरने और प्रशिक्षण लेने से दोनों देश एक-दूसरे से सीखते हैं और अपनी क्षमताओं को आगे बढ़ाते हैं। एपी सिंह ने अपने सेवानिवृत्त होने का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि जापानी लड़ाकू विमानों का पहली बार भारतीय धरती से संचालन होना भारत-जापान साझेदारी के इतिहास में बड़ी उपलब्धि है उन्होंने 2024 के तरंग शक्ति अभ्यास को याद करते हुए कहा कि उस समय जापान की टीम भारत आई थी, लेकिन दक्षिण-पूर्व एशिया में खराब मौसम के कारण जापानी विमान भारत नहीं पहुंच सके थे। उनके अनुसार, इस बार उस अधूरे अवसर को पूरा कर लिया गया है।

मांडल में पुरानी रंजिश और युवती को भगाने के शक में परिवार से मारपीट, सामाजिक बहिष्कार का आरोप

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भीलवाड़ा। मांडल थाना क्षेत्र में पुरानी रंजिश और एक युवती को भगाने के शक को लेकर एक परिवार के साथ मारपीट, प्रताड़ित करने और सामाजिक बहिष्कार का मामला सामने आया है। घटना 18 सितंबर को दोपहर करीब 1 बजे की बताई गई है। पीड़ित परिवार की ओर से दी गई रिपोर्ट के आधार पर पुलिस ने 10-12 नामजद लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। रिपोर्ट के अनुसार, 10-12 लोग कथित तौर पर लाठी, सरिए और लकड़ियां लेकर परिवार के घर में घुस गए। आरोप है कि उन्होंने युवक को जमीन पर पटककर लाठी और सरियों से मारपीट की। इससे उसके कमर और पैरों में चोटें आईं तथा मुंह से खून निकलने लगा। बीच-बचाव करने पहुंचे उसके माता-पिता के साथ भी मारपीट किए जाने का आरोप लगाया गया है। परिवार की ओर से आरोप लगाया गया है कि आरोपियों ने घर की बहू को जबरन गाड़ी में बैठाकर ले जाने का प्रयास किया। इसी दौरान महिला के गले से मंगलसूत्र छीनने की बात भी रिपोर्ट में कही गई है। इसके बाद परिवार के सदस्यों को चारभुजा नाथ मंदिर ले जाकर बांधने और धमकाने का आरोप है। पीड़ित पक्ष के अनुसार, परिवार के सदस्यों को दोपहर करीब 1 बजे से शाम 5 बजे तक धूप में बांधकर रखा गया और पानी तक नहीं दिया गया। घटना का फोटो-वीडियो बनाने या पुलिस के सामने गवाही देने पर गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी देने का भी आरोप लगाया गया है। रिपोर्ट में परिवार के एक सदस्य को एकांत स्थान पर ले जाकर अमानवीय व्यवहार करने और पेशाब पिलाने का प्रयास किए जाने का भी आरोप लगाया गया है।

9 लाख रुपए या मकान-जमीन के कागजात देने का दबाव

रिपोर्ट में आरोप लगाया गया है कि परिवार पर मकान और जमीन के दस्तावेज अपने नाम करने या 9 लाख रुपए देने का दबाव बनाया गया। विवाद की पृष्ठभूमि में पुरानी रंजिश और एक युवती को भगाने का शक बताया गया है। परिवार ने घटना से दो-तीन दिन पहले सामाजिक बहिष्कार किए जाने का आरोप लगाया है। रिपोर्ट के मुताबिक, आसपास के दुकानदारों से परिवार को सामान नहीं देने के लिए भी कहा गया था। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर आरोपों की जांच शुरू कर दी है। मामले में पुलिस द्वारा जांच के बाद ही घटनाक्रम और आरोपों की स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

माउंट आबू में मानसून की विदाई से पहले फिर झमाझम बारिश, 18.4 मिमी पानी बरसा

बारिश से निखरी पहाड़ों की हरियाली

महानगर मेट्रो ब्यूरो

माउंट आबू। मानसून के अंतिम दिनों में माउंट आबू में बारिश का दौर जारी है। पिछले एक सप्ताह से रुक-रुककर हो रही बारिश के चलते पहाड़ी क्षेत्र की हरियाली और निखर गई है। शनिवार सुबह से रविवार सुबह 8 बजे तक माउंट आबू में 18.4 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। शनिवार शाम करीब 5 बजे अचानक तेज बारिश शुरू हुई। करीब 20 मिनट तक हुई तेज बारिश से शहर की सड़कें पानी से तर हो गईं। इसके बाद देर रात भी बारिश का दौर जारी रहा। लगातार बारिश के कारण पहाड़ी क्षेत्र में प्राकृतिक झरनों में एक बार फिर पानी का वेग बढ़ गया। बारिश के बाद माउंट आबू-आबूरोड मार्ग पर 20 नंबर पिलर के पास स्थित झरना तेज वेग से बहने लगा। वहीं नक्की झील की छोटी चादर भी चल पड़ी। झरनों के बहने और पहाड़ियों पर हरियाली बढ़ने से क्षेत्र का प्राकृतिक सौंदर्य और आकर्षक नजर आने लगा। बारिश के बाद रविवार सुबह मौसम साफ हो गया और तेज धूप खिली। बारिश से भीगी पहाड़ी वादियों पर जब धूप पड़ी तो हरियाली और पहाड़ों की सुंदरता और निखर उठी। साफ मौसम के बीच माउंट आबू की वादियों का मनमोहक दृश्य देखने को मिला। पिछले एक सप्ताह से हो रही रुक-रुककर बारिश ने मानसून की विदाई से पहले माउंट आबू के मौसम को सुहावना बना दिया है। बारिश के चलते प्राकृतिक झरनों में पानी आने से क्षेत्र का वातावरण भी खुशनुमा बना हुआ है।

अजमेर में निर्दलीयों ने पलटा मेयर चुनाव का गणित, 32 सीटों वाली भाजपा ने 43 वोट लेकर बनाया बोर्ड

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अजमेर। नगर निगम के मेयर चुनाव में निर्दलीय पार्षदों ने पूरा राजनीतिक गणित बदल दिया। कांग्रेस के 37 पार्षद होने के बावजूद पार्टी अपना मेयर नहीं बना सकी, जबकि 32 सीटों पर जीत दर्ज करने वाली भाजपा का प्रत्याशी 43 वोट हासिल कर मेयर निर्वाचित हुआ। भाजपा को अपने मूल आंकड़े से 11 अतिरिक्त वोट मिले। कांग्रेस प्रत्याशी को 37 वोट ही मिले, जो कांग्रेस के कुल पार्षदों की संख्या के बराबर हैं। चुनाव परिणाम के बाद कांग्रेस खेमे में क्रॉस वोटिंग, अंदरूनी गुटबाजी और रणनीतिक चूक को लेकर चर्चा शुरू हो गई है। हालांकि मतदान के अंतिम आंकड़ों के आधार पर यह व्यक्तिगत रूप से तय नहीं किया जा सकता कि किस पार्षद ने किसे वोट दिया। इसके बावजूद चुनाव से पहले निर्दलीयों के समर्थन को लेकर किए गए दावों और मतदान के बाद सामने आए आंकड़ों ने राजनीतिक समीकरणों को चर्चा में ला दिया है। पार्षद चुनाव के बाद भाजपा और कांग्रेस दोनों ही 11 निर्दलीयों के समर्थन का दावा कर रहे थे। कांग्रेस की ओर से घनश्याम वर्मा, कैलाश कोमल और विनोद कुमार को अपने साथ बताया गया था। मेयर चुनाव के दौरान ये तीनों कांग्रेस खेमे में दिखाई भी दिए। इसके बावजूद कांग्रेस प्रत्याशी को 37 ही वोट मिले दूसरी ओर भाजपा के 32 पार्षदों के साथ कुल 43 वोट पड़े। यानी भाजपा को 11 अतिरिक्त मत मिले। यही 11 वोट मेयर चुनाव के सबसे अहम राजनीतिक आंकड़े बन गए। वार्ड नंबर 11 से कांग्रेस से बगावत कर निर्दलीय जीतीं सोफिया और वार्ड नंबर 14 के अजहर को लेकर भी चुनाव के दौरान समीकरण बदले नजर आए। कांग्रेस पहले इनके समर्थन का दावा कर रही थी, लेकिन मतदान के दौरान दोनों भाजपा पार्षदों के साथ दिखाई दिए। वहीं भाजपा से बगावत कर निर्दलीय चुनाव जीतने वाले रूबी जैन, सुनील गुर्जर, मदन सिंह, कुंदन वैष्णव, मोनिका सुईवाल और गायत्री सोनी भी भाजपा खेमे के साथ नजर आए। कांग्रेस ने चुनाव के बाद खरीद-फरोख्त, धनबल और सत्ता के इस्तेमाल के आरोप लगाए, जबकि भाजपा ने निर्दलीयों के समर्थन को अपनी विचारधारा से जोड़कर बताया। हालांकि व्यक्तिगत मतदान की गोपनीयता के कारण यह सार्वजनिक रूप से निर्धारित नहीं किया जा सकता कि प्रत्येक निर्दलीय पार्षद ने किसे वोट दिया। इतना स्पष्ट है कि 32 से बढ़कर 43 वोट तक पहुंची भाजपा ने मेयर पद हासिल किया, जबकि 37 वोट वाली कांग्रेस बहुमत के लिए जरूरी अतिरिक्त समर्थन नहीं जुटा सकी।

पाली में बड़ा उलटफेर, भाजपा की नमिता बुबकिया बनीं महापौर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पाली। नगर निकाय चुनाव में पाली में बड़ा राजनीतिक उलटफेर देखने को मिला। पाली नगर निगम में भाजपा का बोर्ड बन गया है। महापौर पद के चुनाव में भाजपा प्रत्याशी नमिता बुबकिया ने 33 मत हासिल कर जीत दर्ज की। निर्दलीय प्रत्याशी राजबाला हिंगड़ को 29 और कांग्रेस प्रत्याशी सुमित्रा जैन को 3 मत मिले। पाली नगर निगम के सभी 65 निर्वाचित पार्षदों ने मतदान किया। महापौर पद के लिए इस बार त्रिकोणीय मुकाबला था। कांग्रेस से बगावत कर निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में मैदान में उतरी राजबाला हिंगड़ ने चुनाव को रोचक बना दिया था। मतदान के दौरान राजबाला अपने समर्थक पार्षदों के साथ नगर निगम पहुंचीं, जबकि भाजपा की नमिता बुबकिया और कांग्रेस की सुमित्रा जैन अलग-अलग निगम पहुंचीं। मतदान के दौरान सुरक्षा व्यवस्था भी कड़ी रही। पाली नगर निगम में दो निर्दलीय प्रत्याशी कथित तौर पर छिपे कैमरे लेकर पहुंच गए। पुलिस ने प्रवेश द्वार पर ही उन्हें रोक दिया। सभी पार्षदों के मतदान के बाद सबसे अंत में कुसुम सोनी ने अपना वोट डाला। परिणाम सामने आने के साथ ही पाली नगर निगम में भाजपा का बोर्ड बनना तय हो गया।

सिरोही में गणपति प्रतिमाओं का विसर्जन जारी, ढोल नगाड़ों और डीजे की धुन पर झूमते पहुंचे श्रद्धालु

कालकाजी तालाब पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम, गोताखोरों के साथ पुलिस और महिला दल तैनात

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सिरोही। गणपति महोत्सव के समापन के बाद सोमवार सुबह से सिरोही में गणपति प्रतिमाओं के विसर्जन का सिलसिला लगातार जारी है। शहर और आसपास के क्षेत्रों से श्रद्धालु ढोल-नगाड़ों और डीजे की धुन पर नाचते-गाते गणपति महाराज की प्रतिमाओं को लेकर कालकाजी तालाब पहुंच रहे हैं। तालाब पर पूजा-पाठ के बाद प्रतिमाओं का विधि-विधान से विसर्जन किया जा रहा है। विसर्जन को लेकर कालकाजी तालाब पर श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए विशेष इंतजाम किए गए हैं। तालाब में केवल गोताखोरों को ही उतरने की अनुमति दी गई है। पुलिस ने श्रद्धालुओं को पानी में जाने से रोकने के साथ छोटे बच्चों को भी तालाब के किनारे जाने से मना किया है। सुरक्षा व्यवस्था के तहत पुलिस 112, महिला पुलिस और गोताखोरों की तैनाती की गई है।

रोल्स रॉयस से लेकर लोडिंग टेंपो तक में पहुंची प्रतिमाएं

इस बार गणपति प्रतिमाओं को विसर्जन के लिए लाने के दौरान कई अलग-अलग नजारे देखने को मिले। कुछ श्रद्धालु रोल्स रॉयस कार में गणपति महाराज की प्रतिमा लेकर कालकाजी तालाब पहुंचे। कार के आगे श्रद्धालु डीजे की धुन पर नाचते-गाते और जयकारे लगाते हुए चल रहे थे। वहीं कुछ श्रद्धालु प्रतिमाओं को लोडिंग टेंपो में लेकर पहुंचे। कई लोगों ने गणपति महाराज की प्रतिमा को अपने सिर पर विराजमान कर रखा था। अलग-अलग वाहनों से भी श्रद्धालु प्रतिमाएं लेकर तालाब पहुंचे और पूजा-अर्चना के बाद उनका विसर्जन किया। विसर्जन के दौरान कोतवाली पुलिस के साथ महिला गश्ती दल को भी सुरक्षा व्यवस्था में लगाया गया है। इसके अलावा सादे कपड़ों में पुलिसकर्मी भी पूरे क्षेत्र पर नजर रख रहे हैं। पुलिस की ओर से लगातार श्रद्धालुओं से सुरक्षा नियमों का पालन करने की अपील की जा रही है। जिलेभर में गणपति महोत्सव के आयोजन के बाद अब अलग-अलग स्थानों से प्रतिमाएं कालकाजी तालाब पहुंच रही हैं। श्रद्धालु भक्ति और उत्साह के साथ गणपति महाराज को विदाई दे रहे हैं। तालाब परिसर में सुरक्षा व्यवस्था के बीच विसर्जन का क्रम लगातार जारी है।

माउंट आबू में स्पा सेंटर में देर रात लगी आग, एक घंटे की मशक्कत के बाद पाया काबू

महानगर मेट्रो ब्यूरो

माउंट आबू। शहर के बस स्टैंड के पास स्थित एक स्पा सेंटर में देर रात अचानक आग लग गई। आग लगने की सूचना पुलिस को रात करीब 11 बजे मिली। सूचना मिलते ही पुलिस और नगर पालिका की अग्निशमन टीम मौके पर पहुंची और आग बुझाने का काम शुरू किया। अचानक आग लगने से आसपास के क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर स्थिति संभाली। वहीं नगर पालिका की अग्निशमन टीम ने आग पर काबू पाने के लिए लगातार प्रयास किए। करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद आग को पूरी तरह बुझा दिया गया। समय रहते आग पर काबू पा लिए जाने से बड़ा हादसा टल गया। घटना में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई है। आग लगने के दौरान आसपास के लोगों में भी चिंता का माहौल रहा। आग बुझाने के बाद पुलिस ने मौके का निरीक्षण किया। थानाधिकारी दलपत सिंह राठौर ने बताया कि देर रात आग लगने की सूचना मिलते ही पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे थे। नगर पालिका की अग्निशमन टीम को भी सूचना दी गई, जिसके बाद टीम तुरंत घटनास्थल पर पहुंच गई। दोनों टीमों के प्रयास से करीब एक घंटे में आग पर पूरी तरह काबू पा लिया गया। आग लगने के कारणों का अभी तक पता नहीं चल पाया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और आग लगने के कारणों का पता लगाने के लिए घटनास्थल का निरीक्षण किया जा रहा है।

नवरात्र की खुशियों पर साइबर फ्रॉड और फेक 'गरबा पार्टनर' का बड़ा ग्रहण: सावधान गुजरात

नवरात्रि यानी गुजरात की अस्मिता, मां शक्ति की आराधना और भक्ति-संगीत का महासागर। नवरात्रि के इन नौ दिनों के दौरान पूरा गुजरात गरबे की ताल पर झूम उठता है, और खेलैयाओं में अद्भुत उत्साह देखने को मिलता है। लेकिन, इस पवित्र और सांस्कृतिक महापर्व की आड़ में सोशल मीडिया पर एक बेहद खतरनाक, घातक और बड़ा साइबर स्कैम सक्रिय हो चुका है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स जैसे कि इंस्टाग्राम, फेसबुक और स्नैपचैट पर 'ऑनलाइन गरबा पार्टनर' ढूंढने का मौसमी फैशन अब युवा वर्ग के लिए जानलेवा और बदनामी का कारण बन रहा है।

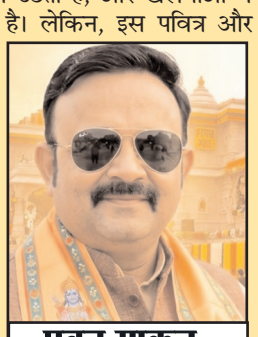

पवन माकन
ग्रुप एडिटर, महानगर मेट्रो

राज्यभर की साइबर क्राइम ब्रांच ने इस तरह के संदिग्ध इंस्टाग्राम अकाउंट्स और ऑनलाइन रैकेट पर पैनी नजर रखी है। गुजरात के गरबा प्रेमियों, विशेषकर युवक-युवतियों और उनके अभिभावकों के लिए यह एक अत्यंत गंभीर चेतावनी है।

कैसा है यह सोशल मीडिया 'गरबा पार्टनर' घोटाला? (साजिश का जाल)

आज के डिजिटल युग में ठग नवरात्रि जैसे त्योहारों को भुनाने के लिए नए-नए तरीके अपना रहे हैं:

आकर्षक और भ्रामक विज्ञापन: इंस्टाग्राम पर Need a Garba Partner? VIP Garba Passes या High-Profile Event Companion जैसे आकर्षक पेज और रील्स बनाकर युवाओं को आकर्षित किया जाता है।

मीठी बातें और विश्वासघात: एक बार कोई युवक या युवती इन विज्ञापनों के संपर्क में आते हैं, तो ठग उनके साथ सोशल मीडिया चैट या व्हाट्सएप पर मीठी-मीठी बातें कर विश्वास जीत लेते हैं।

हनीट्रैप और अशील वीडियो कॉल: दोस्ती के नाम पर धीरे-धीरे बातों को आपत्तिजनक हद तक ले जाकर वीडियो कॉल करने के लिए कहा जाता है, और इस कॉल या चैट की गुप्त रूप से स्क्रीन रिकॉर्डिंग कर ली जाती है।

ब्लैकमेलिंग और रंगदारी: एक बार वीडियो या फोटो रिकॉर्ड हो जाने के बाद ठग असली रूप में आते हैं। वे सोशल मीडिया पर इस वीडियो को वायरल करने की धमकी देकर लाखों रुपये की रंगदारी मांगते हैं, जिसके कारण कई युवा मानसिक तनाव और डिप्रेशन का शिकार हो जाते हैं।

इस घोटाले का सबसे बड़ा पहलू यह है कि सोशल मीडिया पर किसी अनजान व्यक्ति से दोस्ती होने के बाद उसे 'गरबा खेलने के लिए आमने-सामने मिलने' के लिए बुलाया जाता है।

निर्जन और सुनसान स्थान: धोखाधड़ी करने वाले या आपराधिक मानसिकता वाले लोग अनजान युवक या युवतियों से मिलने के लिए किसी सुनसान जगह, होटल या फार्महाउस को चुनते हैं।

जान-माल का खतरा: ऐसी सुनसान जगहों पर जाना सीधे तौर पर मौत या किसी गंभीर अपराध को बुलावा देने जैसा है। अतीत में भी सोशल मीडिया के माध्यम से बुलाकर लूटपाट, अपहरण, दुष्कर्म या जानलेवा हमले होने के कई मामले सामने आ चुके हैं।

अंजान लोगों पर अंधा भरोसा घातक: चाहे सामने वाला कितनी भी आकर्षक बातें क्यों न करे, सोशल मीडिया के दोस्त पर आंख मूंदकर भरोसा करना और अकेले मिलने जाना परिवार के लिए भारी पड़ सकता है। आर्थिक धोखाधड़ी न केवल मानसिक या शारीरिक जोखिम, बल्कि ये ठग आर्थिक रूप से भी लोगों को लूटते हैं वीआईपी गरबा पास, एंट्री टिकट या कॉन्सर्ट के नाम पर एडवांस पेमेंट ऑनलाइन ट्रांसफर करवा लिया जाता है। पैसा जमा होते ही इंस्टाग्राम अकाउंट ब्लॉक कर दिया जाता है या फोन बंद कर दिया जाता है। गरबा के नाम पर हजारों रुपये ऐंठकर ठग रफूचक्कर हो जाते हैं।द्व समाज और परिवार के लिए लालबत्ती समान मामला जागरूकता ही बचाव है गुजरात की संस्कृति में गरबा श्रद्धा, उल्लास और परिवार के साथ बैठकर आनंद लेने का उत्सव है। लेकिन आज की युवा पीढ़ी को यह समझना होगा कि क्षणिक रोमांच, आधुनिक दिखावा या सोशल मीडिया पर लाइक्स और फॉलोअर्स पाने की सनक कितनी भारी पड़ सकती है। लड़कियों और युवतियों के लिए विशेष संदेश: समाज में बेटियों की सुरक्षा और इज्जत का ध्यान कोई दूसरा रखने नहीं आएगा, बल्कि हमारी इज्जत और सुरक्षा की जिम्मेदारी खुद हमारी अपनी है। सोशल मीडिया पर अनजान लोगों की फ्रेंड रिक्वेस्ट स्वीकार करना, उनसे चैट करना या ऑनलाइन गरबा पार्टनर खोजना जैसी हरकतों से पूरी तरह दूर रहना चाहिए।

अभिभावकों की जिम्मेदारी: माता-पिता को भी अपने बच्चों (विशेषकर किशोर और युवावस्था के संतानों) पर नजर रखनी चाहिए कि वे सोशल मीडिया पर किससे बात कर रहे हैं और कहां जा रहे हैं।

निष्कर्ष और साइबर हेल्पलाइन

राज्यभर की साइबर क्राइम पुलिस इन सभी सोशल मीडिया अकाउंट्स पर कड़ी नजर रख रही है और आने वाले दिनों में सख्त कानूनी कार्रवाई भी की जाएगी। लेकिन कानून के साथ-साथ जनजागरूकता ही सबसे बड़ा हथियार है।

यदि कोई भी व्यक्ति इस तरह के साइबर फ्रॉड का शिकार बनता है या कोई भी संदिग्ध गतिविधि नजर आती है, तो बिना डरे तुरंत अपने परिवार को बताएं और साइबर क्राइम हेल्पलाइन नंबर 1930 पर या cybercrime.gov.in पर अपनी शिकायत दर्ज कराएं।

(मंगलवार) 22 सितंबर 2026

मेष — मेहनत का पूरा लाभ मिलेगा। रुके हुए काम गति पकड़ेंगे और कार्यक्षेत्र में नई जिम्मेदारी मिल सकती है।

वृषभ — व्यापार में लाभ के नए अवसर मिलेंगे। किसी महत्वपूर्ण व्यक्ति से मुलाकात भविष्य में फायदा पहुंचा सकती है

मिथुन — आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। धन लाभ के साथ किसी जरूरी काम में परिवार का सहयोग मिलेगा।

कर्क — आज लिए गए फैसले भविष्य के लिए महत्वपूर्ण रहेंगे। कार्यक्षेत्र में सफलता के साथ सम्मान भी बढ़ सकता है

सिंह — नए अवसर सामने आएंगे। नौकरी और कारोबार में आपकी मेहनत रंग लाएगी, आत्मविश्वास बनाए रखें।

कन्या — यात्रा और नए संपर्क लाभदायक रहेंगे। कारोबार में नई योजना पर काम शुरू करने के लिए दिन अनुकूल है।

तुला — परिवार में खुशी का माहौल रहेगा। किसी पुराने तनाव से राहत मिल सकती है और मन शांत रहेगा।

वृश्चिक — मेहनत का अच्छा परिणाम मिलेगा। कार्यक्षेत्र में आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी और आय के नए रास्ते खुल सकते हैं।

धनु — करियर में आगे बढ़ने का मौका मिलेगा। अधिकारी आपके काम से प्रभावित हो सकते हैं, महत्वपूर्ण निर्णय सोच-समझकर लें।

मकर — नई योजनाओं को आगे बढ़ाने का समय है। आर्थिक लाभ के साथ किसी जरूरी काम में सफलता मिल सकती है

कुंभ — कामकाज में सफलता मिलेगी। पुराने विवाद सुलझ सकते हैं और आर्थिक मामलों में स्थिति बेहतर होगी

मीन — रिश्तों में मधुरता बनी रहेगी। परिवार के साथ अच्छा समय बीतेगा और मन की कोई इच्छा पूरी होने के संकेत हैं

नेताओं, प्रशासनिक अमले और आम नागरिकों के लिए यह घटना कर्तव्यबोध का सबसे बड़ा पाठ है

रोटोकॉल की दीवारें तोड़ीं, राष्ट्र के लिए सर्वोच्च सम्मान: राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का यह कदम देश के लिए एक जीवंत मिसाल

नई दिल्ली। इस दुनिया में अपनों को खोने का दर्द क्या होता है, यह वही परिवार जानता है जिसका कोई चिराग देश की सरहदों या आंतरिक सुरक्षा की रक्षा करते हुए हमेशा के लिए बुझ जाता है। ऐसे ही वीर शहीदों के परिजनों को सम्मानित करने के लिए जब देश की महामहिम राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने अपने पद की गरिमा और प्रोटोकॉल की औपचारिकताओं को दरकिनार कर खुद चलकर आगे कदम बढ़ाया, तो यह दृश्य सिर्फ एक औपचारिकता नहीं, बल्कि राष्ट्र की सच्ची श्रद्धांजलि बन गया।

प्रोटोकॉल से ऊपर उठीं राष्ट्रपति की संवेदनाएं

सामान्य तौर पर देश के सर्वोच्च संवैधानिक पदों पर बैठे विशिष्ट महानुभावों के लिए तयशुदा प्रोटोकॉल और सुरक्षा घेरे होते हैं, जिनके दायरे में रहकर ही उन्हें चलना होता है। लेकिन राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने इन तमाम लकीरों और सीमाओं को पीछे छोड़ते हुए यह साबित कर दिया कि राष्ट्र के लिए सर्वस्व न्यौछावर करने वाले शहीदों के परिजनों से बड़ा इस देश में कोई प्रोटोकॉल नहीं हो सकता। उन्होंने खुद अपनी जगह से उठकर, मंच या तय दायरे की औपचारिकता को तोड़ते हुए शहीद परिवारों के पास जाकर उन्हें जो मान-सम्मान दिया, उसने वहां मौजूद हर शख्स की आंखें नम कर दीं।

जिन्होंने राष्ट्र के लिए अपना सब कुछ होम कर दिया

जिन्होंने अपने घर का बेटा, अपनी कोख का पुत्र, किसी ने अपनी बेटी, किसी ने अपने सिर का ताज (पति), तो किसी ने अपना भाई या बहन देश की रक्षा के खातिर कुर्बान कर दिए, वे परिवार समाज और राष्ट्र की सबसे अमूल्य पूंजी हैं। जब ऐसे शोकसंतप्त और गौरवान्वित परिवारों को देश के सर्वोच्च पद पर बैठे व्यक्ति द्वारा इस स्तर का आत्मीय सम्मान मिलता है, तो यह उनके जख्मों पर मरहम का काम तो करता ही है, साथ ही पूरे देश को यह संदेश भी देता है कि पूरा राष्ट्र उनके साथ खड़ा है।

नेताओं, सरकारी तंत्र और समाज के लिए एक तमाचा और सीख

आज के दौर में जब कई बार राजनीतिक और प्रशासनिक हलकों में प्रोटोकॉल और अहंकार को सर्वोपरि मान लिया जाता है, तब राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का यह आचरण हर नुमाइंदे, सरकारी कर्मचारी और आम नागरिक के लिए एक आईना है। यह घटना हमें सिखाती है कि कुर्सी और पद अस्थायी हैं, लेकिन देश और शहीदों के प्रति कृतज्ञता की भावना ही सबसे बड़ी मानवीय और राष्ट्रीय पूंजी है। महानगर मेट्रो का विशेष दृष्टिकोण: राष्ट्र की सुरक्षा के लिए अपनी पीढ़ियों को होम कर देने वाले शहीद परिवारों का सम्मान ही देश की असली ताकत है। राष्ट्रपति का यह कदम महज़ एक खबर नहीं, बल्कि हर भारतीय के भीतर देशभक्ति और संवेदनाओं को झकझोर देने वाला एक ऐतिहासिक प्रसंग है। मानना या न मानना आपकी सोच पर निर्भर हो सकता है, लेकिन यह सच्चाई अकाल और

शाश्वत है कि शहीद और उनके परिवार इस देश के असली नायक हैं।

बच्चे की चाहत कब इंसानियत का सौदा बन गई?

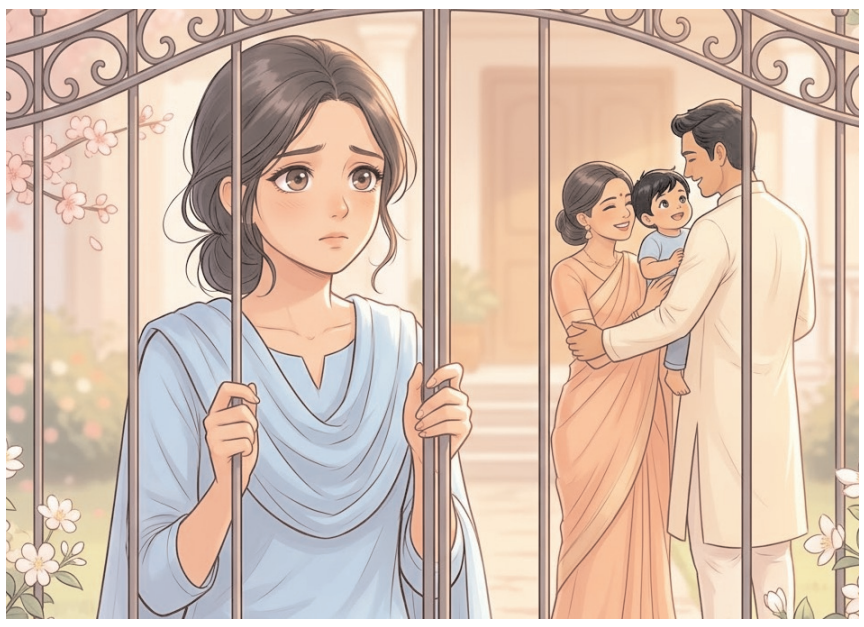

नेपाल से भारत तक संतान का कथित करोड़ों का खेल! जरूरतमंद युवतियों को दलालों के जरिए लाने से लेकर परिवारों के साथ रखने तक का नेटवर्क

संतान की इच्छा किसी भी दंपती के जीवन की सबसे निजी और भावनात्मक इच्छाओं में से एक होती है। लेकिन जब इसी इच्छा को पूरा करने के नाम पर गरीब और जरूरतमंद महिलाओं के शरीर का सौदा होने लगे, तो यह सिर्फ अपराध की कहानी नहीं रह जाती। यह हमारे समाज, कानून और उस व्यवस्था पर गंभीर सवाल बन जाती है, जो किसी महिला की मजबूरी को बाजार में बदलने देती है।

नेपाल सीमा से नेपाली युवतियों को कथित तौर पर दलालों के जरिए भारत लाने और उन्हें महीनों तक किसी परिवार में रखने के जो आरोप सामने आए हैं, वे बेहद गंभीर हैं। दावा है कि संतान की चाह रखने वाले कुछ दंपती इन युवतियों से गर्भधारण कराने के लिए बड़ी रकम खर्च करते हैं। इस कथित सौदे में रकम एक करोड़ रुपये तक पहुंचने की बात सामने आई है, जबकि युवती को कथित तौर पर 20 से 25 लाख रुपये दिए जाते हैं। बाकी रकम नेटवर्क में शामिल लोगों के बीच बांटे जाने का दावा है।

अगर ये आरोप जांच में सही साबित होते हैं तो सवाल सिर्फ इतना नहीं होगा कि अपराध किसने किया। असली सवाल यह होगा कि इस पूरे तंत्र को चलने दिया किसने?

जांच के दौरान एजेंटों से हुई कथित बातचीत इस नेटवर्क की परतें खोलने का दावा करती है। पहले भरोसा कायम करना, फिर युवती उपलब्ध कराने की बात, रकम की चर्चा और उसके बाद महीनों तक किसी परिवार के साथ रहने की व्यवस्था–यह पूरा तंत्र किसी सामान्य निजी समझौते जैसा नहीं दिखता। इसमें जरूरतमंद युवतियों की आर्थिक मजबूरी सबसे बड़ा हथियार बनती दिखाई देती है।

20 से 25 लाख रुपये किसी गरीब परिवार के लिए जीवन बदल देने वाली रकम हो सकती है। लेकिन क्या आर्थिक मजबूरी किसी महिला के शरीर पर किसी दूसरे व्यक्ति का अधिकार दे देती है?

यही वह सवाल है, जिससे इस पूरे मामले को देखने की जरूरत है।

दूसरी तरफ संतान की चाह रखने वाले दंपतियों की पीड़ा को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। वर्षों के इंतजार, सामाजिक दबाव और इलाज की असफलता के बीच परिवार कई तरह के रास्ते तलाशते हैं। लेकिन किसी की मजबूरी का फायदा उठाकर बच्चा हासिल करना समाधान नहीं हो सकता। चिकित्सा विज्ञान ने निःसंतान दंपतियों के लिए कई वैध विकल्प उपलब्ध कराए हैं। इन विकल्पों की कठिनाइयां अपनी जगह हैं, लेकिन उनका विकल्प किसी गरीब महिला का कथित शोषण नहीं हो सकता। सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि इस कथित नेटवर्क में सीमा पार से लेकर स्थानीय स्तर तक कई कड़ियों की भूमिका होने की बात सामने आ रही है। यदि किसी युवती को एक से डेढ़ साल तक दूसरे देश में किसी परिवार के साथ रहना है, तो उसे केवल पैसों से तैयार नहीं किया जा सकता। उसके पीछे भरोसा पैदा करने वाला पूरा तंत्र होना जरूरी है। यही कारण है कि जांच को केवल युवती या एक-दो एजेंटों तक सीमित रखने के बजाय पूरे नेटवर्क की आर्थिक और सामाजिक कड़ियों तक पहुंचना होगा।

यह भी जांच का विषय होना चाहिए कि युवतियों को पूरी जानकारी दी गई थी या नहीं। क्या उन्हें बताया गया कि उन्हें किस परिस्थिति में भारत लाया जा रहा है? क्या उनकी स्वतंत्र सहमति थी? क्या उन्हें कानूनी अधिकारों और संभावित जोखिमों की जानकारी दी गई? और सबसे अहम–क्या बड़ी रकम का लालच देकर उनकी आर्थिक मजबूरी का फायदा उठाया गया?

नेपाल की युवतियों को कथित तौर पर चुनने के पीछे जो वजह बताई जा रही है, वह भी समाज के लिए असहज करने वाली है। अगर किसी दूसरे देश की महिला होने के कारण भविष्य में बच्चे पर उसका दावा कमजोर होने की उम्मीद की जा रही है, तो यह सोच अपने आप में भयावह है। किसी बच्चे के जन्म के साथ उसकी मां के अधिकार को केवल इसलिए कमतर नहीं किया जा सकता कि वह गरीब है या दूसरे देश से आई है।

अगर कोई महिला इस दौरान हिंसा, दबाव या अभद्रता का शिकार होती है, तो मामला और गंभीर हो जाता है। ऐसे मामलों में मानव तस्करी और शोषण से जुड़े कानून लागू हो सकते हैं। इसलिए प्रशासन के सामने चुनौती सिर्फ कथित चोरी-छिपे चल रहे इस कारोबार को रोकने की नहीं, बल्कि उन महिलाओं की पहचान, सुरक्षा और पुनर्वास की भी है जो इस जाल में फंस चुकी हैं।

अब जरूरत एक ऐसी जांच की है जो केवल गिरफ्तारियों और बयान दर्ज करने तक सीमित न रहे। पैसे का लेन-देन कहां हुआ, एजेंटों का नेटवर्क कितना बड़ा है, भारत में कौन लोग संपर्क कराते हैं, युवतियों को कहां रखा जाता है और इस पूरे कथित कारोबार से लाभ किसे मिलता है–हर कड़ी की जांच होनी चाहिए।

क्योंकि बच्चे की चाहत इंसानी है, लेकिन किसी महिला की मजबूरी को खरीद लेना इंसानियत नहीं।

सवाल यह भी है कि क्या हम ऐसा समाज बनना चाहते हैं जहां इलाज और कानून के रास्ते कठिन लगने पर गरीब महिला का शरीर आसान रास्ता समझा जाए?

इस कथित नेटवर्क का पर्दाफाश केवल अपराधियों को सजा दिलाने के लिए जरूरी नहीं है। यह इसलिए भी जरूरी है ताकि मातृत्व की इच्छा और महिला की गरिमा के बीच खड़ी उस काली अर्थव्यवस्था को खत्म किया जा सके, जिसमें मजबूरी बिकती है, दलाल कमाते हैं और समाज आंखें मूंद लेता है। अब जांच एजेंसियों को सिर्फ यह नहीं तलाशना चाहिए कि सौदा किसने किया। उन्हें यह भी तलाशना होगा कि इस सौदे का बाजार आखिर कितना बड़ा है।

TAT-S मुख्य परीक्षा में नया बदलाव: AI, छात्रों के मानसिक तनाव और जीवन निर्माण के सवाल पूछे जाने से शिक्षा जगत में भारी चर्चा

93% से अधिक उच्च उपस्थिति के साथ शिक्षक बनने की दौड़ में उम्मीदवारों ने दी परीक्षा, पारंपरिक रटंत विद्या पर हुआ तीखा प्रहार

गुजरात राज्य में शिक्षक बनने के लिए उम्मीदवारों का केवल किताबी ज्ञान और रटंत विद्या से काम नहीं चलेगा, बल्कि अब व्यावहारिक बुद्धि और आधुनिक युग की चुनौतियों का सामना करने की क्षमता भी साबित करनी होगी! हाल ही में आयोजित TAT-S मुख्य परीक्षा में शिक्षा बोर्ड द्वारा एक ऐसा धमाकेदार बदलाव लाया गया है, जिसने पूरे शिक्षा जगत में हलचल मचा दी है। कड़ी प्रतिस्पर्धा और शिक्षक बनने के जोश के बीच राज्यभर में इस परीक्षा के दौरान 93 प्रतिशत से अधिक जबरदस्त उपस्थिति दर्ज की गई। आज की शिक्षा पद्धति केवल किताबों तक सीमित नहीं रही है, बल्कि छात्र मानसिक दबाव और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसे आधुनिक प्रभावों के बीच जी रहे हैं। इसी वास्तविकता को ध्यान में रखते हुए ञ्ञ-स की मुख्य परीक्षा में पाठ्यक्रम के अलावा बेहद दिलचस्प और समयोपयोगी सवाल पूछे गए थे।

छात्रों के मानसिक तनाव को दूर करने के लिए एक शिक्षक की क्या भूमिका होनी चाहिए?

आज के तकनीक और AI के युग में छात्रों का मानसिक व व्यावहारिक विकास कैसे किया जाए?

किताबी ज्ञान के अलावा जीवन निर्माण के बुनियादी सिद्धांतों को छात्रों में कैसे संजोया जाए? इस तरह के सवालों ने परीक्षार्थियों का दिमाग झकझोर कर रख दिया।

रटंत विद्या के युग का अंत और वास्तविक शिक्षकों की आवश्यकता

शिक्षा क्षेत्र के विशेषज्ञों का मानना है कि अब तक परीक्षाओं में केवल सिद्धांत पूछे जाते थे, लेकिन अब सरकार ने ऐसे गुणवत्तापूर्ण शिक्षकों की तलाश शुरू कर दी है जो छात्रों की मानसिक स्थिति को समझ सकें और उन्हें जीवन की चुनौतियों से लड़ने के लिए तैयार कर सकें। परीक्षा देने वाले उम्मीदवारों के मुताबिक, प्रश्नपत्र का यह स्वरूप चुनौतीपूर्ण जरूर था, लेकिन यह एक शिक्षक के रूप में उसकी सच्ची जिम्मेदारी की याद दिलाने वाला भी था।

- मरीजों को लूटने वाले मेडिकल माफियाओं के खिलाफ केंद्र सरकार की NPPA के समक्ष कड़ा कानून बनाने की प्रबल मांग

मेडिकल उपकरणों की खुली लूट पर लगाम कसने के लिए महाराष्ट्र FDA की लाल आंख: क्या सरकार को प्रॉफिट मार्जिन पर तय करनी चाहिए सीमा

अहमदाबाद/मुंबई .जब भी कोई व्यक्ति बीमार पड़ता है, तो उसकी आर्थिक कमर तोड़ने के लिए अस्पताल और मेडिकल स्टोर के बिल ही काफी होते हैं। आम जनता के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ करके लाखों रुपए की वसूली करने वाले मेडिकल क्षेत्र के इस काले कारोबार के खिलाफ अब प्रशासनिक शिकंजा कसने लगा है। महाराष्ट्र फूड एंड ड्रग्स एडमिनिस्ट्रेशन और वरिष्ठ आईएएस अधिकारी तुकाराम मुंडे द्वारा केंद्र सरकार की नेशनल फार्मास्युटिकल प्राइसिंग अथॉरिटी को एक आधिकारिक पत्र लिखकर मेडिकल उपकरणों के प्रॉफिट मार्जिन पर कड़ी सीमा तय करने के लिए कानून बनाने की मांग की गई है, जिसे लेकर पूरे देश में चर्चाओं का दौर शुरू हो गया है।

क्या मेडिकल उपकरणों के नाम पर चल रही है असली लूट?

आज स्थिति यह है कि जो मेडिकल उपकरण या सर्जिकल सामग्रियां बहुत कम कीमत पर तैयार होती हैं, उन्हें मरीजों को कई गुना अधिक दामों पर बेचा जाता है। हार्ट स्टेंट, ज्वाइंट रिप्लेसमेंट इम्प्लांट्स और अन्य जीवन रक्षक उपकरणों पर अस्पतालों और डिस्ट्रीब्यूटरों द्वारा 300 से 500 प्रतिशत तक का मुनाफा वसूला जाता है। गरीब और मध्यम वर्ग के परिवार अस्पताल के बिल चुकाने के लिए अपने घर-जमीन बेचने को मजबूर हो जाते हैं। इस आर्थिक लूट को रोकने के लिए ही अब कड़े कानूनी नियंत्रणों की अनिवार्यता पैदा हो गई है।

क्या सरकार को कीमतें तय करनी चाहिए?

सवाल यह उठता है कि क्या सरकार को दवाइयों की तरह मेडिकल उपकरणों के दाम और प्रॉफिट मार्जिन पर भी लगाम कसनी चाहिए? जवाब बिल्कुल साफ है - हाँ! अगर सरकार ने समय रहते इस मामले में हस्तक्षेप करके कड़ी नीति नहीं बनाई, तो अस्पतालों और मेडिकल माफियाओं की भूख कभी शांत नहीं होगी। मरीज की जान बचाने के नाम पर चल रही इस व्यापारी लूट के खिलाफ अब केंद्र सरकार को आर-पार की लड़ाई के मूड में आकर कानून बनाना ही होगा। महानगर मेट्रो का सवाल: स्वास्थ्य जैसी बुनियादी चीज में हो रही यह खुली लूट कब थमेगी? क्या सरकार इन माफियाओं के खिलाफ सख्त कदम उठाएगी?

प्रयागराज में दर्दनाक हादसा: सड़क हादसे में जवान बेटे की मौत, ख़बर सुनते ही पिता ने भी तोड़ा दम

महानगर मेट्रो ब्यूरो

प्रयागराज। उत्तरप्रदेश जे प्रयागराज के सोरांव में सड़क हादसे में घायल शिवम यादव की अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई. बेटे की मौत की खबर सुनते ही पिता राम सिंह को गहरा सदमा लगा और उन्होंने भी दम तोड़ दिया. एक ही घर से पिता-पुत्र की अर्थी उठने से पूरे गांव में मातम छा गया. प्रयागराज के गंगापार के सोरांव में एक ऐसा दर्दनाक मामला सामने आया है, जिसने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया. सड़क हादसे में बेटे की मौत की खबर सुनते ही उसके पिता को गहरा सदमा लगा. अचानक उनकी तबीयत बिगड़ गई और अस्पताल ले जाने पर डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया. एक ही परिवार में कुछ ही घंटों के अंतराल में पिता-पुत्र की मौत से पूरे गांव में मातम पसरा हुआ है. रविवार को एक ही घर से पिता-पुत्र की अर्थी उठने से हर किसी की आंखें नम हो गईं. मिली जानकारी के मुताबिक, दाउदपुर नवादा गांव के रहने वाले शिवम यादव उर्फ सोनू अपनी बाइक से कलंदरपुर से सोरांव की तरफ जा रहे थे. जैसे ही वो माधोपुर संघनगंज के पास पहुंचे, तभी सोरांव की ओर से आ रही एक तेज रफ्तार मारुति कार ने उनकी बाइक में सामने से जोरदार टक्कर मार दी. हादसा इतना भीषण था कि शिवम गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़े. स्थानीय लोगों और पुलिस की मदद से उन्हें गंभीर हालत में प्रयागराज के एक निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई.पड़े.

जलती चिता पर पकाया चिकन, श्मशान घाट पर की शराब पार्टी... UP के शाहजहांपुर में शर्मनाक कांड

महानगर मेट्रो ब्यूरो

शाहजहांपुर। उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर जिले में एक व्यक्ति को कथित तौर पर जलती हुई चिता पर मांस पकाने के आरोप में गिरफ्तार किया गया, जबकि उसके दो साथी मौके से भाग गए. एक एजेंसी के मुताबिक अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) दीक्षा भावरे ने बताया कि यह घटना पुवायां थाना क्षेत्र के नत्थापुर गांव में हुई. भावरे के मुताबिक वीरपाल नाम के व्यक्ति के पिता का निधन हो गया था, जिसके बाद उनके परिवार और ग्रामीणों ने गांव के बाहर श्मशान घाट पर अंतिम संस्कार किया और घर लौट आए. भावरे ने कहा, 'जब वीरपाल रविवार शाम श्मशान घाट पहुंचा, तो उसने देखा कि तीन लोग कथित तौर पर उसके पिता की जलती हुई चिता पर एक बर्तन में मांस पका रहे थे. ' अधिकारी ने कहा, 'वीरपाल ने पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद एक टीम मौके पर पहुंची और सुरेंद्र नाम के एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया. जबकि उसके दो साथी भागने में सफल रहे.' भावरे ने बताया कि पूछताछ के दौरान सुरेंद्र ने पुलिस को बताया कि वे तीनों वहां बैठकर शराब पी रहे थे, तभी उन्होंने जलती हुई आग देखी और उस पर मांस पकाने का फैसला किया. पुलिस ने बताया कि इसके बाद सुरेंद्र को जेल भेज दिया गया, जबकि अन्य दो आरोपियों का पता लगाने की कोशिशें जारी हैं. पुलिस ने दावा किया जल्द ही दोनों को भी गिरफ्तार कर जेल भेज दिया जाएगा. फिलहाल इस घटना ने मानवीय संवेदनाओं को लेकर भी सवाल खड़े कर दिए हैं. लोगों का कहना है कि आखिर किसी के घर के सदस्य की मृत्यु हुई है और लोग उसी की चिता पर चिकन पका रहे हैं और शराब पार्टी कर रहे हैं?

चंद्रशेखर ने यूपी की 42 सीटों पर घोषित किए उम्मीदवार, वेस्ट यूपी की भी 10 सीटें शामिल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

लखनऊ। यूपी विधानसभा चुनाव को देखते हुए आजाद समाज पार्टी ने 42 विधानसभा प्रत्याशियों के नामों की घोषणा कर दी है। इस सूची में अनुसूचित जाति के सबसे ज्यादा 20 उम्मीदवार शामिल हैं। इनके अलावा 13 ओबीसी और 9 मुस्लिम उम्मीदवारों के नामों का ऐलान किया है। इसके साथ ही आजाद समाज पार्टी यूपी में अब तक 87 सीटों पर अपने प्रत्याशियों के नामों का ऐलान कर चुकी हैं। आजाद समाज पार्टी के एक्स सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर यूपी चुनाव के लिए प्रत्याशियों की दूसरी सूची जारी की गई है। बताया गया कि राष्ट्रीय अध्यक्ष चन्द्र शेखर आजाद के निर्देश एवं प्रदेश कमेटी की संस्तुति पर विधानसभा क्षेत्रों के लिए प्रभारियों की नियुक्ति की गई है। बताया गया कि 31 जुलाई को विधानसभा प्रभारियों की पहली सूची जारी किए जाने के बाद अब संगठनात्मक तैयारियों को और मजबूत करते हुए यह दूसरी सूची जारी की जा रही है।बता दें कि आजाद समाज पार्टी भी बसपा की तर्ज पर जिनको विधानसभा क्षेत्रों के लिए प्रभारी नियुक्त करती है, वही प्रत्याशी होते हैं। मुजफ्फरनगर -मीरपुर सीट- रविंद्र भाटी संभल- चंदौसी सीट - रमेश गंधर्व रामपुर - स्वार सीट - इरफ़ान अल्वी अमरोहा - हसन पुर सीट - चौधरी शाहनवाज बुलंदशहर - सिकंदराबाद सीट - ललित भाटी अलीगढ़- शहर सीट - फ़रीद अल्वी प्रधान एटा - मरहरा सीट -चंद्र प्रकाश एटा-जलेसर - प्रवेंद्र कुमार बरेली - मीरगंज सीट - डॉ जावेद बरेली-भोजीपुरा सीट - खुर्शीद में लखीमपुर खीरी- धौरहरा सीट - सुरेश चंद्र लोधी सीतापुर- सिंधौली सीट - बाल गोविंद राजवंशी हरदोई - सांडी सीट - जय प्रकाश उन्नाव - बंगारमऊ सीट - मुसब्बिर खान उन्नाव- सफीपुर - राज कुमार गौतम उन्नाव-मोहान - मनोज कुमार रायबरेली - सरेनी - केशवलाल रावत अमेठी - जगदीश पुरम- सुनील राज अमेठी- गौरीगंज - दिनेश साहू सुल्तानपुर- सदर सीट- अनीस अहमद खां फर्रुखाबाद - कायमगंज सीट - रविंद्र पाल सिंह औरैया-औरैया - विजय जे गौतम कानपुर देहात - सिकंदरा सीट - रविंद्र पाल फौजी कानपुर नगर - घाटमपुर सीट - अर्पित आज़ाद झांसी - गरौठा - पीतांबर पटेल बांदा - नरैनी सीट -सुनील कुमार वर्मा प्रयागराज - फूलपुर - शाहिद अख़्तर खान प्रयागराज-करछना - चंदन पासी प्रयागराज - कोराव - दिनेश चौधरी बाराबंकी - सदर सीट - कपिल वर्मा पटेल बाराबंकी-हैदरगढ़ - रामहेत रावत अयोध्या - गोसाईगंज- मनोज कुमार यादव अंबेडकर -अकबरपुर - महेंद्र राजभर बहराइच- बलहा - जेपी राव बलरामपुर- बलरामपुर- लालजी लहरी गोंडा -गोंडा सदर - मोबीन अहमद गोंडा-गौरा सीट -सुरेश यादव सिद्धार्थनगर - इटवा - कालीचरण यादव मऊ - मुहम्मदाबाद - प्रेमचंद्र राम चंदौली - चकिया - सिद्धार्थ प्राण बाहू वाराणसी- शिवपुर - मनोज कुमार यादव सोनभद्र - रोबर्ट्सगंज - राहुल कुमार

महिला पार्षद पर कैलाश विजयवर्गीय का विवादित बयान

महानगर मेट्रो ब्यूरो

इंदौर। वार्ड नंबर 6 में करीब 7 करोड़ रुपये के विकास कार्यों के लोकार्पण कार्यक्रम के दौरान कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय की एक टिप्पणी को लेकर विवाद हो गया है. वायरल वीडियो में मंत्री महिला पार्षद की शारीरिक बनावट को लेकर टिप्पणी करते सुनाई दे रहे हैं. वीडियो सामने आने के बाद कांग्रेस ने आपत्ति जताई है. इंदौर में मध्य प्रदेश के कबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय की एक टिप्पणी को लेकर विवाद खड़ा हो गया है. वार्ड नंबर 6 में करीब 7 करोड़ रुपये के विकास कार्यों के लोकार्पण कार्यक्रम के दौरान मंत्री विजयवर्गीय ने सार्वजनिक मंच से महिला पार्षद को लेकर उनकी शारीरिक बनावट पर टिप्पणी की. कार्यक्रम का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद कांग्रेस ने इस टिप्पणी पर आपत्ति जताई है. AICC मीडिया कोऑर्डिनेटर नीलाभ शुक्ला ने मंत्री की टिप्पणी को निंदनीय बताया है.

तमिलनाडु की तर्ज पर एमपी में भी TET विरोध की उठी मांग, सड़कों पर उतरे शिक्षक, फॉर्म न भरने की खाई कसम

रतलाम में आजाद अध्यापक शिक्षक संघ के बैनर तले शिक्षकों ने TET परीक्षा की अनिवार्यता के खिलाफ जिला स्तरीय बैठक और सामूहिक उपवास किया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

रतलाम। मध्य प्रदेश के रतलाम जिले में शिक्षकों का आक्रोश अब खुलकर सड़कों पर और बैठकों में नजर आने लगा है। आजाद अध्यापक शिक्षक संघ के बैनर तले रविवार को एक बड़ी जिला स्तरीय बैठक, सामूहिक उपवास और TET (शिक्षक पात्रता परीक्षा) के आवेदन न करने की शपथ का आयोजन किया गया। वर्षों से अपनी सेवाएं दे रहे शिक्षकों पर थोपी जा रही TET की अनिवार्यता को लेकर शिक्षकों में भारी नाराजगी देखने को मिली। कार्यक्रम के अंत में संघ के पदाधिकारियों ने मुख्यमंत्री के नाम संबोधित एक ज्ञापन तहसीलदार आशीष उपाध्याय को सौंपा। सभा को संबोधित करते हुए संभागाध्यक्ष प्रकाश शुक्ला ने कड़ा विरोध जताते हुए कहा कि लंबे समय से अपनी सेवाएं दे रहे शिक्षकों के लिए अब दोबारा TET की अनिवार्यता पूरी तरह अनुचित है। कई शिक्षक ऐसे हैं जिन्होंने वर्ष 2005 और 2008 में व्यापमं द्वारा आयोजित पात्रता परीक्षा पहले ही पास कर ली थी। वहीं, महिला नेत्री हरनिस सिंह सोलंकी ने अपने तीखे अंदाज में तंज कसते हुए कहा, 'यह अजीब बात है कि जिस व्यक्ति को फांसी दी जानी है, उसी से कहा जा रहा है कि आप ही फांसी के फंदे के लिए रस्सी खरीदकर लाओ।' जिलाध्यक्ष सुनील कुमार गोंड़ ने मांग उठाई कि जिस प्रकार तमिलनाडु की सरकार ने विधानसभा में TET परीक्षा की अनिवार्यता के विरोध में प्रस्ताव पास करके केंद्र सरकार के पास भेजा है, ठीक उसी तरह मध्य प्रदेश सरकार को भी राज्य के डेढ़ लाख शिक्षकों के हित में कड़ा कदम उठाना चाहिए। संघ के अन्य वक्ताओं ने साफ कहा कि यदि शिक्षक परीक्षा के लिए आवेदन ही नहीं करेंगे, तो सरकार किसकी परीक्षा लेगी। इसलिए सभी ने एकजुट होकर परीक्षा फॉर्म का बहिष्कार करने का ऐलान किया है। इस बैठक और प्रदर्शन के दौरान सिर्फ TET का मुद्दा ही नहीं छाया रहा, बल्कि शिक्षकों की अन्य समस्याओं पर भी व्यापक चर्चा हुई। ज्ञापन में सितंबर 2022 की हड़ताल अवधि के वेतन भुगतान, प्रथम नियुक्ति दिनांक से सेवा अवधि की गणना कर पेंशन, ग्रेज्युटी और अवकाशों के नगरीकरण का लाभ देने की पुरजोर मांग की गई। साथ ही परिवीक्षा अवधि पूरी कर चुके शिक्षकों को 100 प्रतिशत वेतन और पदोन्नति का लाभ देने की भी मांग दोहराई गई। इस दौरान बड़ी संख्या में शिक्षक साथी उपस्थित रहे। रतलाम में आजाद अध्यापक शिक्षक संघ ने TET परीक्षा की अनिवार्यता के खिलाफ किया प्रदर्शन। शिक्षकों ने सामूहिक उपवास रखकर किसी भी स्थिति में TET फॉर्म न भरने का लिया संकल्प। तमिलनाडु की तर्ज पर मध्य प्रदेश विधानसभा में भी प्रस्ताव पास कर केंद्र को भेजने की उठी मांग। पुरानी पेंशन, समयमान वेतनमान और हड़ताल अवधि के वेतन भुगतान समेत कई मुद्दों पर हुई चर्चा।

सब्सिडी जारी करने के एवज में मांग रहा था 60 हजार घूस

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भ्रष्टाचार के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए कृषि मंत्रालय के विपणन अधिकारी अनुराग को निलंबित कर दिया है

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सीहोर। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और वर्तमान केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान अपने सख्त तेवरों के लिए एक बार फिर सुर्खियों में हैं। भ्रष्टाचार और लापरवाही के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाते हुए उन्होंने केंद्रीय कृषि मंत्रालय के एक अधिकारी के खिलाफ बड़ी और त्वरित कार्रवाई की है। सीहोर जिले में निरीक्षण के दौरान वेयरहाउस से सब्सिडी की राशि जारी करने के एवज में कथित तौर पर रिश्वत मांगने के आरोपों से घिरे विपणन अधिकारी अनुराग को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। मंत्री के इस कड़े कदम से प्रशासनिक अमले और भ्रष्ट अधिकारियों में हड़कंप मच गया है। मिली जानकारी के अनुसार, केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के सीहोर जिले के दौरे और निरीक्षण के दौरान यह गंभीर मामला सामने आया था। कुछ वेयरहाउस संचालकों ने सीधे तौर पर शिकायत की थी कि मंत्रालय के अधिकारी द्वारा सब्सिडी के पैसों को हरी झंडी दिखाने के नाम पर अवैध वसूली की मांग की जा रही है। आरोप था कि 'शिवाय वेयरहाउस' से एक लाख रुपए और 'श्रीकृष्णा वेयरहाउस' से 60 हजार रुपए की रिश्वत मांगी गई थी। यह शिकायत जब सीधे केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान तक पहुंची, तो उन्होंने मामले की गंभीरता को देखते हुए बिना किसी देरी के जांच और कार्रवाई के निर्देश दिए।

किसानों और कारोबारियों के हितों से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं

सूत्रों के मुताबिक, केंद्रीय मंत्री के पास जब इन वेयरहाउस संचालकों की शिकायत पहुंची, तो उन्होंने इसे बेहद गंभीरता से लिया। प्रशासनिक व्यवस्था में पारदर्शिता बनाए रखने के लिए इस तरह के कृत्यों पर तुरंत लगाम लगाना जरूरी माना गया। निर्देश मिलते ही संबंधित अधिकारी अनुराग को निलंबित कर दिया गया है। साथ ही यह भी संकेत दिए गए हैं कि विभागीय स्तर पर इस मामले की विस्तृत जांच की जाएगी और यदि इसमें अन्य लोग भी संलिप्त पाए जाते हैं, तो उनके खिलाफ भी कड़े प्रशासनिक कदम उठाए जाएंगे। इस कार्रवाई के बाद से महकमे में कड़ा संदेश गया है कि भ्रष्टाचार करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने घूसखोर अधिकारी के खिलाफ की तत्काल कार्रवाई सीहोर में वेयरहाउस सब्सिडी जारी करने के एवज में मांगी गई थी 60 हजार से 1 लाख की घूस। कृषि मंत्रालय के विपणन अधिकारी अनुराग को तत्काल प्रभाव से किया गया निलंबित। शिकायत मिलते ही मंत्री ने दिखाई सख्ती, विभागीय स्तर पर आगे की जांच प्रक्रिया जारी।

बागपत का 'कातिल' महंत कोलकाता से भिखारी के भेष में गिरफ्तार

मंदिर में गाड़ीं लाशें, ऊपर बिछाईं टाइल्स!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बागपत। उत्तरप्रदेश के बागपत के चर्चित अंकित-इसरार दोहरे हत्याकांड के मुख्य आरोपी महंत नरेशनाथ को पुलिस ने कोलकाता से गिरफ्तार कर लिया. प्रेम-संबंध और ब्लैकमेलिंग के चलते आरोपी ने दोनों को नशीली चाय पिलाकर हत्या की और शव मंदिर में दफना दिए. वारदात के बाद नेपाल भागा महंत बाढ़ के कारण कोलकाता में भिखारी बन छिपा हुआ था. बागपत पुलिस ने चर्चित अंकित-इसरार हत्याकांड के मुख्य आरोपी महंत बाबा नरेशनाथ को कोलकाता से गिरफ्तार कर लिया है. दो दोस्तों की हत्या कर मंदिर में लाशें गाड़ आरोपी ने हरिद्वार में गंगा में डुबकी लगाई, नेपाल भागा और वहां बाढ़ आने के बाद कोलकाता पहुंच गया था. जहां पहचान छिपाने के लिए भिखारी बना और मंदिर के बाहर रहने लगा, लेकिन आखिरकार पुलिस ने उसे दबोच लिया. दरअसल, पूरा मामला बागपत के चांदीनगर थाना क्षेत्र के लहचौड़ा गांव स्थित गणेश मंदिर का है. 25 जुलाई को सिंगौली तगा गांव के रहने वाले अंकित और उसके दोस्त इसरार घर से निकले थे, लेकिन वापस नहीं लौटे. परिजनों की शिकायत के बाद पुलिस ने दोनों की तलाश शुरू की. मोबाइल लोकेशन और दूसरे सुरागों की जांच के दौरान पुलिस का शक गणेश मंदिर परिसर पर पहुंचा. इसके बाद 13 अगस्त को मंदिर परिसर में खुदाई कराई गई तो जमीन के नीचे दोनों दोस्तों के शव बरामद हुए. शवों को छिपाने के लिए के ऊपर टाइल्स बिछा दी गई थीं. इस घटना के बाद पूरे इलाके में सनसनी फैल गई थी. पुलिस जांच में मंदिर के महंत नरेशनाथ का नाम मुख्य आरोपी के तौर पर सामने आया. पुलिस ने उसके दो शिष्यों को गिरफ्तार किया, जबकि नरेशनाथ वारदात के बाद फरार हो गया था. उसकी गिरफ्तारी पर 25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया और उसकी तलाश के लिए कई टीमें लगाई गईं. पुलिस को पहले उसके नेपाल में होने की जानकारी मिली थी. इसके बाद टीमें लगातार उसके संभावित ठिकानों पर काम करती रहीं. बागपत पुलिस के मुताबिक, नरेशनाथ की आखिरी लोकेशन पश्चिम बंगाल के कोलकाता स्थित विधाननगर में मिली. पुलिस टीम वहां पहुंची तो आरोपी ने पहचान छिपाने के लिए भिखारी का भेष बनाया हुआ था और एक मंदिर के बाहर रह रहा था. पुलिस ने घेराबंदी कर उसे BNS की धारा 103(1), 238/3(5) के तहत गिरफ्तार कर लिया. पूछताछ में नरेशनाथ ने अंकित की बहन से प्रेम-संबंध होने की बात बताई. अंकित को जिसकी जानकारी हो गई थी और उसके पास दोनों से जुड़ी कुछ तस्वीरें थीं. इन्हीं तस्वीरों को लेकर अंकित नरेशनाथ पर दबाव बना रहा था और उससे रुपये लेने की बात भी पूछताछ में सामने आई है. नरेशनाथ ने बदनामी के डर से अंकित को रास्ते से हटाने की साजिश रची. पहले अंकित और इसरार को नींद की गोली मिलाकर चाय पिलाई फिर हत्या कर दी, चूंकि इसरार उस समय अंकित के साथ था, इसलिए वह भी निशाने पर आ गया. इसके बाद दोनों की हत्या कर उनके शव मंदिर परिसर में दफन किए गए और ऊपर टाइल्स बिछाकर वारदात के सबूत छिपाने की कोशिश की गई. शुरुआती पुलिस जांच में भी प्रेम-संबंध को हत्या की वजह के तौर पर बताया गया था.

8 मौतों के बाद जागी व्यवस्था! मां बगलामुखी मंदिर में रात 8 बजे के बाद हवन पर रोक, आदेश जारी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

आगर। मालवा जिले के नलखेड़ा स्थित प्रसिद्ध सिद्धपीठ मां बगलामुखी मंदिर के पास हुए दर्दनाक हादसे के बाद मंदिर में रात 8 बजे बाद हवन पर प्रतिबंध लगा दिया गया है. शासन की ओर से जारी पत्र के अनुसार, अब मंदिर में हवन रात 8 बजे से पहले ही किए जा सकेंगे. शनिवार को तेज बारिश के दौरान मंदिर के पास बरसाती नाले में अचानक पानी का बहाव बढ़ गया था. इसी दौरान श्रद्धालुओं से भरी एक कार तेज बहाव में बह गई. हादसे में कार सवार 8 लोगों की मौत हो गई थी. मृतकों में 7 लोग ओडिशा के रहने वाले थे, जबकि कार चालक आगर-मालवा जिले के बड़ोद का निवासी था. मृतकों में तीन बच्चे भी शामिल थे. हादसे के बाद मंदिर की व्यवस्थाओं और श्रद्धालुओं की सुरक्षा को लेकर सवाल उठने लगे थे. इसी के बाद अब रात 8 बजे के बाद हवन पर रोक लगाने का आदेश जारी किया गया है. जानकारी के मुताबिक, ओडिशा के सात श्रद्धालु उज्जैन दर्शन के लिए आए थे. इसके बाद उन्होंने कार किराए पर ली और मां बगलामुखी मंदिर में दर्शन के लिए नलखेड़ा पहुंचे थे. शुक्रवार रात तेज बारिश के दौरान मंदिर के पास स्थित बरसाती नाले में पानी का बहाव अचानक बढ़ गया. बताया गया कि कार पुलिया के पास तेज बहाव की चपेट में आ गई और करीब 100 मीटर दूर तक बह गई. नलखेड़ा में उस दौरान पिछले 24 घंटे में करीब 3.7 इंच बारिश दर्ज की गई थी. हादसे का पता शनिवार सुबह चला, जब स्थानीय लोगों ने नाले में पलटी हुई कार देखी. सूचना मिलने पर पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची. SDRF की मदद से कार को नाले से बाहर निकाला गया और उसमें सवार सभी 8 लोगों के शव बरामद किए गए. शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए सिविल अस्पताल भेजा गया. बाद में प्रशासन ने शवों को एंबुलेंस के जरिए उनके गृह क्षेत्र ओडिशा भिजवाया. देखें VIDEO पुलिस के मुताबिक, जब शवों को कार से बाहर निकाला गया तो सभी के गले में माता के आशीर्वाद वाली लाल चुनरी लिपटी हुई थी. बताया गया कि श्रद्धालु रात में हवन-पूजन करने के बाद लौट रहे थे. मृतकों की पहचान चालक अरुण पिता ब्रदीलाल गोयल निवासी सुदवास, बड़ोद, राधारानी बेहरा (33), ज्ञानेंद्र कुमार बेहरा (41), रितारानी पत्नी ज्ञानेंद्र बेहरा (38), कृष्णा राजवीर पिता शिवप्रसाद (13), शिवप्रसाद बेहरा, वी साई स्वस्तिक पिता ज्ञानेंद्र (10) और शाहीरा स्वयं प्रभा पिता शिवप्रसाद (6) के रूप में हुई है. सभी सात श्रद्धालु ओडिशा के भुवनेश्वर के रहने वाले थे.

CCTV में एक और व्यक्ति भी बहता दिखा

पुलिस के मुताबिक, शुरुआती जांच में हादसे की वजह तेज बारिश और नाले में अचानक बढ़ा पानी सामने आया है. मंदिर और आसपास लगे CCTV कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है. CCTV फुटेज में हादसे से पहले करीब 11 बजे एक व्यक्ति पैदल तेज बहाव वाले रास्ते को पार करता दिखाई दिया. बताया गया कि वह भी नाले के बहाव में बह गया. फिलहाल उसका कोई पता नहीं चल पाया है. हादसे के बाद नलखेड़ा में लोगों में आक्रोश भी देखने को मिला. बड़ी संख्या में लोग घटनास्थल पर पहुंचे और अंबेडकर चौराहे पर चक्काजाम किया. दुकानों को भी बंद कराया गया स्थानीय स्तर पर सवाल उठाए गए कि शुक्रवार रात करीब 9 बजे से 12 बजे तक तेज बारिश के दौरान जब मंदिर मार्ग का नाला उफान पर था, तब वहां सुरक्षा के इंतजाम क्यों नहीं किए गए. आरोप है कि नाले के दोनों ओर बेरिकेडिंग नहीं थी और सुरक्षा जवान भी मौजूद नहीं थे स्थानीय लोगों का कहना है कि अगर तेज बहाव के दौरान रास्ते को बेरिकेडिंग लगाकर बंद कर दिया जाता या सुरक्षा जवान तैनात रहते तो हादसे को रोका जा सकता था. हालांकि, हादसे की जिम्मेदारी और कारणों को लेकर पुलिस-प्रशासन की जांच जारी है. मुख्यमंत्री मोहन यादव ने हादसे पर दुख जताते हुए मृतकों के परिजनों को 4-4 लाख रुपये की आर्थिक सहायता मंजूर की है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी संवेदना व्यक्त करते हुए मृतकों के परिजनों के लिए 2-2 लाख रुपये की सहायता की घोषणा की. ओडिशा के मुख्यमंत्री ने भी घटना पर शोक जताया.

मथुरा में बंद पड़ी शुगर मिल चालू कराने के लिए आंदोलन तेज, ट्रैक्टर-ट्रॉलियों से कूच कर रहे किसान

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मथुरा। छाता इलाके में बंद पड़ी शुगर मिल को फिर से शुरू करने की मांग को लेकर किसानों का आंदोलन तेज हो गया है। पिछले 40 दिनों से धरना दे रहे किसानों ने पुलिस ने सोमवार तड़के प्रदर्शन स्?थल से हटा दिया। इस पर ग्रामीणों में नाराजगी फैल गई। करीब 30 गांवों में पंचायत हुई और गांव वालों ने छाता शुगर मिल की तरफ कूच कर दिया। किसानों की बढ़ती भीड़ को देखते हुए प्रशासनिक अमला और पुलिस अलर्ट है। स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है। सुबह से ही आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में किसान ट्रैक्टर-ट्रॉलियों पर सवार होकर मिल परिसर के पास एकत्र होने लगे और लगातार नारेबाजी करने लगे। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि तड़के (करीब 3 बजे) पुलिस धरना स्थल पर पहुंची और सो रहे किसानों को जबरन हटा दिया। पुलिस ने बल प्रयोग किया और उनका टेंट, माइक तथा धरना स्थल का अन्य सामान भी वहां से हटा दिया। धरना दे रहे सूबेदार कर्मयोगी ने एक वीडियो जारी कर आरोप लगाया कि पुलिस ने कुछ लोगों को हिरासत में लिया है। उन्होंने दावा किया कि पुलिस और सादे कपड़ों में आए लोगों ने धरना स्थल पर रखा सामान फेंक दिया और जमीन भी खोद दी। हालांकि, इन आरोपों पर पुलिस का आधिकारिक पक्ष सामने आना बाकी है। सूबेदार कर्मयोगी ने आसपास के ग्रामीणों से ज्यादा से ज्यादा संख्या में मौके पर पहुंचने की अपील की। इसके बाद सोशल मीडिया के जरिए लोगों को एकजुट करने के प्रयास तेज हो गए हैं। और ग्रामीण अलग-अलग स्थानों पर पंचायत कर अपना विरोध जता रहे हैं। वायरल वीडियो में कुछ ग्रामीण कैबिनेट मंत्री चौधरी लक्ष्मी नारायण और पुलिस-प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए भी नजर आ रहे हैं। किसानों की बढ़ती संख्या और इलाके में बने तनाव को देखते हुए पुलिस और प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए हैं। सुरक्षा के लिहाज से गांवों में एलआईयू की टीम को भी तैनात किया गया है। फिलहाल इलाके में पुलिस बल मुस्तैद है।

भोपाल में महिला दारोगा की हत्या... प्रेमी ने हथौड़े से वार कर ली जान...फिर खुद भी जान दी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भोपाल। 45 वर्षीय महिला RTO इंस्पेक्टर मीनाक्षी गोखले की हत्या का सनसनीखेज मामला सामने आया है. खजूरी सड़क थाना क्षेत्र की लेक पर्ल वैली कॉलोनी में उनका शव घर के अंदर खून से लथपथ मिला. पास में हथौड़ा बरामद हुआ है. पुलिस को मीनाक्षी के साथ रह रहे पवन कुमार द्विवेदी पर हत्या का शक है. मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल से एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है. यहां के खजूरी सड़क थाना क्षेत्र की लेक पर्ल वैली कॉलोनी में परिवहन विभाग की महिला आरटीओ इंस्पेक्टर की सनसनीखेज हत्या से हड़कंप मच गया. 45 वर्षीय मीनाक्षी गोखले का शव उनके घर में खून से लथपथ मिला. शव के पास ही पुलिस को हथौड़ा पड़ा मिला है, जिससे हत्या किए जाने की आशंका है. प्रारंभिक जांच में पुलिस को मीनाक्षी गोखले के साथ रह रहे पवन कुमार द्विवेदी, निवासी सीधी, पर हत्या का शक है. बताया जा रहा है कि पवन करीब 2 दिन पहले ही भोपाल आया था और मीनाक्षी के साथ रह रहा था. पुलिस की शुरुआती जांच के मुताबिक दोनों के बीच शादी को लेकर विवाद हुआ था. आशंका है कि शादी से इनकार को लेकर हुए विवाद के बाद पवन ने हथौड़े से मीनाक्षी पर हमला कर दिया, जिससे उनकी मौत हो गई.

हत्या के बाद आरोपी प्रेमी ने भी दी जान

हत्या के बाद आरोपी घर से करीब 20 मीटर दूर चला गया और एक पेड़ पर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली. सूचना मिलते ही खजूरी सड़क थाना पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया. एसीपी बैरागढ़ आदित्य राज सिंह ने बताया कि सोमवार सुबह एक कॉलोनी में एक महिला की हत्या हुई है और पास में ही एक युवक ने फांसी लगाई है. फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है. हत्या की असली वजह क्या थी, वारदात के समय दोनों के बीच क्या विवाद हुआ और घटना में इस्तेमाल हथौड़ा किस तरह इस्तेमाल किया गया, इन सभी बिंदुओं की जांच की जा रही है. पुलिस घटनास्थल से साक्ष्य जुटाने के साथ आसपास के लोगों से भी पूछताछ कर रही है.

दिल्ली के कालकाजी में प्रॉपर्टी डीलर की संदिग्ध हालात में मौत, दो महिलाओं समेत तीन आरोपी पकड़े गए

महानगर मेट्रो ब्यूरो

कालकाजी। एल-एस इलाके में निर्माण कार्य को लेकर हुए विवाद के बाद प्रॉपर्टी डीलर मंजीत सिंह उर्फ बंटी की मौत हो गई। परिजनों ने कई लोगों पर घेरकर लात-घूंसों और डंडों से पीटने का आरोप लगाया है। पुलिस ने 2 महिलाओं समेत 3 लोगों को पकड़ा है।

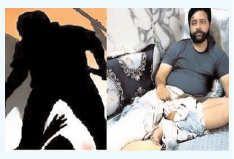

कालकाजीः साउथ ईस्ट जिले के कालकाजी के एल-स इलाके में हुई झड़प में प्रॉपर्टी डीलर मंजीत सिंह उर्फ बंटी की संदिग्ध हालात में मौत हो गई। परिजनों का आरोप है कि कई लोगों ने उन्हें घेरकर लात-घूसों और डंडों से बेरहमी से पीटा। गंभीर हालत में उन्हें एम्स ट्रॉमा सेंटर ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने गैर-इरादतन हत्या का मामला दर्ज कर 2 महिलाओं समेत 3 को पकड़ा है। पुलिस बाकी आरोपियों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए जांच कर रही है। घटनास्थल और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है। पुलिस की शुरुआती जांच के मुताबिक, दोनों पक्षों के बीच पहले इमारत के बाहर कहासुनी हुई, जो देखते ही देखते विवाद हाथापाई में बदल गया। आरोप है कि इसी दौरान कई लोगों ने मंजीत को घेर लिया और उनकी पिटाई शुरू कर दी। हमलावरों ने लात-घूसों के अलावा डंडों से भी हमला किया। मारपीट के बाद मंजीत को बेसुध हालत में इमारत के बाहर छोड़ दिया गया।

दिल्ली के संगम विहार में सनसनीखेज चोरी, 45 मिनट में घर से लाखों रुपये के गहने-कैश साफ

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के संगम विहार इलाके में रविवार रात एक घर में लाखों रुपये और गहनों की चोरी का मामला सामने आया है। वारदात के समय परिवार के सदस्य घर से बाहर गए हुए थे। सूचना मिलने के बाद दिल्ली पुलिस की एक टीम फॉरेंसिक साइंस लैबोरेटरी की टीम के साथ पहुंची और घटनास्थल से सबूत जुटाए।

पीड़िता मोमीना ने बताया रविवार को परिवार उनकी पोती का जन्मदिन मनाने सुंदर नर्सरी गया था। इसके बाद सभी लाजपत नगर में डिनर करने पहुंचे। लौटने से पहले उनकी बेटी ने केक काटने की बात कही, जिसके बाद परिवार हौज खास चला गया। इसी दौरान उनका बेटा फर्दीन किसी काम से बाहर चला गया। मोमीना के मुताबिक, उन्होंने अपने पति को फोन किया था। पति ने करीब 30-45 मिनट में घर पहुंचने की बात कही। मोमीना ने बताया कि परिवार के घर लौटने में थोड़ी देर हो रही थी। इसी करीब 45 मिनट के दौरान चोरों ने घर को निशाना बनाया। पीड़िता ने बताया कि जब उनके पति घर पहुंचे तो उन्होंने फोन कर पूछा कि ऊपर वाला गेट या दूसरा गेट खुला छोड़ दिया गया था क्या। उन्होंने जवाब दिया कि घर पर उनका बड़ा बेटा फर्दीन था और उसने गेट लॉक किया होगा। इसके बाद पति ने बताया कि घर के दरवाजे खुले पड़े हैं, शीशा टूटा हुआ है और ऊपर का गेट भी तोड़ा गया है। मोमीना के अनुसार, घर के ड्रेसिंग एरिया समेत कई जगहों के ताले तोड़े गए थे। उनकी बहू की चेन और नकदी, उनकी और बेटियों के सोने के कड़े और अन्य कीमती आभूषण घर से गायब मिले।

'दिल्ली बनेगा खालिस्तान', राजधानी के कई स्कूलों को फिर आया धमकी भरा मेल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। कई स्कूलों को धमकी भरे ईमेल मिले, जिनमें 'दिल्ली बनेगा खालिस्तान' लिखा था. सुरक्षा जांच के बाद धमकी फर्जी निकली. अब दिल्ली पुलिस की साइबर टीम मेल भेजने वाले का पता लगाने में जुटी है.

दिल्ली के कई स्कूलों को एक बार फिर धमकी भरा ईमेल मिला है. मेल में 'दिल्ली बनेगा खालिस्तान' लिखा गया था. सूचना मिलते ही स्कूलों में तय सुरक्षा प्रक्रिया अपनाई गई. जांच के बाद धमकी को फर्जी पाया गया. अब दिल्ली पुलिस की साइबर टीम ईमेल भेजने वाले का पता लगाने में जुटी है. इससे पहले 15 सितंबर को भी धौला कुआं के आर्मी पब्लिक स्कूल को बम की धमकी मिली थी, जिसे जांच के बाद फर्जी पाया गया था. स्कूलों को मेल मिलने के बाद सुरक्षा एजेंसियां सक्रिय हो गईं. तय SOP (सुरक्षा की तय प्रक्रिया) के तहत जांच की गई, ताकि किसी तरह का खतरा होने पर समय रहते कार्रवाई हो सके. पड़ताल के बाद साफ हुआ कि मेल में दी गई धमकी वास्तविक नहीं थी. इस मामले में फिलहाल किसी नुकसान या विस्फोट की जानकारी नहीं है. धमकी के फर्जी निकलने के बाद अब जांच का अगला हिस्सा शुरू हो गया है. दिल्ली पुलिस की साइबर टीम यह पता लगाने में जुटी है कि मेल किस ईमेल आईडी से भेजा गया, इसे कहां से भेजा गया और इसके पीछे कौन है. पुलिस की कोशिश सिर्फ धमकी को फर्जी साबित करने तक सीमित नहीं है. मेल के स्रोत का पता लगाना भी अहम है, ताकि यह समझा जा सके कि इसे भेजने वाले का मकसद क्या था. फिलहाल जांच जारी है. दिल्ली में इससे पहले 15 सितंबर को भी बम की धमकी वाला मामला सामने आया था. धौला कुआं स्थित आर्मी पब्लिक स्कूल में बम होने की सूचना मिली थी. जानकारी मिलने के बाद पुलिस को खबर दी गई और बच्चों को कक्षाओं से बाहर निकाला गया. पुलिस टीम के साथ बम निरोधक दस्ते ने स्कूल की जांच की. करीब डेढ़ घंटे की पड़ताल के बाद इस सूचना को फर्जी पाया गया था. इसके बाद पुलिस ने धमकी के स्रोत की जांच शुरू की थी. अब एक बार फिर कई स्कूलों को धमकी भरा मेल मिलने से सुरक्षा एजेंसियों की नजर इस तरह के संदेशों पर है. हालांकि, मौजूदा मामले में भी जांच के बाद किसी वास्तविक खतरे की पुष्टि नहीं हुई है. ऐसे मामलों में धमकी फर्जी निकलने के बावजूद पुलिस को हर सूचना को गंभीरता से लेना पड़ता है. पहले सुरक्षा जांच होती है, फिर स्थिति साफ होने पर आगे की कार्रवाई तय की जाती है. फिलहाल इस मामले में किसी नुकसान की सूचना नहीं है. दिल्ली पुलिस की साइबर टीम ईमेल के स्रोत तक पहुंचने की कोशिश कर रही है.

पुणे में राज ठाकरे पर टिप्पणी करने वाले इन्फ्लुएंसर से मंगवाई माफी, चेहरे पर पोती कालिख

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पुणे। महाराष्ट्र के पुणे में मनसे कार्यकर्ताओं ने सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर महेश मोटे से राज ठाकरे पर टिप्पणी करने के मामले में कथित तौर पर जबरन माफी मंगवाई। आरोप है कि कार्यकर्ताओं ने उनका चेहरा काली स्याही से पोता, राज ठाकरे की तस्वीर के सामने दंडवत करवाया और सिर पर चप्पल रखकर उठक-बैठक कराई। घटना का वीडियो सोमवार को सोशल मीडिया पर सामने आया। इसमें मोटे हाथ जोड़कर राज ठाकरे, मनसे और पार्टी पदाधिकारियों से बिना शर्त माफी मांगते और आगे ऐसी गलती नहीं करने की बात कहते दिखाई दे रहे हैं। मनसे के हडपसर विधानसभा क्षेत्र के उपविभाग अध्यक्ष शुभम जगदाले के मुताबिक, मोटे ने करीब 15 दिन पहले एक वीडियो में राज ठाकरे के खिलाफ आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल किया था। इसी से नाराज कार्यकर्ताओं ने कात्रज के एक पार्क से उन्हें पकड़कर पार्टी के जनसंपर्क कार्यालय पहुंचाया।

यह शराब पीने की जगह नहीं...', खुले में जाम छलकाने से रोका तो महिला पर चढ़ा दी कार

पुणे के बालेवाड़ी में शराब पीने का विरोध करने वाली एक महिला को कार से टक्कर मारने का आरोप है.

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पुणे। महाराष्ट्र के पुणे के बालेवाड़ी इलाके में शराब पीने से रोकना एक महिला को भारी पड़ गया. आरोप है कि खुले मैदान में शराब पी रहे दो युवकों ने 46 साल की महिला को कार से टक्कर मार दी. महिला के हाथ-पैर में गंभीर चोट आई है. बानेर पुलिस ने मामले में दोनों युवकों को गिरफ्तार किया है. घटना शनिवार रात करीब 8:30 बजे दसरा चौक के पास की बताई जा रही है. महिला मनीषा संजय भंडारी अपने कुत्ते को टहलाने गई थीं. वहां एक कार में दो युवक शराब पी रहे थे. कुत्ता कार के पास पहुंचा तो युवकों ने पूछा कि क्या वह काटेगा. महिला ने कहा कि कुत्ता नहीं काटेगा. इसी दौरान उनकी नजर दोनों के शराब पीने पर गई. महिला ने युवकों से कहा कि 'यह शराब पीने की जगह नहीं है'. इसके बाद वह कुत्ते को लेकर आगे चली गईं. आरोप है कि जब वह वापस लौटीं, तो दोनों युवक कार में बैठे तेज म्यूजिक चला रहे थे. इसी दौरान कार उनकी तरफ बढ़ाई गई और उन्हें टक्कर मार दी गई. शिकायत के मुताबिक, टक्कर के बाद महिला को हाथ और पैर में गंभीर चोट लगी. आरोप है कि दोनों युवकों ने उनके साथ गाली-गलौज की और धमकी भी दी. शिकायत में यह भी कहा गया है कि कार इस तरह चलाई गई, जिससे महिला को गंभीर नुकसान पहुंच सकता था. पुलिस ने मामले की जांच के दौरान सबूत जुटाए. इसके बाद दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया गया. महिला और दोनों आरोपियों का मेडिकल भी कराया गया है. पुलिस ने जिन दो युवकों को गिरफ्तार किया है, उनकी पहचान दिनेश दशरथ बिरदार और प्रशांत नवनाथ भोंडवे के रूप में हुई है. दोनों की उम्र 23 और 25 साल बताई गई है. दोनों बालेवाड़ी के रहने वाले हैं. बानेर पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि तकनीकी सबूत मिलने के बाद गिरफ्तारी की गई. मामले में आगे की जांच जारी है. पुलिस ने मामले में हत्या की कोशिश समेत संबंधित धाराओं के तहत केस दर्ज किया है. साथ ही मोटर व्हीकल एक्ट की धाराएं भी लगाई गई हैं. फिलहाल पुलिस घटना से जुड़े बाकी पहलुओं की जांच कर रही है. जांच पूरी होने के बाद मामले में और जानकारी सामने आ सकती है.

मालेगांव नगर निगम से टीपू सुल्तान की तस्वीर हटाने का आदेश, समाजवादी पार्टी की डिप्टी मेयर पहुंचीं बॉम्बे हाईकोर्ट

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पुणे/नासिक। महाराष्ट्र के मालेगांव महानगरपालिका में टीपू सुल्तान की तस्वीर का विवाद अब बॉम्बे हाईकोर्ट पहुंच गया है। नगर निगम में डिप्टी मेयर और समाजवादी पार्टी की पार्षद शान ए हिंद निहाल अहमद में प्रशासन के आदेश को बॉम्बे हाईकोर्ट में चुनौती दी है। दरअसल नगर निगम प्रशासन और पुलिस ने तस्वीर हटाने को कहा गया था। याचिका पर संज्ञान लेते हुए बॉम्बे हाईकोर्ट ने महाराष्ट्र सरकार को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। मालेगांव नगर निगम में यह तस्वीर महात्मा गांधी, छत्रपति शिवाजी महाराज, रानी लक्ष्मीबाई, सुभाष चंद्र बोस, डॉ. बीआर अंबेडकर, सावित्रीबाई फुले, महात्मा ज्योतिराव फुले, भगत सिंह और राजर्षि शाहू महाराज जैसी कई ऐतिहासिक और राष्ट्रीय हस्तियों की तस्वीरों के साथ लगाई गई है। मालेगांव निगम के नेता नीलेश काकड़े ने इस पर आपत्ति जताई थी, जिसके बाद नगर निगम प्रशासन और पुलिस ने टीपू सुल्तान की तस्वीर हटाने को कहा था। यह मामला महाराष्ट्र सरकार के मंत्री दादा भूसे के तक पहुंचा था। अधिकारियों ने सरकारी ऑफिसों में राष्ट्रीय नेताओं की तस्वीरें लगाने के संबंध में 1965 के सर्कुलर और 2002 में जारी सरकारी प्रस्तावों का हवाला दिया है। सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता के वकील ने सवाल उठाया कि खास तौर पर टीपू सुल्तान की तस्वीर पर ही आपत्ति क्यों जताई जा रही है, जबकि अन्य ऐतिहासिक हस्तियों की तस्वीरें भी सार्वजनिक और सरकारी परिसरों में लगी हुई हैं। याचिकाकर्ता ने भारत के संविधान के मूल

कलात्मक संस्करण का भी हवाला दिया है और दावा किया है कि इसमें टीपू सुल्तान से जुड़ी एक तस्वीर शामिल है। याचिका में नासिक जिला कोर्ट सहित कुछ अन्य सार्वजनिक संस्थानों में टीपू सुल्तान की तस्वीर होने का भी जिक्र किया गया है, ताकि यह तर्क दिया जा सके कि डिप्टी मेयर के ऑफिस में लगी तस्वीर के खिलाफ की गई कार्रवाई की न्यायिक समीक्षा की जानी चाहिए।

गणपति जुलूस के दौरान बवाल दो गुटों में जमकर मारपीट, 40+ लोगों पर FIR

महानगर मेट्रो ब्यूरो

ठाणे। टिटवाला इलाके में गणपति विसर्जन जुलूस के दौरान दो गुटों के बीच हिंसक झड़प हुई. इस दौरान दोनों पक्षों के 40 से ज्यादा लोगों के खिलाफ FIR दर्ज की गई. पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति नियंत्रण में ली, हालांकि अभी तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई. इस हिंसा में स्थानीय नेताओं के नाम भी शामिल हैं. महाराष्ट्र के ठाणे में गणपति विसर्जन जुलूस के दौरान दो गुटों के बीच हिंसक झड़प हो गई. कल्याण तालुका के टिटवाला इलाके में पहले जुलूस को आगे ले जाने की होड़ में कहासुनी हुई थी, जो देखते ही देखते मारपीट में बदल गई. पुलिस ने मामले का संज्ञान लेते हुए दोनों पक्षों के 40 से ज्यादा लोगों के खिलाफ FIR दर्ज की है. पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, ये घटना 19 सितंबर की आधी रात की है. दोनों पक्षों के लोगों ने एक-दूसरे को धमकियां देनी शुरू कर दीं और जमकर गाली-गलौज की. बात बढ़ते-बढ़ते हाथापाई और शारीरिक हिंसा तक पहुंच गई. आधी रात हुए इस मामले की वजह से इलाके में काफी देर तक यातायात पूरी तरह बाधित रहा और राहगीरों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा. घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस बल तुरंत मौके पर पहुंचा और हालात पर काबू पाया. हालांकि मामले में अभी तक किसी भी आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हुई है. कल्याण तालुका पुलिस थाने ने कार्रवाई करते हुए दोनों गुटों के 40 से ज्यादा लोगों के खिलाफ नामजद और अज्ञात में मामला दर्ज किया है. आरोपी बनाए गए लोगों में इलाके के कुछ स्थानीय नेता और पॉपुलर चेहरे

भी शामिल हैं बिना अनुमति लाउडस्पीकर बजाने पर भी कार्रवाई पुलिस अधिकारियों ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ मारपीट, उपद्रव मचाने और शांति भंग करने की धाराओं के अलावा वैधानिक नियमों के उल्लंघन का मामला भी जोड़ा गया है. जुलूस के दौरान बिना पूर्व अनुमति के अनधिकृत रूप से तेज आवाज में लाउडस्पीकर बजाने के नियमों के उल्लंघन का भी जिक्र किया गया है.

MNS की गुंडागर्दी: इन्फ्लुएंसर का मुंह काला कर सिर पर रखवाई चप्पल, राज ठाकरे की फोटो के सामने करवाया दंडवत प्रणाम

महानगर मेट्रो ब्यूरो

महाराष्ट्र। नवनिर्माण सेना के कार्यकर्ताओं पर सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर महेश मोटे का चेहरा कथित तौर पर काला करने और उन्हें माफी मांगने के लिए मजबूर करने का आरोप है. MNS नेताओं ने आरोप लगाया कि मोटे ने राज ठाकरे के खिलाफ आपत्तिजनक और व्यक्तिगत टिप्पणियां की थीं महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के कार्यकर्ताओं ने सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर महेश मोटे का चेहरा कथित तौर पर काला कर दिया. स्व्हस् कार्यकर्ताओं ने उन पर स्व्हस् प्रमुख राज ठाकरे के खिलाफ अपनी रील्स में अश्लील और व्यक्तिगत टिप्पणी करने का आरोप लगाया. MNS नेताओं के मुताबिक, महेश मोटे को पार्टी कार्यकर्ताओं ने पकड़ा और हडपसर सब-डिविजन के अध्यक्ष शुभम जगदाले के MNS संपर्क कार्यालय ले जाया गया. आरोप है कि वहां उन्हें राज ठाकरे की तस्वीर के सामने

दंडवत होने और अपनी टिप्पणी के लिए माफी मांगने के लिए कहा गया MNS कार्यकर्ताओं ने कथित तौर पर महेश मोटे के चेहरे पर काली स्याही लगा दी. इसके बाद उन्हें सिर पर चप्पल रखकर उठक-बैठक करने के लिए भी कहा गया. बाद में कथित तौर पर उनका माफी मांगते हुए एक वीडियो रिकॉर्ड किया गया. इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है. MNS पुणे सिटी अध्यक्ष साईनाथ बाबर ने India Toda4 से कहा, 'उन्होंने राज ठाकरे के खिलाफ आपत्तिजनक रील्स और व्यक्तिगत टिप्पणियां की थीं. अगर वह रील्स रिकॉर्ड करना चाहते हैं, तो कर सकते हैं, लेकिन उन्हें हमारे नेता के खिलाफ व्यक्तिगत टिप्पणियां करने से बचना चाहिए.MNS नेताओं ने आरोप लगाया कि महेश मोटे ने अपनी एक रील में राज ठाकरे के खिलाफ अश्लील टिप्पणियां की थीं. हालांकि, इस घटना के संबंध में अभी तक कोई पुलिस शिकायत दर्ज नहीं की गई है. इससे पहले भी महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना से जुड़े कई विवाद सामने आते रहे हैं. इनमें हिंदी भाषी लोगों के साथ मारपीट और उन्हें परेशान करने के आरोप भी शामिल रहे हैं. इसके अलावा, महाराष्ट्र में गुजराती प्रतिष्ठानों और साइनबोर्ड को नुकसान पहुंचाने के आरोप भी स्व्हस् कार्यकर्ताओं पर लगते रहे हैं. इन घटनाओं को लेकर अलग-अलग समय पर विवाद हुआ है और पुलिस कार्रवाई के मामले भी सामने आए हैं. स्व्हस् प्रमुख राज ठाकरे की महाराष्ट्र में मराठी भाषा और स्थानीय लोगों से जुड़े मुद्दों पर राजनीति के बीच इस तरह के विवाद पहले भी चर्चा में रहे हैं.

पुष्पा स्टाइल में शराब तस्करी का खुलासा, कबाड़ के नीचे छिपाकर ले जा रहे थे 39 हजार बोतलें

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नागपुर। क्राइम ब्रांच ने कबाड़ के नीचे छिपाकर ले जाई जा रही देशी शराब की करीब 39 हजार बोतलें बरामद की हैं. पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि धुले से शराब से भरा ट्रक गढ़चिरौली की ओर जा रहा है. तलाशी में 390 बॉक्स मिले, जिनमें 90 एमएल की रॉकेट देशी शराब थी. पुलिस ने आरोपी अब्दुल तोसिफ अब्दुल हाफिज को गिरफ्तार किया और 28.70 लाख रुपये का माल जब्त किया. नागपुर में पुलिस ने शराब तस्करी के एक ऐसे मामले का खुलासा किया है, जिसमें तस्करों ने पुलिस को चकमा देने के लिए फिल्म 'पुष्पा' जैसा तरीका अपनाया. शराब से भरे ट्रक के ऊपर कबाड़ी का सामान रखा गया था, ताकि बाहर से देखने पर वाहन में सिर्फ स्क्रैप ही नजर आए. हालांकि, पुलिस की गुप्त सूचना और जांच के बाद ट्रक को पकड़ लिया गया. तलाशी में ट्रक के पिछले हिस्से में खास तौर पर बनाई गई जगह से हजारों शराब की बोतलें बरामद हुईं. नागपुर क्राइम ब्रांच ने अवैध शराब तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए करीब 15.60 लाख रुपये कीमत की देशी शराब जब्त की है. यह कार्रवाई अमरावती रोड स्थित आठवां मील मार्केट क्षेत्र में की गई. पुलिस ने मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है. अब जांच इस बात पर केंद्रित है कि शराब की इतनी बड़ी खेप कहां से लाई गई थी और इसे कहां पहुंचाया जाना था. पुलिस के मुताबिक, क्राइम ब्रांच के कर्मचारी अजय शुक्ला को सूचना मिली थी कि धुले से शराब से भरा एक ट्रक गढ़चिरौली की ओर ले जाया जा रहा है. सूचना मिलने के बाद पुलिस टीम सक्रिय हुई और ट्रक को रोकने के लिए जाल बिछाया गया. जैसे ही संदिग्ध ट्रक वहां पहुंचा, पुलिस ने उसे रोक लिया. इसके बाद वाहन की तलाशी शुरू की गई. ट्रक के ऊपर कबाड़ी का सामान रखा हुआ था. बाहर से देखने पर ऐसा लग रहा था कि ट्रक में केवल कबाड़ का सामान ले जाया

जा रहा है. तलाशी के दौरान पुलिस को ट्रक के पिछले हिस्से में एक विशेष जगह दिखाई दी. इसी जगह को शराब छिपाने के लिए इस्तेमाल किया गया था. पुलिस ने जब इस छिपे हुए हिस्से को खोला तो वहां शराब के बॉक्स रखे मिले. पुलिस के मुताबिक, इस छिपे हुए हिस्से में 390 बॉक्स रखे गए थे. प्रत्येक बॉक्स में 90 एमएल की रॉकेट देशी शराब की बोतलें थीं. कुल मिलाकर करीब 39 हजार शराब की बोतलें बरामद की गईं. तस्करी के इस तरीके में सबसे खास बात यह थी कि शराब को सीधे ट्रक में नहीं रखा गया था.

चांदनी चौक के टाउन हॉल का होगा कायाकल्प, 160 साल पुरानी इमारत में दिखेगा विरासत और संस्कृति का मेल

चांदनी चौक की पुरानी पहचान अब नए रंग-रूप में नजर आएगी. इसे दिल्ली आने वाले पर्यटकों के लिए इतिहास और विकास का केंद्र बनाया जाएगा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। पुरानी दिल्ली की ऐतिहासिक विरासतों में से एक टाउन हॉल का अब जल्द ही कायाकल्प होने वाला है. दिल्ली सरकार इसे 'ग्लोबल हेरिटेज सेंटर' के रूप में नई पहचान देने की तैयारी में है. इसे लेकर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की मौजूदगी में दिल्ली पर्यटन और परिवहन विकास निगम और दिल्ली नगर निगम के बीच समझौता ज्ञापन हुआ. करीब 12,180 वर्गमीटर में फैले इस पूरे परिसर में टाउन हॉल, प्रेस ब्रिल्डिंग और पार्क शामिल हैं.योजना के तहत यहां संग्रहालय, सांस्कृतिक गतिविधियों और पर्यटकों के लिए सुविधाएं विकसित की जाएंगी. इमारत के पुराने रूप और उसकी ऐतिहासिक पहचान को बनाए रखते हुए इसका नए तरीके से इस्तेमाल किया जाएगा. चांदनी चौक का टाउन हॉल शाहजहानाबाद के ऐतिहासिक इलाके का अहम हिस्सा है. इसका निर्माण 1860 से 1866 के बीच हुआ था. यह Grade-I Heritage परिसर है. लंबे समय तक दिल्ली नगर निगम का मुख्यालय भी यहीं से चलता था. बाद में साल 2010 में निगम मुख्यालय को मिंटो रोड स्थित डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी सिविक सेंटर में ट्रांसफर कर दिया गया.इसके बाद टाउन हॉल कैंपस का बड़ा हिस्सा खाली रहा. अब सरकार इसी जगह को विरासत, संस्कृति और पर्यटन से जोड़ने की तैयारी कर रही है, जिसका मालिकाना हक MCD के पास ही रहेगा.रूचांदनी चौक और पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन के आसपास देश-विदेश से आने वाले ट्यूरिस्ट की आवाजाही को देखते हुए इस परिसर को विरासत पर्यटन का प्रमुख केंद्र बनाने की योजना है. यहां आने वाले लोगों को दिल्ली के इतिहास, संस्कृति, आर्किटेक्चर और विरासत से जुड़ी चीजें एक ही जगह देखने को मिलेंगी. स्व्ह यानी मेमोरेंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग के तहत DTTDC पहले कैंपस का सर्वे और स्ट्रक्चरल असेसमेंट करेगा. इसके बाद Detailed Project Report तैयार की जाएगी. इसके बाद प्रोजेक्ट को पब्लिक इन्वेस्टमेंट या PPP मॉडल से विकसित करने के विकल्प पर आगे फैसला होगा. पूरे काम की निगरानी के लिए DTTDC और MCD के अधिकारियों का Joint Working Group भी बनाया जाएगा. MoU की शुरुआती अवधि 30 साल रखी गई है, जिसे आपसी सहमति से 30 साल और बढ़ाया जा सकता है. परियोजना में सिर्फ इमारत को संवारने पर जोर नहीं है.टाउन हॉल से जुड़े पत्थरों के लेख, कलाकृतियां, ऐतिहासिक रिकॉर्ड और दूसरी विरासत सामग्री के पास ही रहेगी. मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के मुताबिक, यह टाउन हॉल दिल्ली के इतिहास और विरासत का अहम हिस्सा है. वहीं पर्यटन मंत्री कपिल मिश्रा ने परियोजना पर बात करते हुए कहा कि इससे चांदनी चौक के विरासत पर्यटन को नया आयाम मिलेगा. यानी आने वाले समय में चांदनी चौक खरीदारी और खानपान के साथ इतिहास और संस्कृति के लिए भी जाना जाएगा

प्रदर्शन के दौरान DTC बसों पर हमलों का वॉट्सऐप कनेक्शन

दिल्ली पुलिस को जांच में मिले प्लानिंग के सबूत

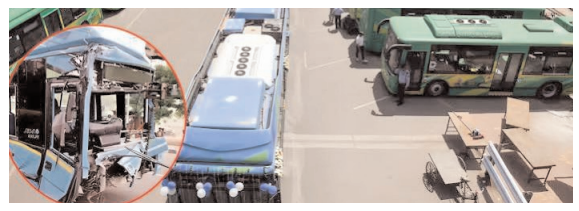

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। प्रदर्शन के दौरान DTC बसों में तोड़फोड़ की जांच में पुलिस को एक WhatsApp ग्रुप का पता चला है। पुलिस के मुताबिक, ग्रुप में बसों को निशाना बनाने की योजना पर चर्चा होती थी। अब तक अलग-अलग मामलों में 17 गिरफ्तारियां हुई हैं और कुछ आरोपी थर्ड पार्टी कर्मचारी बताए जा रहे हैं। नई दिल्लीः दिल्ली में प्रदर्शन के दौरान डीटीसी बसों में हुई तोड़फोड़ की जांच जैसे-जैसे आगे बढ़ रही है, पुलिस को इसके पीछे एक कथित संगठित प्लानिंग के संकेत मिल रहे हैं। जांच में एक वॉट्सऐप ग्रुप का पता चला है, जिसका इस्तेमाल कथित तौर पर बसों को निशाना बनाने की योजना और हमले से जुड़ी जानकारी साझा करने के लिए किया जा रहा था। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, तीन लोग इस ग्रुप को चला रहे थे। अब इनकी भूमिका और ग्रुप में शामिल अन्य सदस्यों के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस यह भी जांच रही है कि ग्रुप में हुई बातचीत के बाद वास्तव में बसों में तोड़फोड़ की घटनाएं हुई थीं या नहीं। जांच में एक और अहम बात सामने आई है। पुलिस को कई मामलों में पता चला है कि बसों को नुकसान पहुंचाने के आरोप में पहचाने गए लोग डीटीसी के लिए काम करने वाली थर्ड पार्टी कंपनी के कर्मचारी हैं। अब जांच अधिकारी यह पता कर रहे हैं कि इन कर्मचारियों ने अपने स्तर पर बसों को निशाना बनाया या उन्हें किसी ने निर्देश दिए थे। अलग-अलग जिलों में हुई घटनाओं के बीच कनेक्शन की भी जांच की जा रही है। तीन लोग चला रहे थे ग्रुप, बसों को निशाना बनाने और हमले की रणनीति पर होती थी चर्चा 17 पकड़े अब तक, जांच में कई आरोपी थर्ड पार्टी के कर्मचारी निकले दिल्ली में प्रदर्शन के दौरान डीटीसी बसों में हुई थी तोड़फोड़, जांच जारी कंझावला और बेगमपुर में दो FIR, 12 गिरफ्तार कंझावला और बेगमपुर में दर्ज दो FIR, में पुलिस ने अब तक 12 लोगों को गिरफ्तार किया है। वहीं, द्वारका में तोड़फोड़ से जुड़े 17 मामले दर्ज किए गए हैं और पांच की गिरफ्तारी हुई है। पुलिस ने 50 से ज्यादा को दिधारा 65 के तहत हिरासत में लेकर पूछताछ भी की है। इस तरह अलग-अलग मामलों में अब तक 17 गिरफ्तारियां हो चुकी हैं।

कमजोर मांग से एल्युमीनियम वायदा कीमतों में मामूली गिरावट

नई दिल्ली ।

हाजिर बाजार में सुस्त रुख के बीच कारोबारियों द्वारा अपने सौदों का आकार घटाने से सोमवार को वायदा कारोबार में एल्युमीनियम की कीमत 55 पैसे की मामूली गिरावट के साथ 351.40 रुपये प्रति किलोग्राम रह गई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) में अक्टूबर डिलीवरी वाले एल्युमीनियम अनुबंध का भाव 55 पैसे टूटकर 351.40 रुपये प्रति किलोग्राम पर आ गया। इसमें 111 लॉट के लिए कारोबार हुआ। विश्लेषकों ने कहा कि उपभोक्ता उद्योगों की ओर से मांग कमजोर पड़ने के कारण कारोबारियों द्वारा अपने सौदों में की गई कटौती से एल्युमीनियम वायदा कीमतों पर दबाव देखा गया।

एचडीएफसी बैंक में नए सीइओ की प्रक्रिया तेज

मुंबई ।

देश के सबसे बड़े निजी क्षेत्र के एचडीएफसी बैंक के शेयर अगले एमडी और सीईओ की नियुक्ति प्रक्रिया के चलते निवेशकों के फोकस में हैं। बैंक ने इसके लिए भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) को दो नाम भेजे हैं, जबकि मौजूदा सीईओ शशिधर जगदीशन का कार्यकाल अक्टूबर 2026 में समाप्त होगा। इस प्रक्रिया के आगे बढ़ने से ब्रोकरेज हाउसेस ने बैंक के शेयरों पर सकारात्मक रुख अपनाया है। जेफरीज, नोमुरा, बर्नस्टीन और मैक्वेरी जैसे ब्रोकरेज ने एचडीएफसी बैंक के शेयर पर बाय या आउटपरफॉर्म रेटिंग के साथ 880 से 1,150 रुपए तक के टारगेट दिए हैं; 1,150 रुपए का उच्चतम लक्ष्य है। ब्रोकरेज का मानना है कि समय पर सीईओ की नियुक्ति से नेतृत्व अनिश्चितता कम होगी। डिप्टी एमडी कैजाद भरूचा प्रमुख आंतरिक उम्मीदवार बताए जा रहे हैं। नोमुरा के अनुसार आंतरिक सीईओ निरंतरता लाएगा, जबकि बाहरी सीईओ रणनीति बदल सकता है। बाजार नए सीईओ की रणनीति पर भी नजर रखेगा। बैंक बोर्ड ने जिमी टाटा को होल-टाइम डायरेक्टर बनाने और एक अतिरिक्त पद का भी प्रस्ताव रखा है, जिससे दीर्घकालिक उत्तराधिकार योजना मजबूत होगी।

प्रीमियर एनर्जीज ने आंध्र प्रदेश में खोला देश का सबसे बड़ा सौर सेल संयंत्र

एक एकड़ में 3,293 करोड़ के निवेश से बनी इकाई

नई दिल्ली ।

सौर ऊर्जा समाधान प्रदाता प्रीमियर एनर्जीज ने आंध्र प्रदेश के नायडू पेटा में देश का सबसे बड़ा सौर सेल विनिर्माण संयंत्र शुरू कर अपनी कुल क्षमता को बढ़ाकर 10.6 गीगावाट (जीडब्ल्यू) कर लिया है। प्रीमियर एनर्जीज ने आंध्र प्रदेश के नायडू पेटा में 7 जीडब्ल्यू क्षमता वाली नई सौर सेल विनिर्माण इकाई शुरू की है। 101 एकड़ में फैली यह इकाई 3,293 करोड़ रुपये के पूंजीगत व्यय से विकसित की गई है और अब यह भारत का सबसे बड़ा सौर सेल विनिर्माण संयंत्र है। यह संयंत्र अत्याधुनिक टनल ऑक्साइड पैसिवेटेड कॉन्टैक्ट तकनीक का उपयोग करता है, जिससे सौर मॉड्यूल की कार्यक्षमता और बिजली उत्पादन क्षमता काफी बढ़ जाती है। इस इकाई में प्रति घंटे लगभग 88,000 सौर सेल का उत्पादन किया जा सकता है। प्रीमियर एनर्जीज लिमिटेड के प्रबंध निदेशक चिरंजीव सलूजा ने कहा कि यह क्षमता विस्तार कंपनी को बढ़ती मांग को अधिक भरोसेमंद और परिचालन दक्षता के साथ पूरा करने में सक्षम बनाएगा।

रेलवे वैगन किराये में बदलाव- 1,877 रुपए प्रति वैगन हुआ दैनिक किराया

नई दरें 1 सितंबर से लागू, 2027 तक प्रभावी

नई दिल्ली ।

भारतीय रेलवे बोर्ड ने वैगनों के किराए के शुल्क में महत्वपूर्ण संशोधन किया है। ये बदली हुई दरें 1 सितंबर से लागू हो गई हैं और 31 अगस्त, 2027 तक प्रभावी रहेंगी। यह कदम रेलवे परिचालन और गैर-रेलवे उपयोग दोनों के वित्तीय समायोजन को सुव्यवस्थित करने के उद्देश्य से उठाया गया है। एक आधिकारिक आदेश के अनुसार गैर-रेलवे यूज़र्स के लिए एक आठ-पहिए वाले ब्रॉड-गेज (बीजी) वैगन का दैनिक किराया 1,877 रुपये निर्धारित किया गया है। इस शुल्क में 640 रुपये वर्कशॉप मरम्मत, 376 रुपये मूल्यह्रास, 428 रुपये रनिंग मरम्मत और 433 रुपये वैगन सुविधा शुल्क शामिल है। वहीं रेलवे के बीच वित्तीय समायोजन के लिए किराया शुल्क 1,016 रुपये प्रति आठ-पहिए वाले बीजी वैगन प्रतिदिन तय किया गया है। इसमें 640 रुपये वर्कशॉप मरम्मत शुल्क और 376 रुपये मूल्यह्रास शुल्क शामिल हैं। रेलवे बोर्ड ने स्पष्ट किया है कि ये दरें अन्य प्रकार के वैगनों पर भी लागू होंगी, जिन्हें आठ-पहिए वाले वैगनों के बराबर माना जाएगा। ये बदले हुए शुल्क सभी पोर्ट ट्रस्ट रेलवे पर भी प्रभावी होंगे। रेलवे बोर्ड ने बताया कि यह परिवर्तन सक्षम अधिकारी द्वारा विस्तृत समीक्षा के बाद किया गया है।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 564, निफ्टी 67 अंक उछला

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार सोमवार को तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी रहने आया है। इसके अलावा कच्चे तेल की कीमतों में आई नरमी से भी बाजार को सहारा मिला। आज दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 564.03 अंक बढ़कर 74,858.99 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं दूसरी ओर 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 67.93 अंक उछलकर 23,414.30 के स्तर पर बंद हुआ।आज के कारोबार में फार्मा और रियलिटी क्षेत्रों में सबसे ज्यादा खरीदारी रही। निफ्टी फार्मा इंडेक्स बढ़त के साथ ही 27,021.15 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी रियलिटी इंडेक्स में भी बढ़त के साथ ही 853.85 पर बंद हुआ। उपभोक्ता क्षेत्र के शेयरों में भी तेजी रही। निफ्टी एफएमसीजी भी उछलकर बंद हुआ। निजी बैंकिंग बैंकिंग और वित्तीय शेयरों में भी उछाल आया। निफ्टी प्राइवेट बैंक और निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज भी बढ़कर बंद हुए। दूसरी ओर मेटल शेयरों में आज सबसे ज्यादा बिकवाली हावी रही, जिससे निफ्टी मेटल इंडेक्स नीचे आकर 12,972.70 के स्तर पर आ गया। इसके

अलावा आईटी और सरकारी बैंकों के शेयरों में भी गिरावट रही। निफ्टी आईटी इंडेक्स गिरावट पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी पीएसयू बैंक हल्की गिरावट के साथ 8,312.40 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी ऑटो इंडेक्स भी हल्की बढ़त के साथ 27,151.10 पर और निफ्टी मीडिया उछलकर 1,555.95 के स्तर पर बंद हुआ। आज बैंकिंग और वित्तीय क्षेत्रों से भी बाजार में सहारा मिला। ब्रॉडर मार्केट का मूड पूरी तरह से पॉजिटिव बना रहा। स्मॉलकैप और मिडकैप शेयरों में भी मिला-जुला कारोबार हुआ। वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार तेजी के साथ खुला। सेंसेक्स 400 अंक से अधिक चढ़कर 74,700 के करीब पहुंच गया। वहीं एनएसई निफ्टी भी 23,380 के आंकड़े को पार कर गया।

एनएसई के शेयरधारकों ने कायम रखी अहम हिस्सेदारी

22,569 करोड़ के निर्गम में संस्थागत निवेशकों का भरोसा बरकरार

नई दिल्ली ।

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया (एनएसई) के 22,569 करोड़ रुपए के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के तहत बिक्री पेशकश (ओएफएस) में शेयर बेचने के बावजूद, इसके ज्यादातर मौजूदा शेयरधारकों ने अपनी हिस्सेदारी का बड़ा हिस्सा बनाए रखा है। यह आईपीओ बोली के दूसरे दिन ही पूर्ण अभिदान प्राप्त कर चुका है और 2024 में हुंडै मोटर इंडिया के बाद भारत का दूसरा सबसे बड़ा सार्वजनिक निर्गम बना है, जिसने 2022 के एलआईसी आईपीओ को भी पीछे छोड़ा है। आंकड़ों के विश्लेषण से पता चला है कि ओएफएस में मुख्य रूप से संस्थागत निवेशक शामिल थे। आईपीओ से पहले एनएसई की 36.82 फीसदी हिस्सेदारी रखने वाले इन निवेशकों ने अपनी कुल हिस्सेदारी का केवल 5.11 फीसदी बेचा। इनमें नौ विदेशी और 11 घरेलू संस्थागत निवेशक (जिनमें 10 सार्वजनिक क्षेत्र की संस्थाएं शामिल हैं) थे।

अरांडा इन्वेस्टमेंट्स, स्टॉक होल्डिंग कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया और एसबीआई कैपिटल मार्केट्स जैसे बड़े शेयरधारकों ने अपनी हिस्सेदारी में औसतन करीब सात प्रतिशत की मामूली कमी की। यह दर्शाता है कि ओएफएस ने निवेशकों को आंशिक मुनाफावसूली का अवसर दिया, जबकि उन्होंने एनएसई में बड़ी रणनीतिक हिस्सेदारी बनाए रखी, जो उनके मजबूत विश्वास का संकेत है।

चेन्नई में हरे पैकेट की कमी से आविन दूध की बिक्री में भारी गिरावट

आपूर्ति में कमी के कारण पिछले छह माह में बिक्री में 10-15 फीसदी गिरावट

चेन्नई ।

चेन्नई समेत तमिलनाडु के कई प्रमुख शहरों में सरकारी डेयरी सहकारी आविन के दूध की किल्लत गहरा गई है। पिछले छह महीनों में विशेषकर इसके सबसे लोकप्रिय हरे पैकेट की उपलब्धता कम होने से बिक्री में 10 से 15 प्रतिशत की भारी गिरावट दर्ज की गई है। इस आपूर्ति संकट के चलते उपभोक्ताओं को न केवल अपनी रोजमर्रा की जरूरतों को पूरा करने में मुश्किल हो रही है, बल्कि उन्हें अधिक कीमतों पर निजी डेयरी ब्रांडों का रुख करना पड़ रहा है, जिससे उनका मासिक बजट बिगड़ रहा है। कभी चेन्नई में प्रतिदिन लगभग 16.5 लाख लीटर दूध बेचने वाली आविन की बिक्री अब काफी घट गई है। एजेंटों का आरोप है कि यह समस्या सहकारी समिति द्वारा दूध की अपर्याप्त खरीद के कारण है, जिसे मांग के अनुरूप नहीं बढ़ाया गया है। अगस्त से यह कमी और भी गंभीर हो गई है, जिससे आविन आउटलेट्स और दुकानों पर हरे पैकेट वाले दूध की भारी कमी है। यह संकट अब सिर्फ चेन्नई तक सीमित नहीं है, बल्कि कोयंबटूर, तिरुचिरापल्ली, मदुरै, सलेम और इरोड जैसे अन्य जिलों में भी फैल गया है। कई आउटलेट्स पर दूध की आपूर्ति कम कर दी गई है, जिससे ग्राहकों को सुबह जल्दी ही दूध खरीदना पड़ रहा है या महंगे निजी ब्रांडों पर निर्भर रहना पड़ रहा है। कुछ छोटी दुकानों पर आधे लीटर वाले हरे पैकेट (सरकारी कीमत 22 रुपये) को 24 रुपये में बेचा जा रहा है, जिससे परिवारों का मासिक खर्च बढ़ रहा है।

ग्लोबल सेमीकंडक्टर बाजार, 2026 तक 1.6 ट्रिलियन डॉलर के पार

सैमसंग और एसके हाइनिक्स का दबदबा बरकरार रहेगा

नई दिल्ली ।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के बढ़ते निवेश ने वैश्विक सेमीकंडक्टर बाजार के लिए नए द्वार खोल दिए हैं। एक ताजा रिपोर्ट के अनुसार, 2026 तक यह बाजार 1.6 ट्रिलियन डॉलर के आंकड़े को पार कर जाएगा, जो पहले के अनुमानों से डेढ़ गुना अधिक है।

यह अनुमान एआई इंफ्रास्ट्रक्चर में अमेरिकी और चीनी हाइपरस्केलर कंपनियों द्वारा किए जा रहे भारी निवेश का सीधा परिणाम है। कोरिया एक्सपोर्ट-इम्पोर्ट बैंक के रिसर्च सेंटर द्वारा वैश्विक बाजार अनुसंधान कंपनियों के विश्लेषण के आधार पर जारी इस रिपोर्ट में बताया गया है कि 2026 में वैश्विक सेमीकंडक्टर बाजार 1.6 ट्रिलियन डॉलर का आंकड़ा छू लेगा। यह आंकड़ा पिछले साल तक लगाए गए अनुमान से कहीं ज़्यादा है, जिसमें 2030 तक ही 1 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंचने की संभावना जताई गई थी। इस तीव्र वृद्धि का मुख्य कारण बड़े पैमाने पर डेटा सेंटर संचालित करने वाली प्रमुख अमेरिकी और चीनी कंपनियों द्वारा एआई इंफ्रास्ट्रक्चर में निवेश को तेजी से बढ़ाना है।

हालांकि, एआई उद्योग के कुछ हिस्सों में तकनीक पर नियंत्रण खोने की चिंताओं के चलते इसके विकास की रफ्तार धीमी करने की मांग भी उठ रही है, लेकिन बाजार की गति थमने का नाम नहीं ले रही। रिपोर्ट के अनुसार, सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनी और एसके हाइनिक्स इंक द्वारा निर्मित मेमोरी चिप्स वैश्विक सेमीकंडक्टर बाजार में आधे से अधिक हिस्से पर कब्जा करने की उम्मीद है, क्योंकि एआई सिस्टम द्वारा प्रोसेस किए जाने वाले डेटा की मात्रा तेजी से बढ़ रही है। पिछले महीने के अंत तक डायनेमिक रैंडम एक्सेस मेमोरी और एनएएनडी फ्लैश मेमोरी चिप्स की कीमतों में एक साल पहले की तुलना में क्रमशः 4.4 गुना और 9 गुना की बढ़ोतरी देखी गई है। नवीनतम अनुमान बताते हैं कि अगले साल से मेमोरी चिप्स की कीमतों में स्थिरता आने की उम्मीद है। इसके बावजूद, मजबूत मांग के कारण वैश्विक सेमीकंडक्टर बाजार में वृद्धि जारी रहेगी और 2030 तक इसके लगभग 2 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंचने की संभावना है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि बड़ी टेक कंपनियां सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स और एसके हाइनिक्स जैसी मेमोरी चिप निर्माता कंपनियों के साथ दीर्घकालिक आपूर्ति समझौते कर रही हैं, जिससे सेमीकंडक्टर उद्योग को पहले की तुलना में अधिक स्थिरता मिलेगी।

उद्योग के सूत्रों के अनुसार एआई में निरंतर निवेश और एआई सेवाओं के विस्तार को देखते हुए निकट भविष्य में मेमोरी चिप बाजार की रफ्तार धीमी पड़ना मुश्किल है।

एचएएल शेयरों में तेजी, ब्रोकरेज फर्मों ने बाय रेटिंग बरकरार रखी

नई दिल्ली।

हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) के शेयरों में सोमवार को शुरुआती कारोबार में 1 प्रतिशत से अधिक की तेजी दर्ज की गई। ब्रोकरेज फर्म सिटी और गोल्डमैन सैक्स द्वारा डिफेंस पीएसयू के लिए बाय रेटिंग बरकरार रखने और उच्च टार्गेट प्राइस देने के बाद यह उछाल आया। फर्मों ने फाइटर एयरक्राफ्ट, ट्रेनर और हेलीकॉप्टर के काम में सुधार, सप्लाई संबंधी दिक्कतें कम होने और डिलीवरी में तेजी को इसकी मुख्य वजह बताया है। सुबह करीब साढ़े 9 बजे बीएसई पर एचएएल का शेयर 1.28 फीसदी की तेजी के साथ

4,862.65 रुपये पर कारोबार कर रहा था। सिटी ने एचएएल के लिए 6,175 रुपए का टार्गेट प्राइस तय किया है, जो शुक्रवार के बंद भाव से लगभग 29 प्रतिशत अधिक है। वहीं, गोल्डमैन सैक्स ने 5,870 रुपए के टार्गेट के साथ बाय कॉल बरकरार रखी है, जो 22 प्रतिशत की बढ़त का संकेत देता है। इस साल अब तक एचएएल का शेयर 9.2 प्रतिशत ऊपर चढ़ा है, निफ्टी 50 से बेहतर प्रदर्शन करते हुए। ब्रोकरेज फर्मों के अनुसार, एचएएल विभिन्न प्लेटफॉर्म पर अपनी उत्पादन क्षमता और डिलीवरी में लगातार सुधार कर रहा है। कंपनी ने हाल ही में भारतीय वायु सेना को दो एलसीए तेजस एफओसी ट्विन-सीट ट्रेनर और तीन एचटीटी-40 बेसिक ट्रेनर सौंपे हैं, साथ ही पवन हंस को चार ध्रुव नेक्स्ट जेनरेशन हेलीकॉप्टर भी दिए हैं। एचएएल मैनेजमेंट का लक्ष्य मार्च 2027 तक 10 एलसीए एमके-1ए एयरक्राफ्ट की डिलीवरी करना है। जीई द्वारा अतिरिक्त एफ404 इंजन की डिलीवरी से उत्पादन तेज होगा, जो सरकार के स्वदेशी रक्षा निर्माण प्रयासों के अनुरूप है।

रुपया बढ़त पर बंद

मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया सोमवार को 17 पैसे की बढ़त के साथ ही 95.79 पर बंद हुआ। आज सुबह कच्चे तेल की कीमतों में नरमी और घरेलू शेयर बाजारों में सकारात्मक रुख के बीच सोमवार को शुरुआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 24 पैसे की मजबूती के साथ 95.72 पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि घरेलू शेयर बाजारों में शुरुआती बढ़त और विदेशी कोषों की लिवाली ने निवेशकों की धारणा को सहारा दिया। हालांकि, तेल कंपनियों की ओर से डॉलर की लगातार मांग और डॉलर सूचकांक में मजबूती ने स्थानीय मुद्रा की बढ़त को सीमित किया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया डॉलर के मुकाबले 95.86 पर खुला और फिर बढ़त दर्ज करते हुए 95.72 प्रति डॉलर के स्तर पर पहुंच गया, जो पिछले बंद भाव से 24 पैसे की तेजी दर्शाता है। इससे पहले शुक्रवार को रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सात पैसे टूटकर 95.96 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.09 प्रतिशत की बढ़त के साथ 100.31 पर कारोबार कर रहा था।

एकेटीयू का इनोवेशन हब लॉन्च, यूपी के स्टार्टअप्स को मिलेगा नया मुकाम

निवेशकों, इनक्यूबेटरों और उद्यमियों को जोड़ेगा मंच, यूपी के स्टार्टअप परिवेश को मिलेगी गति

लखनऊ ।

डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय (एकेटीयू), लखनऊ ने उत्तर प्रदेश के स्टार्टअप परिवेश को सशक्त बनाने के लिए एक महत्वपूर्ण डिजिटल मंच इनोवेशन हब का अनावरण किया है। यह मंच राज्य भर के निवेशकों, इनक्यूबेटरों और उभरते उद्यमियों को एक साझा डिजिटल पारिस्थितिकी तंत्र पर लाएगा। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने हाल ही में इसे लॉन्च किया, जिसका लक्ष्य स्टार्टअप, निवेशक और इनक्यूबेटर जैसे सभी संबंधित पक्षों को एक साझा पारिस्थितिकी तंत्र से जोड़ना है। नोएडा की सांची कनेक्ट द्वारा विकसित यह मंच, स्टार्टअप्स को निवेश और बाजार तक पहुंच प्रदान करने में मदद करेगा।

एकेटीयू इनोवेशन हब के एक अधिकारी ने कहा कि यह मंच राज्य की प्रतिभा को सही कनेक्शन देगा। उत्तर प्रदेश देश का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप परिवेश है, और इनोवेशन हब इस क्षमता का पूरा उपयोग करने में मदद करेगा।

अब तक 35 इनक्यूबेटर इससे जुड़ चुके हैं और एकेटीयू विश्वविद्यालय की मदद से इस संख्या को 70 तक पहुंचाने में मदद करेगा।

कच्चे तेल में गिरावट, ब्रेंट क्रूड लगभग 102 डॉलर

नई दिल्ली ।

वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में सोमवार को तेज गिरावट दर्ज की गई। ब्रेंट क्रूड का वायदा लगभग 2 फीसदी गिरकर 102 डॉलर प्रति बैरल, जबकि अमेरिकी डब्ल्यूटीआई क्रूड भी 2 फीसदी से अधिक फिसलकर 94 डॉलर प्रति बैरल के करीब आ गया। पश्चिम एशिया में तनाव के बावजूद, आपूर्ति को लेकर बाजार का डर कम हुआ है, जिससे कीमतों पर दबाव बना है। इस कमी की मुख्य वजह सऊदी अरब से तेल की आपूर्ति में सुधार की उम्मीद है। हमलों से प्रभावित हुई सऊदी की ईस्ट-वेस्ट पाइपलाइन की आधी क्षमता जल्द शुरू होने की संभावना है, जिससे वैश्विक बाजार में आपूर्ति की कमी का डर घटा है। साथ ही, अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा ईरानी राष्ट्रपति से मुलाकात की संभावना ने अमेरिका-ईरान तनाव कम होने की उम्मीद जगाई है, जिससे पश्चिम एशिया से तेल आपूर्ति बाधित होने का खतरा कम हुआ है। हालांकि, यह कहना जल्दबाजी होगी कि गिरावट जारी रहेगी, क्योंकि सऊदी ऊर्जा ठिकानों पर हमलों का खतरा और

होर्मुज जलडमरूमध्य से जुड़ी चिंताएं अभी खत्म नहीं हुई हैं। बाजार सुधार की उम्मीदों और भू-राजनीतिक जोखिमों के बीच फंसा है। भारत के लिए यह राहत भरी खबर है, क्योंकि देश तेल का बड़ा हिस्सा आयात करता है। यदि यह गिरावट बनी रहती है, तो आयात बिल, रुपये और महंगाई पर दबाव कम हो सकता है।

सोने के दाम 881 रुपए गिरे, चांदी में 1,599 रुपए की गिरावट

नई दिल्ली ।

सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार को सोने और चांदी की कीमतों में सुस्ती देखने को मिली। घरेलू वायदा बाजार (एमसीएक्स) और वैश्विक बाजार (कॉमेक्स) दोनों में ही कीमती धातुओं के भाव गिरावट के साथ खुले और पूरे दिन कारोबार के दौरान दबाव में रहे। घरेलू वायदा बाजार मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर खबर लिखे जाने तक अक्टूबर डिलीवरी वाला सोना 747 रुपये की गिरावट के साथ 1,53,634 रुपये प्रति 10 ग्राम पर कारोबार कर रहा था। इसका बेंचमार्क कॉन्ट्रैक्ट 1,54,381 रुपये के पिछले बंद भाव के मुकाबले 881 रुपये की कमी के साथ 1,53,500 रुपये पर खुला था। इसी तरह दिसंबर डिलीवरी वाली चांदी भी 1,474 रुपये टूटकर 2,40,129 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर थी। चांदी का वायदा भाव 2,41,603 रुपये के पिछले बंद भाव से 1,599 रुपये की गिरावट के साथ 2,40,004 रुपये पर खुला था।

अंतर्राष्ट्रीय बाजार कॉमेक्स पर भी सोने-चांदी में नरमी का रुख बना रहा। सोना 28.10 डॉलर की गिरावट के साथ 4,396.80 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा था, जबकि इसका पिछला बंद भाव 4,424.90 डॉलर था। चांदी भी 0.48 डॉलर गिरकर 66.66 डॉलर प्रति औंस पर थी, जिसका पिछला बंद भाव 67.14 डॉलर था।

टाटा संस में फिर कानूनी जंग, ट्रस्ट् ने चंद्रशेखरन की पुनर्नियुक्ति को चुनौती दी

मुंबई ।

टाटा संस में 66 फीसदी हिस्सेदारी रखने वाला सबसे बड़ा शेयरधारक, टाटा ट्रस्ट्स, कार्यकारी चेयरमैन एन चंद्रशेखरन की पुनर्नियुक्ति के प्रस्ताव को कानूनी रूप से चुनौती देने की तैयारी में है। ट्रस्ट्स ने इस प्रस्ताव को अवैध करार देते हुए अदालत का रुख करने पर विचार कर रहा है।

चंद्रशेखरन का मौजूदा कार्यकाल फरवरी 2027 में समाप्त हो रहा है और उन्हें अगले पांच साल के लिए फिर से चेयरमैन बनाने का प्रस्ताव है। सूत्रों के अनुसार, टाटा ट्रस्ट्स विभिन्न कानूनी विकल्पों पर विचार कर रहा है। सर्वोच्च न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी ने भी सोशल मीडिया पर इस विवाद में शामिल होने की पुष्टि की है, जिससे कानूनी प्रक्रिया तेज होने की संभावना है।

ट्रस्ट् ने एक बयान में कहा कि चंद्रशेखरन की पुनर्नियुक्ति का प्रस्ताव अवैध है, क्योंकि टाटा संस के आर्टिकल्स ऑफ एसोसिएशन (एओए) के तहत बोर्ड का कोई भी फैसला ट्रस्ट्स द्वारा नामित निदेशकों के बहुमत के समर्थन के बिना नहीं लिया जा सकता। ट्रस्ट् ने स्पष्ट किया कि एओए सुविधा के लिए नहीं हैं कि इनका उपयोग आवश्यकतानुसार किया जाए और अनावश्यक होने पर अनदेखा कर दिया जाए। इसके समर्थन में ट्रस्ट्स ने रतन टाटा-साइरस मिस्त्री मामले का हवाला दिया, जिसमें ट्रस्ट्स के नामित निदेशकों के सहमति वाले वोटिंग अधिकार का मुद्दा मुख्य था। सिंघवी ने (संभावित रूप से नोएल टाटा की ओर से) शेयरधारकों के मौलिक अधिकारों को निष्क्रिय करने और कंपनियों में कारोबार संचालन के लिए इसके संभावित विनाशकारी प्रभावों पर जोर दिया।

उन्होंने टाटा ट्रस्ट् के भीतर लोकतांत्रिक निर्णय प्रक्रिया में बाधा को भी कानूनी तौर पर संदिग्ध बताया है।

क्यों होती है बेचैनी

आपाधापी व कोलाहल से परिपूर्ण इस युग में उत्तेजना या बेचैनी की शिकायत एक आम बात है। एक अध्ययन के अनुसार 20 से 34 फीसदी लोग इस शिकायत से ग्रस्त हैं।

लक्षण

उत्तेजना या बेचैनी जैसी शिकायत में व्यक्ति किसी भी काम को शुरू करने से पहले ही घबराने लगता है। उसका दिल तेजी से धड़कने लगता है, हाथ-पैरों में थरथराहट होती है और पेट में हलचल महसूस होती है। इस रोग का सीधा संबंध हमारे शरीर के तंत्रिका तंत्र से होता है। उत्तेजना से संबंधित दो तरह की बीमारियां प्राय : ज्यादातर लोगों में पाई जाती हैं।

कुछ अनजाने डर

इसे चिकित्सकीय भाषा में 'पैनिक डिसार्डर' भी कहते हैं। इस मर्ज में रोगी बिना किसी कारण के उलझन महसूस करने लगता है। मानो उसकी सांसें रुक जाएंगी और दिल जोर से धड़कने लगता है और उसे घुटन-सी महसूस होने लगती है। ऐसे रोगी भीड़भाड़ वाली जगह पर नहीं जाते, उन्हें लिफ्ट पर चढ़ने में डर लगता है कि कहीं लिफ्ट न गिर जाए। इसी प्रकार की एक दूसरी समस्या को चिकित्सकीय भाषा में सामान्य उत्तेजना गड़बड़ी (जनरल एंग्जाइटी डिसार्डर) कहते हैं। इस रोग में रोगी दिन-भर घबराता रहता है। वह मामूली आहट से भी सहम जाता है। इस वजह से उसे नींद नहीं आती है और उसका स्वभाव चिड़चिड़ा हो जाता है।

उपचार

इस तरह की मानसिक बीमारियों के उपचार के लिए अब यूएसएफडीए एप्रूव्ड जैसी कई प्रभावशाली दवाएं उपलब्ध हो चुकीं हैं। इन दवाओं के सेवन से 12 से 15 सप्ताह के अन्दर रोगी पूर्णत : स्वस्थ हो जाता है, इसके साथ ही रोगी को मनोचिकित्सकीय परामर्श भी दिया जाता है।

जीभ का स्वाद बिगड़ जाए तो...

- राई - पानी में 10 ग्राम राई को डालकर उबाल लें। इस पानी से प्रतिदिन सुबह-शाम कुल्ला करने से जीभ का स्वाद ठीक हो जाता है।
- नौसादर - 5 ग्राम नौसादर और 5 ग्राम कालीमिर्च को पीसकर इसमें शहद मिलाकर जीभ पर रगड़ें तथा लार को बाहर गिरने दें। इससे जीभ की कड़वाहट दूर हो जाती है।
- दालचीनी - जीभ पर कड़वाहट महसूस होने पर दालचीनी या बच को पीसकर और छानकर इस चूर्ण में शहद मिलाकर सेवन करने से जीभ की कड़वाहट दूर हो जाती है।
- अमलतास - 20 ग्राम अमलतास के गूदे को 250 ग्राम गर्म दूध में मिलाकर कुल्ला करें। इससे अफीम तथा कोकीन के सेवन करने के कारण खराब हुआ जीभ का स्वाद फिर से ठीक हो जाता है।

पोस्टपार्टम अवसाद और 'बेबी ब्लू', दोनों ही स्थितियां एक दूसरे से अलग हैं, इन दोनों प्रकार के अवसाद के लक्षण भिन्न है। 'बेबी ब्लू' प्रसव पूर्व होने वाली ऐसी अवस्था है, जो सबसे सामान्य है और हर तीन में से एक महिला में यह स्थिति पाई जाती है। प्रसव के बाद कुछ हफ्तों में शरीर में हुए हार्मोनल परिवर्तन की वजह से ये विकार होता है। प्रसव के बाद नई मां अक्सर भावनात्मक रुप से संवेदनशील हो जाती है, कुछ ही क्षण में वह खुश हो जाती है और अगले कुछ क्षणों में दुखी। 'बेबी ब्लू' विकार से और भी समस्याएं आ सकती हैं, लेकिन इससे आमतौर पर एक मां की जिम्मेदारी और कार्य में हस्तक्षेप नही होता और कुछ सप्ताह बाद यह बीमारी खत्म हो जाती है।

पोस्टपार्टम अवसाद एक अलग स्थिति है। यह समस्या प्रसव के पहले, दूसरे या तीसरे महीनों में किसी भी समय शुरू हो सकती है। इसमें दु :ख और निराशा महसूस होती है या व्यक्ति कभी-कभी खुद को बेकार और दोषी मानता है। नई मां किसी भी कार्य या बात में एकाग्रता या रुचि लेने मे असमर्थ हो जाती है, यहां तक कि बच्चे की जरूरतों को भी पूरा नहीं कर पाती। कुछ मामलों में बच्चों की जरूरतों को लेकर वो अति व्याकुल भी हो सकती है। वह बहुत चिंतायुक्त, संवेदनशील बन जाती है और उसके मन में इस तरह के परेशान करने वाले विचार बार-बार आने से उसको बच्चे के स्वास्थ्य की भी चिंता होने लगती है। ऐसे में नई मां बार-बार एक ही कार्य करती है, जैसे बच्चे कि बार-बार जांच करती है या फिर लगातार बच्चों के चिकित्सक को फोन करके सवाल पूछती है।

इस विकार के कुछ दुर्लभ मामलों में, लगभग 1000 में से 1 मामले में इस विकार वाली महिला (साइकोटिक) मनोरोगी बन जाती है। जिसमें वह वास्तविकता की पहचान करने में असमर्थ होती है। इस स्थिति को कभी-कभी पोस्टपार्टम मनोविकृति कहा जाता है। इस विकार में मां को मतिभ्रम होता है (जैसे ऐसी आवाजें या महक आना जो वहां नही है) या झूठे भ्रम होना (जैसे उनके बच्चे को शैतान ने पकड़ लिया है) इस प्रकार की हालत मां और बच्चे दोनों के लिए खतरनाक है और अगर ये विकार एक बार हुआ है तो उसकी दूसरे बच्चे के दौरान होने की संभावना ज्यादा होती है।

पोस्टपार्टम अवसाद 10 में से 1 नई मां में होता है। एक महिला में प्रसव के बाद ये अवसाद हो सकता है, अगर उसमें निम्नलिखित लक्षण हो-

- अगर उस महिला मे पहले से अवसाद इतिहास है।
- पहली गर्भावस्था के दौरान अवसाद हुआ हो।
- शादीशुदा जिंदगी में परेशानी, मित्रों या परिवार मे सहायक सदस्यों की कमी।
- अपने नए शिशु की देखभाल के लिए कठिनाई, खासकर अगर बच्चे को गंभीर चिकित्सा समस्याएं हैं।
- किशोर माताओं, खासकर यदि वे गरीब आर्थिक संसाधनों वाले परिवारों से हैं।
- इस तरह के लक्षणो वाली महिलाओ मे पोस्टपार्टम अवसाद कि विशेष रूप से उच्च जोखिम होती है।

आधे से भी कम महिलाएं जिनको पोस्टपार्टम अवसाद होता है, वो उनकी समस्याओं के लिये चिकित्सा कराती है।

कुछ महिलाएं इस बात से अनजान होती की उनको पोस्टपार्टम अवसाद है और वह इलाज से ठीक हो सकता है। कुछ महिलाएं ऐसा सोचती है की उनको तो एक बच्चा होने के बाद खुश होना चाहिये फिर उनको उदासी क्यों हो रही है, इस तरह के अजीब लक्षणों से उनको शर्मिंदगी होती है और वी किसी से मदद भी नहीं ले पाती।

पोस्टपार्टम डिप्रेशन से बचाव

प्रसव के तुरंत बाद की अवधि को पोस्टपार्टम कहते है। इस अवधि के दौरान एक औरत में अवसाद के लक्षण दिखते है और इसीलिए इसे पोस्टपार्टम (प्रसव के पश्चात आने वाला) अवसाद कहा जाता है।

पोस्टपार्टम डिप्रेशन के लक्षण

एक महिला जिसको पोस्टपार्टम अवसाद है, उसमें निम्नलिखित लक्षणों में से कोई भी लक्षण हो सकते हैं-

- टीयर फुलनेस निराश लगना और रोना आना।
- कभी-कभी बच्चे के सुरक्षा को ले के सनकी, मजबूर या बेचैन होना।
- कभी बच्चे को संभालने की जिम्मेदारी को ले के खुद को सक्षम ना समझना।
- खुद को निकम्मा, बेकार या दोषी समझना।
- अतिसंवेदनशिल होना या दबाव महसूस होना।
- सभी गतिविधियों में से रुचि चली जाना या किसी बात पर आनंद होना एक मां होने पर भी आनंद ना होना।
- भूख में परिवर्तन (या तो ज्यादा खाना या आहार में कमी होना)।
- नींद में समस्या (नींद ना लगना, या जल्दी जाग जाना)।
- उत्तेजित दिखना या अत्यंत धीमा होना।
- सामान्य से बहुत थकान होना, जो एक बच्चे में सामान्य है।

पोस्टपार्टम डिप्रेशन से बचाव

यदि आप गर्भवती हैं, तो आपके जीवन शैली में मातृत्व के बाद होने वाले बदलावों की पहले ही तैयारी करके खुद को पोस्टपार्टम अवसाद के जोखिम से बचाने मे सक्षम किया जा सकता है। आप दूसरी माताओ या डॉक्टरों से बात करके नवजात शिशु की देखभाल के बारे मे पूछ सकती हैं और इसमें कोई संकोच की बात नहीं। अगर आपको नवजात शिशु और आप में योग्य तालमेल निर्माण होने में समय लगता है तो आपको अपने साथी या डॉक्टर, जिनको आपकी परवाह है, उनसे मदद लेने में संकोच नही करना चाहिए। अक्सर, जिनमें पोस्टपार्टम अवसाद का एक इतिहास है उनके लिए अवसाद के एण्टीडिप्रेसेंट उपचार के बिना मुकाबला करना मुश्किल होता है। इसलिए प्रसूति के तुरंत बाद डॉक्टर एण्टीडिप्रेसेंट दवा देना शुरू कर सकते हैं। इसके बारे में आपको पहले ही डाक्टर से बात करना चाहिए। एक सामान्य नियम के रूप में डॉक्टरों को दवा की राशि गर्भावस्था के दौरान कम से कम निर्धारित करने की कोशिश करते हैं, लेकिन कभी-कभी अवसाद का जोखिम भ्रूण के जोखिम से भी अधिक महत्वपूर्ण होता है। इसलिए यह बहुत ही जरूरी है कि आप अपने डॉक्टर के साथ इन बातों पर चर्चा करें।

चिकित्सा के नए आयाम

एलोपैथी आज दुनिया-भर में सर्वाधिक प्रचलित चिकित्सा प्रणाली है। नित नई औषधि-तत्वों की खोज हो रही है। ज्यादातर दवाओं के गंभीर दुष्परिणाम सामने आ रहे हैं। ऐसे में लोगों का रुझान सैकड़ो वर्षों से व्यवहृत और निरापद चिकित्सा पद्धतियों की तरफ देखा जा रहा है।

धब्बेदार अध :पतन

धब्बेदार अध :पतन एक कठिन रोग है और वह एक नंबर के हैं। एफडीए इलाज को मंजूरी दी गई है। कई तरीकों से काम धीमा करने के लिए, रोक या धब्बेदार अध :पतन के प्रभाव को रिवर्स, कोई भी एक निर्णायक इलाज का परिणाम विश्वसनीय होता है। अध : पतन की जगह लेने के लिए कई परीक्षण हो रहे हैं। इनका उपचार किसी भी हालत के लिए उपयुक्त हो सकता है, अपने नेत्र चिकित्सक के साथ चर्चा करके ठीक तरह से उपचार कर सकते हैं। इसकी स्थिति सक्रिय होती है। धब्बेदार अध : पतन का व्यवहार शुष्क रहता है। यह इंजेक्शन के माध्यम से प्राप्त होता है।

लाभ

अध : पतन प्रोस्टाग्लैंडीन है, इससे रक्त प्रवाह, रेटिना के बीच रक्त प्रवाह के लिए प्रयोग किया जाता है। इस प्रकार से कोशिकाओं की रक्षा में मदद करता है।

चमत्कारिक पुष्प औषधि रेस्क्यू रेमेडी

कैसे हुई खोज

रेस्क्यू रेमेडी चिकित्सा पद्धति के आविष्कारक रहे हैं डॉ. एडवर्ड बेच जो लन्दन में प्रमुख एलोपैथिक डॉक्टर थे। इस चिकित्सा पद्धति से असन्तुष्ट होने से उन्होंने होम्योपैथिक डिग्री प्राप्त की और होम्योपैथिक पद्धति से चिकित्सा कार्य करना शुरू किया, लेकिन शीघ्र ही वे होम्योपैथिक पद्धति से भी असन्तोष का अनुभव करने लगे और किसी और भी सरल लेकिन सफल चिकित्सा पद्धति की खोज में लग गये। प्रकृति का अध्ययन करते हुए उनका ध्यान फूलों की तरफ गया। उन्होंने विचार किया कि स्वभावत : मनुष्य का मन फूलों की तरह कोमल होता है और मूलत : मनुष्य का अन्तर्मन सौम्य, सरल और भावुक होता है। इसका यह प्राकृतिक रूप मन के जिन छह शत्रुओं से बनता या बिगड़ता है, उनके नाम हैं काम, क्रोध, मद, लोभ, मोह और मत्सर। इन्हीं विकारों के प्रभाव से मनुष्य अपना प्राकृतिक स्वरूप याने स्वाभाविक अवस्था खो देता है। स्वाभाविक अवस्था का होना स्वास्थ्य है और इसे खो देना अस्वास्थ्य है, रोग है। मनुष्य की स्वाभाविक अवस्था फूलों के समान है और यदि यह अवस्था बिगड़ जावे तो

चिकित्सा के क्षेत्र में जो विभिन्न पद्धतियां प्रचलित हैं, उनमें एक नाम बेच प्लावर रेमेडीज का भी मौजूद है। इसे रेस्क्यू रेमेडी भी कहते हैं। इस पद्धति की दवाएं चोट लगने की स्थिति में कारगर होती हैं। इनका संक्षिप्त परिचय आइए, जानते हैं।

इसे सुधारने के लिये फूलों का प्रयोग किया जा सकता है।

सन 1930 से 1936 तक के 6 वर्ष डॉ. एडवर्ड बेच ने इसी खोज में गुजार दिये और हजारों फूलों पर रिसर्च करने के बाद 38 प्रकार के फूलों को मनुष्य के विकारों को दूर करने में सक्षम पाया और इन 38 प्रकार के फूलों से उन्होंने 38 दवाइयां बनाईं, जो इन्हीं डॉ. के नाम से बेच फ्लावर रेमेडीज के नाम से जानी जाने लगीं। इन 38 दवाओं में से 5 दवाइयां मिलाकर जो 39वीं दवा बनाई गई, उसका नाम रेस्क्यू रेमेडी रखा गया, क्योंकि यह दवा किसी भी खतरनाक और गम्भीर स्थिति से छुटकारा (रेस्क्यू) दिलाने वाली है। इन पांचों दवाइयों की संक्षिप्त जानकारी निम्नानुसार है-

राकरोज

यह दवा किसी भी दुर्घटना के कारण मन में जो डर या दहशत बैठ जाती है, उसके असर को दूर करती है। जब किसी भी दुर्घटना के कारण मन में इतना डर बैठ जाए कि हर समय वही घटना आंखों के सामने घूमती रहे तो यह दवा बहुत अच्छा काम करती है और मनुष्य शीघ्र ही सामान्य मानसिक अवस्था में आ जाता है।

स्टार ऑफ बेथलहम

यह दवा मानसिक आघात के असर को दूर करती है। कभी-कभी किसी दुर्घटना में शरीर के भीतर अन्दरुनी चोट लगती है, जिसका तत्काल पता नहीं चलता, पर बाद में शरीर में कष्ट पैदा हो जाता है। कई बार ऐसी किसी घटना का मन पर ऐसा गहरा असर होता है कि कई वर्ष गुजर जाने पर भी उसका असर नहीं जा पाता। उस स्थिति में यह दवा पूर्ण सकारात्मक प्रभाव मनुष्य के मन-मस्तिष्क पर करती है।

क्लेमेटिस

जब किसी दुर्घटना के कारण कोई बेहोश हो जाए या अस्वाभाविक रूप से सो जाए, बेसुध हो जाए या कोई ख्याली पुलाव पकाता रहता हो तो यह दवा उसे सामान्य मानसिक अवस्था में ले आती है।

इम्पेशेंस

किसी दुर्घटना के बाद की उत्तेजित अवस्था और चिड़चिड़ेपन की स्थिति इस दवा के सेवन से दूर हो जाती है।

बाल सफेद हो रहे हों तो...

एक चम्मच भर आंवला चूर्ण दो घूंट पानी से सोते समय अंतिम वस्तु के रूप में लें। असमय बाल सफेद होने और चेहरे की कान्ति नष्ट होने पर जादू का सा असर करता है। (साथ ही स्वर को मधुर और शुद्ध बनाता है तथा गले की घर-घराहट भी इससे ठीक हो जाती है।

एक और उपाय है

आंवला चूर्ण का लेप - सूखे आंवलों के चूर्ण को पानी के साथ लेई बनाकर इसका खोपड़ी पर लेप करने तथा पांच दस मिनट बाद केशों को जल से धो लेने से बाल सफेद होने और गिरने बन्द हो जाते है।

आंवला जल से सिर धोएं

25 ग्राम सूखे आंवलों को मोटा कूटकर किए हुए टुकड़ों को 250 ग्राम पानी में रात को भिगो दें। प्रात : फूले हुए आंवलों को कड़े हाथ से मसलकर सारा जल पतले स्वच्छ कपड़े से छान लें। अब इस निथरे हुए जल को केशों की जड़ों में हल्के-हल्के अच्छी तरह मलिए और दस बीस मिनट बाद केशों को सादे पानी से धो डालिए। रूखे बालों को सप्ताह में एक बार और चिकने बालों को सप्ताह में दो बार धोना चाहिए।

21 साल के पाकिस्तानी बल्लेबाज ने ठोका हाहाकारी शतक

ऐसा करने वाला बना पहला खिलाड़ी

सीपीएल यानी कैरेबियन प्रीमियर लीग 2026 के फाइनल में पाकिस्तानी बल्लेबाज के बल्ले का धमाल देखने को मिला. 21 साल का ये वही पाकिस्तानी बल्लेबाज है, जिसके नाम सीपीएल के सबसे छोटे सेंचुरियन होने का भी रिकॉर्ड दर्ज है. हम बात कर रहे हैं माज सदाकत की, जिन्होंने फाइनल मुकाबले में एक बार फिर से अपनी काबिलियत का लोहा मनवाया और सीपीएल 2026 में अपना दूसरा शतक जड़ा है. इससे पहले माज सदाकत ने एलिमिनेटर मुकाबले में भी शतक जड़ा था और सीपीएल में शतक जड़ने वाले सबसे कम उम्र के बल्लेबाज बने थे. सीपीएल 2026 के फाइनल मुकाबले में एंटीगा एंड बारबुडा फाल्कंस के खिलाफ जमैका किंग्समेन ने पहले बल्लेबाजी की. जमैका किंग्समेन के लिए माज सदाकत और किर्क मैकेन्जी ने ओपन किया. अब मैकेन्जी तो बिना खाता खोले ही आउट हो गए. लेकिन 21 साल के पाकिस्तानी माज सदाकत ने अपने इरादे साफ जता दिए. नतीजा ये हुआ कि मैच के आखिरी ओवर तक उन्होंने ना सिर्फ एक छोर संभाले रखा बल्कि जमैका किंग्समेन के स्कोर बोर्ड को भी चलाते रहे. ऐसा करते हुए माज सदाकत सीपीएल फाइनल में शतक लगाने वाले पहले बल्लेबाज बन गए.

49 गेंदों में फाइनल में जमाया शतक – माज सदाकत ने सीपीएल 2026 के फाइनल में 58 गेंदों पर 114 रन बनाए, जिसमें 9 छक्के और 8 चौके शामिल रहे. इस पारी के दौरान उन्होंने अपना शतक सिर्फ 49 गेंदों में पूरा किया. ये उनके सीपीएल और टी-20 करियर का दूसरा शतक है. इससे पहले अपना पहला सीपीएल सीजन खेल रहे माज सदाकत ने एलिमिनेटर मैच में 44 गेंदों में शतक लगाया था. माज सदाकत ने एलिमिनेटर में 112 रन बनाए थे. उस लिहाज से फाइनल में बनाए 114 रन, उनके टी20 करियर का सबसे बड़ा स्कोर है.

माज सदाकत के शतक की बदौलत बने 170 रन – माज सदाकत के शतक की बदौलत ही जमैका किंग्समेन 20 ओवर में 9 विकेट पर 170 रन बनाने में कामयाब रही. उनके शतक को अगर निकाल दें तो टीम के बाकी बल्लेबाज फाइनल में फेल दिखे. बाकी बल्लेबाजों में सिर्फ एक और सैम अयूब ही दहाई के आंकड़े को पार करने में कामयाब रहे. सैम अयूब ने 29 रन बनाए और टीम के दूसरे टॉप स्कोरर रहे. मतलब कहा जा सकता है जमैका किंग्समेन अपने पाकिस्तानी खिलाड़ियों के भरोसे ही फाइनल में फाइटिंग टोटल खड़ा कर सकी ।

एमएलएस : 2-2 से ड्रॉ रहा इंटर मियामी और सैन डिएगो के बीच खेला गया मुकाबला, मेसी ने दागा एक गोल

मियामी । एमएलएस रेगुलर सीजन में इंटर मियामी सीएफ और सैन डिएगो एफसी के बीच मुकाबला 2-2 की बराबरी पर खत्म हुआ। इंटर मियामी को इस मैच में एक अंक मिला। टीम के लिए कप्तान लियोनेल मेसी और स्टार स्ट्राइकर लुइस सुआरेज ने गोल किए। मेहमान टीम सैन डिएगो एफसी ने मैच के 12वें मिनट में एंडर्स ड्रायर के गोल की मदद से बढ़त हासिल की। इसके बाद 24वें मिनट में लियोनेल मेसी ने इंटर मियामी की ओर से शानदार गोल दागते हुए स्कोर को 1-1 से बराबर कर दिया। मेसी की फ्री-किक सीधे गोल के ऊपरी बाएं कोने में गई और गोलकीपर उसे रोक नहीं पाया। यह मेसी का इस सीजन का 20वां गोल रहा। वह एमएलएस 2026 गोल्डन बूट की दौड़ में सबसे आगे चल रहे हैं। इसके साथ ही मेसी एमएलएस इतिहास के केवल दूसरे खिलाड़ी बन गए हैं जिन्होंने लगातार तीन सीजन में 20 या उससे अधिक गोल किए हैं। उनसे पहले यह उपलब्धि एलएएफसी के डेनिस बुआंगा ने 2023 से 2025 के बीच हासिल की थी।

संक्षिप्त समाचार

एशियन गेम्स 2026:

भारत ने पाकिस्तान को धोया

कबड्डी-हॉकी में भी छाए भारतीय खिलाड़ी

नई दिल्ली, एजेंसी। आज भारतीय खिलाड़ी कबड्डी, टेबल टेनिस, बैडमिंटन, मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स, वुशू, हॉकी, निशानेबाजी, तैराकी, सॉफ्ट टेनिस, बॉक्सिंग और सेपक टकरा जैसे इवेंट्स में अपनी चुनौती पेश कर रहे हैं. एशियन गेम्स 2026 के पहले दिन भारत ने दो सिल्वर मेडल जीते थे. सोनम मस्कर, इलावेलिन वलारिवन और विदर्सा विनोद की तिकड़ी ने विमेंस 10 मीटर एयर राइफल टीम इवेंट में भारत को रजत पदक दिलाया. फिर इलावेलिन वलारिवन ने विमेंस 10 मीटर एयर राइफल इंडिविजुअल इवेंट में भी सिल्वर पर निशाना साधा.

भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने भी बांग्लादेश को 114 रनों से हराकर फाइनल का टिकट

हासिल किया. अब विमेंस क्रिकेट प्रतियोगिता के फाइनल में भारत की टक्कर श्रीलंका से 22 सितंबर को होगी. हॉकी, टेबल टेनिस में भी भारत का प्रदर्शन सराहनीय रहा. मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स में सुचिका तारियाल ने भारत के लिए शानदार प्रदर्शन किया. तैराकी, वुशू और टेकबॉल में भारतीय खिलाड़ियों ने निराश किया. भारत और पाकिस्तान के बीच हुए दोनों मुक़ाबलों में खेल भावना देखने को मिली. इससे पहले भारतीय महिला टीम ने भी अपने मैच के बाद पाकिस्तानी खिलाड़ियों के साथ गर्मजोशी से हाथ मिलाया. बाद में भारत की 3-0 से शानदार जीत के बाद पायस जैन और पाकिस्तान की टीम ने भी नेट के पास हाथ मिलाया ।

ओडिशा टी20 लीग

गौरव चौधरी ने खेली धमाकेदार पारी

संबलपुर वॉरियर्स ने कटक पैंथर्स को 9 रनों से हराया

कटक । संबलपुर वॉरियर्स ने ओडिशा टी20 लीग की शुरुआत जीत के साथ की है। टीम ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए बाराबती स्टेडियम में कटक पैंथर्स को 9 रनों से हराया। पहले बल्लेबाजी करते हुए वॉरियर्स ने 20 ओवरों में 8 विकेट खोकर 193 रन स्कोरबोर्ड पर लगाए। टीम के कप्तान गौरव चौधरी ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 46 गेंदों में 88 रनों की दमदार पारी खेली। उन्होंने अपनी इस पारी में 9

चौके और 6 छक्के लगाए। गौरव चौधरी को शांतनु मिश्रा का अच्छा साथ मिला, और दोनों ने मिलकर 135 रनों की शानदार ओपनिंग पार्टनरशिप की। आउट होने से पहले शांतनु ने 40 गेंदों में 60 रन बनाए, जबकि गौरव तेजी से स्कोरबोर्ड को आगे बढ़ाते रहे। हालांकि, कप्तान के पवेलियन लौटने के बाद वॉरियर्स की पारी बुरी तरह से लड़खड़ा गई और टीम ने लगातार अंतराल पर विकेट गंवाए। हालांकि, इसके बावजूद टीम 193 रनों के टोटल तक पहुंचने में सफल रही। अभिषेक सिंह कटक पैंथर्स की ओर से सबसे सफल गेंदबाज रहे और उन्होंने 4 ओवर में 32 रन देकर 3 विकेट चटकाए।

यहां के हालात और पिच के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं, जापान के खिलाफ मुकाबला रोमांचक होगा: अय्यर

सानो (जापान), एजेंसी । भारत और जापान की पुरुषों क्रिकेट टीम के बीच मंगलवार को सानो इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में ऐतिहासिक टी20 मैच खेला जाना है, लेकिन सोमवार को तेज बारिश के कारण भारत का ट्रेनिंग सेशन रद्द करना पड़ा। हालांकि, कप्तान श्रेयस अय्यर मेजबान जापान के खिलाफ भारतीय पुरुष क्रिकेट इतिहास के पहले टी20 मैच को लेकर पूरे जोश में हैं। उन्होंने इस मुकाबले को एक नई जगह पर 'रोमांचक चुनौती' बताया है। मुकाबले से पहले अय्यर ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में पत्रकारों से कहा, 'यह हमारे लिए एक रोमांचक और दिलचस्प मुकाबला होने वाला है। ऐसा पहली बार है, जब हम जापान के विरुद्ध खेलेंगे। मुझे वहां के हालात और पिच के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं है, लेकिन एक शानदार मैच की उम्मीद है।' भारतीय टीम पहली बार जापान के खिलाफ टी20 मैच खेलने जा रही है। ऐसे में टीम मैनेजमेंट ने जापानी खिलाड़ियों के बारे में जानने के लिए वीडियो फुटेज और डिजिटल क्लिप्स का सहारा लिया।

कप्तान अय्यर ने कहा, 'मैंने इधर-उधर कुछ वीडियो क्लिप्स देखी हैं। लेकिन हां, हम खिलाड़ियों के बारे में और जानकारी हासिल करेंगे और कल के मैच के लिए बहुत उत्साहित हैं। उम्मीद है कि बारिश नहीं होगी और स्टेडियम में आने वाले सभी दर्शकों को एक अच्छा, कड़ा मुकाबला देखने को मिलेगा। ' अय्यर ने यह भी बताया कि कैसे वे देश जहां पारंपरिक रूप से क्रिकेट नहीं खेला जाता था, अब तेजी से इस खेल को अपना रहे हैं। उन्होंने कहा, 'मैंने कभी इस बारे में सोचा नहीं था, लेकिन हां, अब हर देश में क्रिकेट लोकप्रिय हो रहा है और सभी टीमें अपने-अपने तरीके से मजबूत हो रही हैं। इसलिए मुझे यकीन है कि कल का मैच भी रोमांचक होगा। ' भारतीय टीम के लिए जापान का दौरा पारंपरिक विदेशी दौरों से बिल्कुल अलग अनुभव है। कप्तान ने कहा, 'निश्चित रूप से यह ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड और न्यूजीलैंड जाने के हमारे पुराने अनुभवों से बिल्कुल अलग है। यह हमारा पहला दौरा है, और यहां की संस्कृति और लोगों का अनुशासन का तरीका बहुत अलग है। मुझे नई संस्कृतियों को अपनाना और वहां के माहौल व रहने-सहने के तौर-तरीकों में जल्द से जल्द ढलना पसंद है। इसलिए यह हमारे लिए एक नई चुनौती है, और हम निश्चित रूप से इसके लिए उत्साहित हैं। हमने देखा है कि पिछले कुछ वर्षों में भारत और जापान के बीच दोस्ती मजबूत हुई है। उम्मीद है कि सब अच्छा होगा।

एशियन गेम्स 2026:

सुचिका तारियाल 700 ग्राम ज्यादा वजन की वजह से हारीं मैच

नई दिल्ली, एजेंसी। मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स खिलाड़ी सुचिका तारियाल ने भारत को एशियन गेम्स में ब्रॉन्ज मेडल तो जिता दिया लेकिन इस खिलाड़ी का गोल्ड जीतने का सपना टूट गया. बड़ी बात ये है कि सुचिका खराब खेल की वजह से मैच नहीं हारी, बल्कि एक नियम ने उन्हें सेमीफाइनल से बाहर कर दिया. सुचिका को प्वाइंट्स के आधार पर नहीं बल्कि वजन के आधार पर हार झेलनी पड़ी. आइए आपको बताते हैं क्या है सुचिका तारियाल का 700 ग्राम वजन का विवाद, आखिर क्यों फूट-फूटकर रोने को मजबूर हुई भारतीय खिलाड़ी?

सुचिका तारियाल की विवादित हार – सुचिका तारियाल 60 किलो वर्ग के सेमीफाइनल में सिंगापुर की हुई हून तेओ से भिड़ रही थीं. दोनों के बीच कड़ा मुकाबला रहा. रेगुलेशन टाइम और ओवरटाइम के बाद भी जज ये फैसला नहीं कर सके कि जीता कौन? शुरू में जजों ने तेओ को विजेता घोषित

किया लेकिन इसके बाद भारतीय टीम ने विरोध जताया. भारत ने 1000 डॉलर फीस देकर फैसले पर दोबारा विचार करने की कार्यवाही कराई और नए जजों ने फुटेज देखने के बाद मुकाबले को ड्रॉ घोषित किया. लेकिन मुकाबला ड्रॉ होने के बावजूद सुचिका हार गईं.

इस नियम की वजह से हारीं सुचिका – एशियन मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स एसोसिएशन के नियमों के मुताबिक जब मुकाबला ड्रॉ रह जाए और दूसरे टाई-ब्रेकर भी बराबर हों तो सुबह के वजन के आधार पर फैसला होता है. नियम के मुताबिक हल्का वजन वाला खिलाड़ी विजेता माना जाता है. सुचिका का वजन लगभग 59.2 किग्रा था, जबकि तेओ का वजन 58.5 किग्रा था , यानी सुचिका का वजन 700 ग्राम ज्यादा था. इसी वजह से तेओ को फाइनल का टिकट दे दिया गया और सुचिका को ब्रॉन्ज मेडल मिला. सुचिका इस फैसले से बेहद नाराज और दुखी हुईं. वो मैट पर ही फूट-फूटकर रोने लगी. इस खिलाड़ी ने शुरुआत में रेफरी और विरोधी खिलाड़ी से हाथ मिलाने से भी इनकार कर दिया था. सुचिका ने ब्रॉन्ज मेडल जीतकर भारत को एमएमए में पहला मेडल तो दिलाया लेकिन सच ये है कि वो गोल्ड मेडल के मौके से चूक गईं.

एशियन गेम्स 2026:

भारतीय मेंस कबड्डी टीम ने जीत के साथ किया आगाज, एकतरफा मुकाबले में जापान को 49-23 से हराया

नागोया, एजेंसी । एशियन गेम्स 2026 का आगाज भारतीय मेंस कबड्डी टीम ने धमाकेदार जीत के साथ किया है। सुनील कुमार की कप्तानी में भारतीय टीम ने बेहतरीन प्रदर्शन को मेजबान जापान को एकतरफा अंदाज में 49-23 से हराया। भारतीय टीम का पूरे मैच में दबदबा देखने को मिला। टीम के रेडर्स शानदार लय में दिखाई दिए, तो डिफेंडर्स ने भी जापान को वापसी करने का कोई मौका नहीं दिया। भारत ने शुरुआत से ही दमदार खेल दिखाया। भारतीय रेडर्स के सामने जापान का डिफेंस बेहद कमजोर नजर आया। भारतीय रेडर्स जापान के डिफेंस को भेदते हुए लगातार प्वाइंट्स हासिल करते रहे। पहले हाफ में भारतीय रेडर्स पूरे तरह से हावी रहे। शुरुआत से ही रेडर्स ने जापान के डिफेंस पर लगातार दबाव बनाया, जिसका फायदा टीम इंडिया को मिला। आशू मलिक ने एक साथ जापान के तीन खिलाड़ियों को आउट करते हुए सुपर रेड लगाई। आशू रेड में भारत के लिए लगातार प्वाइंट्स निकालते रहे। वहीं, भारतीय डिफेंस ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जापान को पहले हाफ में ही दो बार ऑलआउट किया। भारत ने पहले हाफ का अंत 31-9 की बड़ी बढ़त के साथ किया। हालांकि, दूसरे हाफ में जापान ने वापसी की और तेजी से प्वाइंट्स हासिल करने शुरू किए। भारत ने दूसरे हाफ में पवन सहरावत और अर्जुन देशवाल और असलम इनामदार की तिकड़ी को उतारा। अर्जुन ने आते के साथ ही प्वाइंट हासिल किया। इसके बाद भारतीय टीम एक बार फिर जापानी टीम को ऑलआउट करने में सफल रही। अंत में जापान के डिफेंस ने अच्छा खेल दिखाते हुए भारत के रेडर्स की कई रेडों को नाकाम किया लेकिन तब तक भारतीय टीम बहुत बड़ी बढ़त हासिल कर चुकी थी। आशू मलिक और राहुल भारतीय टीम के लिए इस मुकाबले में जीत के नायक रहे। अगले मैच में टीम इंडिया की भिड़ंत अब मंगलवार को साउथ कोरिया से होगी। भारतीय टीम अपनी इसी फॉर्म को साउथ कोरिया के खिलाफ भी जारी रखने के इरादे से उतरेगी।

आईएसएल में नई शुरुआतः

करण यादव बने नए सीईओ , क्लब-आधारित मॉडल के नए दौर में पहुंची लीग

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन सुपर लीग ने सोमवार को करण यादव को अपना नया मुख्य कार्यकारी अधिकारी नियुक्त किया। भारतीय फुटबॉल में क्लब-आधारित नए दौर की शुरुआत के बीच यादव को यह जिम्मेदारी सौंपी गई है। वह लीग ऑफिस की कमान संभालने के साथ कमर्शियल ग्रोथ, ब्रॉडकास्ट रणनीति और फैंस के साथ जुड़ाव को मजबूत करने पर काम करेंगे।

करण यादव ने नई भूमिका पर क्या कहा?

यादव ने आईएसएल की नई व्यवस्था और अपनी भूमिका को लेकर उत्साह जताते हुए कहा, आईएसएल एक महत्वपूर्ण नए अध्याय में प्रवेश कर रही है और मैं आगे की दिशा तय करने में योगदान देने के इस अवसर को लेकर उत्साहित हूं।

कोहली-डिविलियर्स नहीं : इस युवा खिलाड़ी की स्किल चुराना चाहते हैं सूर्यकुमार ! कम उम्र में ही बनाए कई रिकॉर्ड्स

मुंबई, एजेंसी। वैभव सूर्यवंशी ने कम उम्र में ही अपने शानदार प्रदर्शन से क्रिकेट जगत का ध्यान खींचा है। अब सूर्यकुमार यादव ने भी उनकी तारीफ की है। दूसरे क्रिकेटर की एक स्किल हासिल करने के सवाल पर सूर्यकुमार ने विराट कोहली, रोहित शर्मा, एमएस धोनी और एबी डिविलियर्स जैसे दिग्गजों के बजाय सूर्यवंशी की छक्के लगाने की क्षमता को चुना। भारतीय बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव ने उस खिलाड़ी का नाम बताया है, जिसकी एक खास स्किल वह अपने खेल में चाहते हैं। हैरानी की बात यह रही कि उन्होंने विराट कोहली, रोहित शर्मा, एमएस धोनी और एबी डिविलियर्स जैसे बड़े नामों के बजाय युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को चुना। सूर्यकुमार से जब पूछा गया कि वह किसी दूसरे क्रिकेटर की कौन सी स्किल अपने अंदर लेना चाहेंगे, तो उन्होंने सूर्यवंशी की छक्के लगाने की क्षमता को चुना। 'ह्यूमन्स ऑफ बॉम्बे' को दिए इंटरव्यू में सूर्यकुमार ने

कहा, 'एक युवा लड़का है, आपने उसका नाम जरूर सुना होगा- वैभव सूर्यवंशी। निश्चित रूप से उसकी छक्के लगाने की क्षमता।'

आईपीएल 2026 में 72 छक्के लगाए थे – वैभव सूर्यवंशी ने आईपीएल 2026 में अपने बल्ले से जबरदस्त प्रदर्शन किया।

जॉनसन-स्टेनलेक बाहर ,एडवर्ड्स को मौका, साउथ अफ्रीका से वनडे से पहले ऑस्ट्रेलिया की टीम में बदलाव

नईदिल्ली, एजेंसी। तेज गेंदबाज जैक एडवर्ड्स साउथ अफ्रीका के खिलाफ तीन मैचों की सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया की टीम में शामिल होने के बाद वनडे में डेब्यू करने के करीब हैं। ऑलराउंडर अभी भारत दौरे पर ऑस्ट्रेलिया ए टीम के साथ पुडुचेरी में हैं। यहां से डरबन जाएंगे। गुरुवार को पहला वनडे है। वह इंडिया ए के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया ऑस्ट्रेलिया के चार दिन के मैच की तैयारी कर रहे थे। तेज गेंदबाज बिली स्टेनलेक जिम्बाब्वे के खिलाफ दूसरे वनडे के दौरान साइड स्ट्रेन के बाद सीरीज से बाहर हो गए हैं।

स्टेनलेक अपने पांचवें ओवर के बीच में चोटिल हो गए। ऑस्ट्रेलिया लौटने के बाद उनका स्कैन होगा। इस बीच स्पेंसर जॉनसन को जिम्बाब्वे के खिलाफ तीन वनडे में से दो में खेलने के बावजूद टीम से रिलीज कर दिया गया है। बाएं हाथ के इस तेज गेंदबाज को चोट नहीं लगी है, लेकिन मैनेजमेंट को लगा की साउथ अफ्रीका के खिलाफ वनडे सीरीज में उनकी जरूरत नहीं होगी। वह अगले महीने पुडुचेरी में ऑस्ट्रेलिया ए टीम से तीन 50-ओवर के मैच के लिए जुड़ेंगे।

पैट कमिंस और मिचेल स्टार्क ऑस्ट्रेलिया की टीम से जुड़ेगे – जॉनसन 18 महीने के अंतराल के बाद वनडे क्रिकेट में लौटे और रविवार को जिम्बाब्वे पर ऑस्ट्रेलिया की रोमांचक जीत में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने दो विकेट लिए और आखिरी विकेट के लिए 27 रन की साझेदारी में योगदान दिया। पैट कमिंस और मिचेल स्टार्क डरबन में ऑस्ट्रेलियी की टीम से जुड़ेगे। नाथन एलिस, जोश हेजलवुड और जेवियर बार्टलेट दूसरे पेस ऑप्शन होंगे। वनडे मैच 24, 27 और 30 सितंबर को डरबन, जोहान्सबर्ग और पोटचेफस्ट्रूम में खेले जाएंगे।

पहली बार ऐतिहासिक और सांस्कृतिक शख्सियत का किरदार निभाने जा रही हैं रश्मिका मंदाना

भारत की महान कर्नाटक शास्त्रीय गायिका एम.एस. सुब्बुलक्ष्मी की असाधारण जिंदगी और संगीत के सफर पर आधारित इस बहुप्रतीक्षित बायोपिक में उनकी संघर्षपूर्ण यात्रा, उपलब्धियों और संगीत की अमिट विरासत को पर्दे पर उतारा जाएगा। फिल्म में रश्मिका मंदाना एम.एस. सुब्बुलक्ष्मी की भूमिका निभाएंगी, जबकि गौतम तिन्ननुरी निर्देशन और अनिरुद्ध रविचंदर संगीत की जिम्मेदारी संभालेंगे। उनकी 110वीं जयंती पर चेन्नई में फिल्म का आधिकारिक लॉन्च किया गया। फिल्म में रश्मिका मंदाना एम. एस. सुब्बुलक्ष्मी का किदार निभाएंगी, जबकि गौतम तिन्नानुरी इसका निर्देशन करेंगे। वहीं, फिल्म का संगीत अनिरुद्ध रविचंदर तैयार करेंगे। फिल्म को गौतम तिन्ननूरी निर्देशित कर रहे हैं जो 'Jersey' और 'Kingdom' जैसी फिल्मों के लिए जाने जाते हैं। कहानी में सुब्बुलक्ष्मी के जीवन के अलग-अलग दौर और उनके असाधारण संगीत करियर को दिखाने की बात सामने आई है। फिल्म की रिलीज डेट, पूरा टाइटल और स्टार कास्ट की आधिकारिक जानकारी अभी सामने नहीं आई है। शुरुआती रिपोर्टों में पहले साई पल्लवी और दूसरी एक्टर्स के नाम भी सामने आए थे, लेकिन अब रश्मिका मंदाना की कास्टिंग आधिकारिक रूप से घोषित हो चुकी है।

लॉन्च से जुड़ी सबसे बड़ी खबरों में से ये कनफर्म है कि अनिरुद्ध रविचंदर एम.एस. सुब्बुलक्ष्मी बायोपिक के लिए संगीत तैयार करेंगे। तमिल और तेलुगु सिनेमा में अपने काम के लिए मशहूर यह संगीतकार अब भारत की सबसे प्रतिष्ठित शास्त्रीय गायिकाओं में से एक की कहानी पर आधारित फिल्म के लिए संगीत बनाने की चुनौती लेंगे। अनिरुद्ध के जुड़ने से इस प्रोजेक्ट में एक और बड़ा नाम शामिल हो गया है, जो पहली बार रश्मिका मंदाना और गौतम तिन्नानुरी को एक साथ ला रहा है। कमल हासन मुख्य अतिथि के तौर पर लॉन्च इवेंट में शामिल हुए, जिससे इस मौके की अहमियत और बढ़ गई।

रश्मिका मंदाना मशहूर गायिका एम.एस. सुब्बुलक्ष्मी का किरदार निभाएंगी, जो भारत की शास्त्रीय संगीत परंपरा की सबसे प्रतिष्ठित हस्तियों में से एक हैं। एक्ट्रेस को चुनने को लेकर पहले ही काफी दिलचस्पी पैदा हो गई थी, क्योंकि प्रोजेक्ट की ऑफिशियल अनाउंसमेंट से पहले ही इस रोल के लिए अन्य एक्टर्स के बारे में खबरें आ रही थीं। रश्मिका अब सुब्बुलक्ष्मी की पर्सनल और प्रोफेशनल जर्नी को पर्दे पर लाने की जिम्मेदारी संभालेंगी। इस फिल्म को पैन-इंडिया प्रोजेक्ट के तौर पर प्लान किया जा रहा है। जबकि सहायक कलाकारों, कहानी और टैकनिकल टीम के अन्य सदस्यों के बारे में और जानकारी बाद में सामने आने की उम्मीद है।

रश्मिका के लिए खास है यह रोल

रश्मिका पहली बार एक ऐसी ऐतिहासिक और सांस्कृतिक शख्सियत का किरदार निभाने जा रही हैं, जिसकी पहचान मुख्य रूप से कर्नाटक शास्त्रीय संगीत से जुड़ी है। उन्होंने सोशल मीडिया पर इस भूमिका को अपने लिए सम्मान की बात बताया है। फिल्म का पहला लुक और आधिकारिक टाइटल भी लॉन्च के आसपास सामने आने की उम्मीद है।

अक्षय की फिल्म 'समुक' में हुई विनीत की एंट्री

अक्षय कुमार की आने वाली साइंस फिक्शन फिल्म 'समुक' इन दिनों चर्चा में है। इससे जुड़ी कई नई अपडेट के बीच अब खबर है कि एक्टर विनीत कुमार सिंह भी इस फिल्म का हिस्सा बन गए हैं। 'मुक्काबाज', 'गैंग्स ऑफ वासेपुर' और 'छावा' जैसी फिल्मों में अपने दमदार अभिनय से पहचान बनाने वाले विनीत फिल्म में एक अहम भूमिका निभाते नजर आएंगे। सूत्रों का कहना है कि उनका किरदार अक्षय के किरदार के साथ एक बड़े मिशन का हिस्सा होगा। दोनों के किरदारों के बीच मजबूत रिश्ता भी देखने को मिल सकता है।

कहानी और क्रिएटिविटी में टीवी, फिल्मों और ओटीटी से काफी पीछे है

एक्ट्रेस चाहत खन्ना ने टीवी इंडस्ट्री को लेकर चल रही बहस के बीच रोहित रॉय के हालिया विवादित बयान पर अपनी राय रखी है। रोहित ने अपने एक इंटरव्यू में टीवी को 'डस्टबिन मीडियम' तक कह दिया था और मौजूदा टीवी कंटेंट की क्वालिटी, कॉन्सेप्ट और क्रिएटिविटी पर सवाल उठाए थे। अब चाहत खन्ना ने भी माना है कि अगर बात कहानी और क्रिएटिविटी की हो तो टीवी इस समय फिल्मों और ओटीटी से काफी पीछे है। हालांकि, चाहत ने यह भी साफ किया कि उन्होंने रोहित का पूरा इंटरव्यू नहीं देखा है, इसलिए वह उनके पूरे बयान पर कमेंट नहीं करना चाहतीं। खास बातचीत में चाहत ने कहा, ''मैं खुद टीवी से आई हूं और इस माध्यम की बहुत इज्जत करती हूं। टीवी ने मुझे एक एक्टर के तौर पर मजबूत बनाया है। यहां एक्टर्स को लंबे समय तक लगातार शूटिंग करनी पड़ती है। कई बार 12 से 15 घंटे तक शूट करना सामान्य बात लगती है। फिल्मों में काम करने का तरीका अलग है और वहां क्रिएटिविटी को अलग तरह से ट्रीट किया जाता है। वहीं ओटीटी में भी कहानी की डिटेलिंग और क्रिएटिविटी का तरीका टीवी से काफी अलग है।''

एक्ट्रेस ने रोहित रॉय की बात के उस हिस्से से सहमति जताई, जिसमें उन्होंने टीवी के मौजूदा कॉन्सेप्ट और क्रिएटिविटी पर सवाल उठाए थे। चाहत ने कहा, ''अगर कहानी और क्रिएटिविटी की बात की जाए तो टीवी को अभी काफी आगे जाने की जरूरत है। टीवी का कंटेंट मास ऑडियंस को ध्यान में रखकर तैयार किया जाता है। दर्शक जिस तरह की कहानियां और शोज देखना चाहते हैं, मेकर्स भी उसी डिमांड के हिसाब से कंटेंट बनाते हैं। यह पूरी तरह बिजनेस का हिस्सा है। अगर किसी तरह का कंटेंट बड़ी संख्या में लोग देख रहे हैं, तो उसे बार-बार बनाए जाने के पीछे एक मार्केट डिमांड भी होती है।'' चाहत ने अपने करियर का उदाहरण देते हुए बताया, ''मुझे कई ऐसे टीवी शोज के ऑफर मिलते हैं, जिनसे मैं खुद कनेक्ट नहीं कर पाती। खासतौर पर 'नागिन' जैसे शोज, जिनसे मैं जुड़ नहीं पाती। अगर कोई एक्टर क्रिएटिव है तो उसके लिए टीवी के कुछ मौजूदा कॉन्सेप्ट से जुड़ना मुश्किल हो सकता है।''

चाहत ने आगे कहा, ''अगर मैं ऐसे प्रोजेक्ट्स से जुड़ पाती तो शायद करियर के लिए चीजें और बेहतर होती। जो चीज मुझे पसंद आती है और जिससे मैं खुद जुड़ाव महसूस करती हूं, वही काम करना मेरे लिए ज्यादा जरूरी है।''

रसिका ने याद किया स्ट्रगल का दौर

ओटीटी ने दिलाई पहचान

अभिनेत्री रसिका दुग्गल हाल ही में नेहा धूपिया और अंगद बेदी के शो 'डबल डेट' में गई थीं। इस शो में उन्होंने करियर, स्ट्रगल, शादी और कॉलेज के दिनों के बारे में बात की। एपिसोड में नेहा धूपिया ने रसिका दुग्गल के कामों की तारीफ करते हुए कहा, 'रसिका, तुम खुद एक जॉनर बन गई हो और यह कमाल की बात है।' बातचीत में रसिका दुग्गल ने उस पल के बारे में भी बताया जब उन्हें लगा कि इंडस्ट्री में अब उनकी जगह बन गई है। जब उनसे पूछा गया कि उन्हें सच में कब लगा कि वह इंडस्ट्री का हिस्सा हैं, तो रसिका ने उस दौर को याद किया जब उनके काम में निरंतरता आने लगी थी। रसिका दुग्गल ने कहा, 'जब से मेरे काम में निरंतरता आई, वह 2016-17 के बीच का समय था। मैं 2006 में एफटीआईआई से निकली थी, तो इसके पूरे 10 साल बाद ऐसा हुआ। बीच में भी ऐसे काम मिलते रहे, जिन्होंने मुझे हिम्मत दी और बनाए रखा लेकिन वे 2016 के बाद किए गए काम जितने चर्चित नहीं थे।'

रसिका ने इस निरंतर दौर से पहले की कुछ फिल्मों को भी याद किया, जिनमें 'किस्सा' और 'क्षय' जैसी फिल्में शामिल थीं, जिन्होंने उन्हें इंडस्ट्री के बेहतरीन टैलेंट के साथ काम करने का मौका दिया। हालांकि, उन्होंने बताया कि 2016 के बाद के समय में बड़ा बदलाव आया, जब उन्हें लगातार कई प्रोजेक्ट मिलने लगे। उन्होंने कहा, '2016 के बाद ही 'मंटो', 'मिर्जापुर' और 'दिल्ली क्राइम' जैसे काम और कुछ दूसरे प्रोजेक्ट लगातार मिलने लगे और इसकी बड़ी वजह ओटीटी प्लेटफॉर्म्स का आना था। तब मुझे लगा कि यह किसी आंदोलन जैसा था।'

रसिका की लेटेस्ट रिलीज 'मिर्जापुर: द मूवी' है। भारतीय एक्शन क्राइम थ्रिलर फिल्म में रसिका दुग्गल बीना त्रिपाठी (कालीन भैया की पत्नी और मुन्ना की सौतेली मां) का किरदार निभाया है। यह फिल्म 'मिर्जापुर' वेब सीरीज का कोई अगला सीजन नहीं है बल्कि मिर्जापुर की दुनिया को बड़े पर्दे पर एक नए और बड़े कैनवस पर पेश किया गया। इसमें एक बिल्कुल नई कहानी और कुछ नए किरदार देखने को मिलेंगे, जो वेब सीरीज में नहीं दिखाए गए थे। फिल्म में मुन्ना भैया और कालीन भैया के व्यवहार से जुड़े कई अनसुलझे सवालों के जवाब और किरदारों की बैकस्टोरी भी देखने को मिले। फिल्म अमेजन एमजीएम स्टूडियोज और एक्सेल एंटरटेनमेंट के बैनर तले बनाई गई है। इसका निर्देशन गुरमीत सिंह ने किया है जबकि कहानी पुनीत कृष्णा ने लिखी है। फिल्म का निर्माण रितेश सिधवानी और फरहान अख्तर ने किया है। इसके सह-निर्माता कासिम जगमगिया और विशाल रामचंदानी हैं। 'मिर्जापुर द मूवी,' पंकज त्रिपाठी, अली फजल, श्वेता त्रिपाठी, रसिका दुग्गल और दिव्येंदु शर्मा अपने पुराने किरदारों में नजर आ रहे हैं। इसके साथ ही जितेंद्र कुमार, सोनल चौहान और रवि किशन भी अहम भूमिका में दिखेंगे।

फिल्म 'द वन' का अनोखा कॉन्सेप्ट सुनते ही तैयार हुई थीं एकता कपूर

सिद्धार्थ मल्होत्रा और तमन्ना भाटिया की अगली फिल्म 'द वन: फोर्स ऑफ द फॉरेस्ट' है। इसकी कहानी बिहार की धरती से निकली है। टीवीएफ के फाउंडर अरुणाभ कुमार ने एक हालिया मीडिया इंटरव्यू में खुलासा किया है कि यह आइडिया उन्हें तब आया जब उन्होंने पटना के पास स्थित वन देवी मंदिर का दौरा किया था। स्थानीय पुजारियों और ग्रामीणों से बातचीत के दौरान उन्हें पता चला कि वन देवी मंदिर 16वीं शताब्दी में बनाया गया था। इस मंदिर के इर्द-गिर्द के जंगल को लेकर सदियों से एक अनकही मान्यता चली आ रही है कि सूर्यास्त के बाद वहां जाना वर्जित है।

अरुणाभ ने करीब दो साल पहले यह किस्सा 'पंचायत' फेम डायरेक्टर दीपक कुमार मिश्रा को सुनाया था। दीपक को यह अनोखा कॉन्सेप्ट इतना पसंद आया कि वे इसे लेकर सीधे एकता कपूर के पास पहुंचे और एकता ने भी इसे बड़े परदे पर उतारने का मन बना लिया। निर्देशक दीपक के मुताबिक, इस फिल्म को बनाते वक्त उनके सामने सबसे बड़ी चुनौती उस दुनिया को रचना था, जो आज के समय जैसी भी लगे और जंगल के रहस्यमय माहौल को भी सही तरीके से दिखा सके।'

फिल्म में हैवी एनिमेशन और विजुअल इफेक्ट्स भी दिखेंगे

कहानी को जीवंत बनाने के लिए हैवी एनिमेशन और विजुअल इफेक्ट्स का सहारा लिया गया है। फिल्म को शोभा कपूर, एकता आर कपूर, अरुणाभ कुमार और नीरज कोठारी ने मिलकर प्रोड्यूस किया है।

विक्रांत मैसी ने बताई सक्सेस की नई परिभाषा

कहा-सफलता का मतलब पैसा नहीं, अच्छा स्वास्थ

अभिनेता विक्रांत मैसी इन दिनों अपनी हालिया रिलीज सीरीज 'मुसाफिर कैफे' को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। अभिनेता का मानना है कि कुछ मामलों में सफलता की परिभाषा में काफी बदलाव देखने को मिले हैं। अभिनेता ने आईएएनएस से बातचीत में कहा कि आज सफलता सिर्फ करियर या पैसे तक ही सीमित नहीं है बल्कि इसमें अच्छी सेहत, मन की शांति और खुशहाल जिंदगी जीना भी शामिल है। विक्रांत मैसी ने कहा, '20 साल पहले हम मानसिक स्वास्थ्य के बारे में बात नहीं करते थे। आज इन चीजों पर खुलकर चर्चा हो रही है क्योंकि कहीं न कहीं हम सब समझ गए हैं कि सेहत ही सबसे बड़ी दौलत है।' अभिनेता ने जोर देते हुए कहा कि अगर आप स्वस्थ हैं, तो सफल हैं। उन्होंने कहा, 'भले ही आपके पास बड़ा घर न हो लेकिन अगर आप रात को चैन से सो पा रहे हैं, नींद की गोलियां नहीं लेनी पड़ रही हैं और आपके घर में बड़ों का सपोर्ट है, तो आप सफल हैं।'

अभिनेता विक्रांत मैसी ने कहा कि दुनिया काफी तेजी से बदल रही है, जिसका असर लोगों की सोच और सपनों पर पड़ रहा है। उन्होंने कहा, 'आज सफलता का मतलब कुछ और ही है और टेक्नोलॉजी की तरह यह भी तेजी से बदलने वाला है। दुनिया जिस रफ्तार से आगे बढ़ रही है, उसका हम अंदाजा भी नहीं लगा सकते। आज कोई हुनर सीखते हैं, कल वही बेकार हो जाता है। दुनिया इसी स्पीड से चल रही है।' अभिनेता हाल ही में वेब सीरीज 'मुसाफिर कैफे' में वेदिका पिंटो और महिमा मकवाना के साथ नजर आए थे। यह सीरीज आधुनिक रिश्तों, भावनाओं और सपनों की खींचतान को बहुत ही सहजता से दिखाती है।

विजय स्टारर 'मटका किंग' के दूसरे सीजन की तैयारी शुरू

विजय वर्मा की वेब सीरीज 'मटका किंग' अब दूसरे सीजन के साथ वापसी करने जा रही है। विजय वर्मा ने खुद सोशल मीडिया पर इसकी जानकारी दी है। एक्टर ने दूसरे सीजन की पहली कड़ी की स्क्रिप्ट की तस्वीर साझा की है। इसका नाम 'एक और बाजी' रखा गया है। इसके साथ ही उन्होंने यह भी संकेत दिया कि दूसरे सीजन का काम शुरू हो चुका है। 'मटका किंग' के दूसरे सीजन में विजय एक बार फिर बृज भट्टी के किरदार में नजर आएंगे। पहले सीजन की पूरी कहानी इसी किरदार के आसपास आगे बढ़ी थी। सीरीज में बृज भट्टी के सफर को दिखाया गया था।

साधली में टेंपो-बाइक की टक्कर, तीन माह में तीसरा हादसा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

शिनोर तालुका। साधली गांव में मदीना मस्जिद के सामने सोमवार रात करीब 10:15 बजे छोटा हाथी टेंपो और बाइक की आमने-सामने टक्कर हो गई। हादसे में बाइक सवार राजू को हल्की चोट आई, जबकि कोई जनहानि नहीं हुई। टेंपो चालक पक्ष ने बाइक के नुकसान की भरपाई करने की बात मान ली, जिसके चलते पुलिस में शिकायत दर्ज नहीं कराई गई। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। ग्रामीणों के अनुसार, पंचायत कार्यालय से बाजार तक सड़क पेवर ब्लॉक से बेहतर होने और झील किनारे खुला क्षेत्र होने के कारण यहां वाहन तेज गति से चलते हैं। इस स्थान पर तीन सड़कें मिलती हैं। ग्रामीणों ने बताया कि 25 जून को हिताची मशीन की चपेट से ताड़ का पेड़ सीमेंट के बिजली पोल पर गिर गया था, जिससे बाइक सवार महिला घायल हुई थी। वहीं 7 अगस्त को इको कार और बाइक की टक्कर हुई थी। लगातार हादसों को देखते हुए ग्राम पंचायत से इस स्थान पर स्पीड ब्रेकर लगाने की मांग की गई है।

निकौरा में घर के बाहर खेल रहे 9 वर्षीय बच्चे पर गिरी जर्जर दीवार, मलबे में दबने से मौत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

निकौरा। नर्मदा नदी किनारे स्थित निकौरा गांव में घर के बाहर अन्य बच्चों के साथ खेल रहे कक्षा 2 के 9 वर्षीय दीप सचिनभाई पटेल की जर्जर दीवार गिरने से मौत हो गई। हादसे के बाद परिवार में कोहराम मच गया और गांव में शोक की लहर छा गई। जानकारी के अनुसार, दीप अपने घर के बाहर अन्य बच्चों के साथ खेल रहा था। इसी दौरान घर के पास स्थित पुरानी और जर्जर दीवार अचानक भरभराकर गिर गई। दीप मलबे के नीचे दब गया।

दीवार गिरने की आवाज सुनकर आसपास के लोग तुरंत मौके पर पहुंचे और मलबा हटाकर बच्चे को बाहर निकालने का प्रयास किया, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। महज 9 वर्ष की उम्र में दीप की दर्दनाक मौत से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। घटना के बाद गांव में मातम का माहौल है। हादसे ने गांव में जर्जर और कमजोर दीवारों की सुरक्षा को लेकर भी चिंता बढ़ा दी है।

साधली की तीन सरकारी राशन दुकानों के लाइसेंस 10 माह से बंद, राशन कार्डधारकों को परेशानी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

शिनोर। साधली की तीन सरकारी सस्ते अनाज की दुकानों के लाइसेंस निलंबित किए जाने के करीब 10 माह से अधिक समय बाद भी दुकानें शुरू नहीं हो सकी हैं। इससे राशन कार्डधारकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। 7 अगस्त 2025 को वडोदरा जिला आपूर्ति अधिकारी जी.एन. देसाई ने स्टॉक में अंतर मिलने पर तीन दुकानदारों के लाइसेंस तत्काल प्रभाव से 90 दिनों के लिए निलंबित किए थे। निलंबित दुकानदारों में राठौड़ सबीरभाई ईशभाई, राठौड़ नियामतखां दिलावरखां और सैयद सोयेबहुसेन लियाकतअली शामिल हैं। 90 दिनों की अवधि 7 नवंबर 2025 को पूरी हो गई, लेकिन इसके बाद भी तीनों दुकानें शुरू नहीं हुईं। उस दौरान शिनोर मामलतदार कार्यालय की ओर से राशन कार्डधारकों के लिए वैकल्पिक व्यवस्था की गई थी। ग्रामीणों का कहना है कि तीन दुकानें बंद होने से राशन वितरण का अतिरिक्त भार एक ही दुकानदार पर आ गया है। इससे कई बार ग्राहकों को लंबी प्रतीक्षा और अन्य परेशानियों का सामना करना पड़ता है। ताकि लोगों को राशन लेने में हो रही परेशानी से राहत मिल सके।

ममता गुट का नया चुनाव चिन्ह 'फुटबॉल खिलाड़ी', TMC के पुराने नाम-सिंबल पर रोक

महानगर मेट्रो ब्यूरो

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस के भीतर चल रहे विवाद के बीच ममता बनर्जी गुट ने सोमवार को अपने नए अस्थायी चुनाव चिन्ह 'फुटबॉल खिलाड़ी' वाला लोगो जारी किया। चुनाव आयोग ने 17 सितंबर को मूल 'ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस' नाम और 'फूल-घास' चुनाव चिन्ह को दोनों गुटों के लिए फिलहाल रोक दिया था। इसके बाद ममता गुट को 'ममता ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस' नाम और फुटबॉल खिलाड़ी चिन्ह दिया गया, जबकि दूसरे गुट को 'डेमोक्रेटिक तृणमूल कांग्रेस' और लिफाफा चिन्ह मिला। दोनों गुट 6 अक्टूबर को रेजीनगर उपचुनाव में आमने-सामने होंगे। नंदीग्राम में ममता गुट ने कांग्रेस प्रत्याशी मिलन प्रधान को समर्थन दिया है। इस बीच ममता बनर्जी ने चुनाव आयोग के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। सुप्रीम कोर्ट ने याचिका पर जल्द सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करने पर सहमति जताई है।

सोनिया गांधी के खिलाफ मतदाता सूची मामले में नया मोड़, मजिस्ट्रेट का आदेश रद्द

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। राउज एवेन्यू कोर्ट ने सोमवार को सोनिया गांधी के खिलाफ मतदाता सूची से जुड़े मामले में मजिस्ट्रेट कोर्ट के एक साल पुराने आदेश को रद्द कर दिया। 11 सितंबर 2025 को मजिस्ट्रेट ने धोखाधड़ी और जालसाजी के आरोपों में एफआईआर दर्ज करने तथा पुलिस जांच की मांग खारिज कर दी थी। अब मामला दोबारा मजिस्ट्रेट के पास भेजा गया है। यह याचिका अधिवक्ता विकास त्रिपाठी ने दायर की थी। शिकायत में आरोप लगाया गया कि सोनिया गांधी का नाम 1980 में नई दिल्ली संसदीय क्षेत्र की मतदाता सूची में शामिल किया गया था, जबकि उन्होंने 30 अप्रैल 1983 को भारतीय नागरिकता हासिल की थी। शिकायतकर्ता के अनुसार, उनका नाम 1982 में मतदाता सूची से हटाया गया और 1983 में दोबारा दर्ज किया गया। आरोप है कि दोबारा नाम दर्ज किए जाने की प्रक्रिया भी नागरिकता मिलने से पहले हुई थी। जालसाजी के अपराध के लिए जरूरी तथ्य और पर्याप्त साक्ष्य नहीं दिए गए थे।

आनंद टाउन पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर फर्जी सामान जब्त किया

आनंद में खाकी और कुर्सी का खेल खत्मः नायब तहसीलदार की नौकरी दिलाने के बहाने लाखों ठगने वाला फर्जी अधिकारी गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

आनंद। सरकारी नौकरी का सपना देखने वाले बेरोजगार युवाओं को फंसाने वाले ठग गिरोह बेकाबू हो गए हैं, ऐसे में आनंद टाउन पुलिस ने एक शातिर ठग का पर्दाफाश किया है जिसने साक्षात् नायब तहसीलदार जैसा बड़ा पद दिलाने के नाम पर भोले-भाले नागरिकों के साथ लाखों रुपये की धोखाधड़ी की थी। पुलिस ने पुख्ता सूचना और सबूतों के आधार पर इस फर्जी अधिकारी को सलाखों के पीछे भेज दिया है।

कैसे करता था ठगी?

पुलिस सूत्रों के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी रौनक सुधीरभाई क्रिश्चियन (निवासीः सालेमनगर सोसायटी, आनंद) बहुत ही शातिर तरीके से खुद को उच्च अधिकारी के रूप में पेश करता था। आरोपी ने आनंद के बाकरोल रोड पर स्थित एक ज़ेरॉक्स की दुकान को अपना ठिकाना बनाया था। वहां उसने दुकानदार नीरजकुमार पटेल और अन्य एक व्यक्ति से मित्रता कर खुद के सरकारी विभाग में ऊंची पहुंच होने का ढोंग रचा था। आरोपी ने इन युवाओं को नायब तहसीलदार की सीधी भर्ती में नौकरी दिलाने का लालच दिया था और विश्वास जीतने के लिए विभिन्न बहानों के तहत टुकड़ों-टुकड़ों में कुल 7.70 लाख रुपये नकद ऐंठ लिए थे। लंबे समय तक नौकरी या नियुक्ति पत्र न मिलने पर पीड़ित युवक को अपने साथ धोखाधड़ी होने का अहसास हुआ, जिसके बाद आनंद टाउन पुलिस स्टेशन में आधिकारिक शिकायत दर्ज कराई गई। 'सरकारी नौकरी के नाम पर भोले-भाले युवाओं को फंसाने वाले ऐसे ठग गिरोहों के खिलाफ पुलिस सख्त कार्रवाई कर रही है। नागरिकों को भी ऐसे लुभावनी बातें करने वाले लोगों से सावधान रहना चाहिए।' - पुलिस सूत्र शिकायत के आधार पर आनंद टाउन पुलिस ने मुखबिर तंत्र को सक्रिय कर आरोपी रौनक क्रिश्चियन को दबोच लिया। जब पुलिस ने उससे पूछताछ और तलाशी ली तो चौंकाने वाले दस्तावेज और सामान हाथ लगेः

फर्जी आईडी कार्ड (सरकारी कर्मचारी होने के झूठे पहचान पत्र)

सरकारी सिक्के और स्टाम्प

लैपटॉप और प्रिंटर (जिसका उपयोग फर्जी दस्तावेज बनाने के लिए किया जाता था)

मोबाइल फोन और अन्य संदिग्ध दस्तावेज

आनंद टाउन पुलिस ने इस पूरे मामले में मामला दर्ज कर लिया है और इस बात की गहन जांच कर रही है कि आरोपी के नेटवर्क में कोई अन्य शामिल है या नहीं और उसने पहले कितने लोगों को इस तरह अपना शिकार बनाया है।

सफेद जूते पहनने से कोई विट्ठल राडिया नहीं बन जाता...

जमीन से जुड़े नेतृत्व की असली परिभाषा और जनता की परख

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। आज की राजनीति और सामाजिक परिवेश में सोशल मीडिया के दौर के बीच एक लाइन बहुत वायरल हो रही है और जनता की जुबान पर सुनाई देती है– 'सफेद जूते पहनने से कोई विठ्ठल राडिया नहीं बन जाता साहिब!' यह कोई आम वाक्य नहीं है, बल्कि आज के तथाकथित नेताओं और जनप्रतिनिधियों पर एक सटीक कटाक्ष और कड़वी सच्चाई है। यह एक ऐसा वाक्य है जो सच्चे नेतृत्व, लोकप्रियता और जनता के साथ अटूट संबंधों की असली परिभाषा खोलकर रख देता है।

लोकमन में अमर हुआ नामः विठ्ठल राडिया

दिवंगत पूर्व सांसद और गुजरात के अडिग किसान नेता विठ्ठलभाई राडिया का नाम आते ही सौराष्ट्र की धरा और किसानों का स्वाभिमान नजर के सामने आ जाता है। विठ्ठलभाई ने जो जन-आत्मीयता और सम्मान हासिल किया था, वह रातों-रात या सिर्फ पहनावा बदलने से नहीं मिला था। उनकी कार्यशैली ऐसी थी कि वे चाहे कितने भी बड़े पद पर हों, आम आदमी के बीच जाकर उनकी भाषा में बात करते थे। किसानों और श्रमिकों के दुःख-दर्द में कदम-कदम पर साए की तरह साथ खड़े रहने की उनकी ताकत ही उन्हें जनता का असली 'दादा' बनाती थी। वे जब खेत या गरीब की झोपड़ी में जाते थे, तो सिर्फ फोटो खिंचवाने या दिखावा करने नहीं, बल्कि परिवार के सदस्य की तरह ओटले या खाट पर बैठते थे और उनकी समस्याओं का त्वरित समाधान करते थे। आजकल की राजनीति में एक नया ट्रेंड देखने को मिल रहा है। कई युवा और महत्वाकांक्षी नेता सिर्फ चुनाव या पब्लिसिटी स्टंट के लिए महंगे सफेद कपड़े, चमकते सफेद जूते और फॉर्मल लुक अपनाकर गांवों में चक्कर काटते हैं। उन्हें लगता है कि ऐसा दिखावा करने से लोग उन्हें स्वीकार कर लेंगे। लेकिन, आज के दौर की जनता बहुत जागरूक है। सिर्फ बाहरी दिखावे से, महंगी गाड़ियों से उतरकर पल भर के लिए हाथ हिला देने से कोई जनता के दिल में जगह नहीं बना सकता। जनता का विश्वास जीतने के लिए एसी केबिनों, हाई-फाई होटलों और बड़े बंगलों के कंफर्ट जोन से बाहर निकलकर वास्तविक जमीन पर उतरना पड़ता है, धूप झेलनी पड़ती है और जनता के मुद्दों के लिए लड़ना पड़ता है। सच्चा जनसेवक वह है जो किसानों के खेतों में जाकर बीज, खाद, पानी या फसल नष्ट होने की पीड़ा खुद महसूस करे। गरीब और वंचितों की झोपड़ियों में जाकर उनके बीच बैठे, उनकी आपबीती सुने और उनके साथ खड़ा रहे। बिना किसी अहंकार या स्वार्थ के आम आदमी के आंसू पोछने और उन्हें न्याय दिलाने का सच्चा सामर्थ्य रखे। जो नेता सिर्फ सोशल मीडिया पर रील्स बनाने या फोटो खिंचवाने के लिए खेतों या

झोपड़ियों में जाते हैं, उनका असली चेहरा जनता बहुत जल्दी पहचान लेती है और समय आने पर उन्हें करारा जवाब भी देती है। नेतृत्व कोई पहनावा, ब्रांडेड जूते या दिखावे की वस्तु नहीं, बल्कि खून में रची-बसी और जीवन भर निभाई जाने वाली जनसेवा है। विठ्ठल राडिया जैसा कद्दावर व्यक्तित्व रातों-रात नहीं बनता; इसके पीछे वर्षों की लोकसेवा, जनता के प्रति वफादारी और जमीन से अटूट जुड़ाव होता है। आज के नए नेताओं और महत्वाकांक्षी लोगों को इस बात से बड़ा सबक लेने की जरूरत है कि अगर वाकई जनता के दिलों में राज करना है, तो दिखावे के सफेद जूते नहीं, बल्कि जनसेवा और समर्पण की सच्ची भावना होनी अनिवार्य है।

'वन' के ट्रेलर पर गाना इस्तेमाल करने को लेकर विवाद, सरगम वैश ने मेकर्स को कानूनी कार्रवाई की चेतावनी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। अभिनेता सिद्धार्थ मल्होत्रा और तमन्ना भाटिया की आगामी फिल्म 'वनः फोर्स ऑफ द फॉरेस्ट' रिलीज से पहले विवादों में घिर गई है। गायक सरगम वैश ने फिल्म के ट्रेलर में उनके मूल गीत 'ऐगिरी नंदिनी' का बिना अनुमति इस्तेमाल करने का आरोप लगाया है। सरगम ने सोशल मीडिया पर वीडियो पोस्ट कर फिल्म की टीम से ट्रेलर और प्रचार सामग्री से गाना हटाने की मांग की है। उनका कहना है कि उन्होंने इसके इस्तेमाल की कोई अनुमति नहीं दी थी और इस गाने को लेकर पहले ही एक बड़े संगीत लेबल के साथ अनुबंध कर रखा है। उन्होंने मेकर्स से वैध लाइसेंस होने का प्रमाण देने को भी कहा है। सरगम के मुताबिक, मांग पूरी नहीं होने पर उनकी कानूनी टीम कार्रवाई करेगी। वहीं, फिल्म के मेकर्स या प्रोडक्शन हाउस की ओर से अभी इस मामले पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। फिल्म 25 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होनी है।

रीणावाड़ा में स्ट्रीट लाइट के उजाले में चल रहा था जुए का अड्डा, पुलिस ने 5 जुआरियों को पकड़ा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गोसाघेड़। पोरबंदर जिले में जुए के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत बगवदर पुलिस ने रीणावाड़ा गांव में छापा मारकर सार्वजनिक स्थान पर ताश के पत्तों से जुआ खेल रहे पांच लोगों को गिरफ्तार किया। कार्रवाई के दौरान तीन महिलाएं मौके से फरार हो गईं। पुलिस ने मौके से कुल 21,130 रुपए का सामान जब्त किया है। पुलिस के अनुसार, सर्विलांस टीम को सूचना मिली थी कि रीणावाड़ा गांव के रबारीकेडा क्षेत्र में कचरा परबतभाई मोढ़वाडिया के मकान के पास रात के समय स्ट्रीट लाइट के उजाले में कुछ लोग पैसे की हार-जीत का जुआ खेल रहे हैं। सूचना पर पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर दबिश दी। पुलिस ने कचरा परबतभाई मोढ़वाडिया, राजू छगनभाई ओडेदरा, प्रताप पोपटभाई सुत्रेजा, राहुल केशुभाई सुडासमा और राजू भूराभाई कुचड़िया को पकड़ लिया। वहीं संतोकबेन ओडेदरा, मधुबेन कुचड़िया और रूपीबेन ओडेदरा पुलिस को देखकर फरार हो गईं।

'संपत्ति करोड़ों में, तिजोरी खाली' के आरोपों वाले पोस्टर वॉर ने शहर में मचाई सनसनी

ओह जादू या भ्रष्टाचार? जनता के जनप्रतिनिधियों की संपत्ति करोड़ों में, लेकिन सूरत महानगरपालिका के पास झाड़ू खरीदने तक के पैसे नहीं!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सूरत। गुजरात की आर्थिक राजधानी और डायमंड सिटी के रूप में पहचाने जाने वाले सूरत शहर में इस समय सियासत गरमा गई है। सूरत महानगरपालिका की आर्थिक स्थिति और प्रशासनिक तंत्र के कामकाज पर सीधे सवाल उठाने वाले रहस्यमयी और आक्रामक पोस्टर सूरत के विभिन्न इलाकों में रातोरात वायरल होने से भारी हड़कंप मच गया है। सत्ताधारी पार्टी के दिग्गज नेता और सांसद सी.आर. पाटिल को निशाना बनाकर शुरू हुए इस 'पोस्टर वॉर' से राजनीतिक गलियारों में गर्मी आ गई है।

क्या है इन विवादित पोस्टर्स में?

सूरत शहर में चुनिंदा जगहों पर चिपकाए गए इन पोस्टरों में बेहद तीखे और व्यंग्य भरे शब्द लिखे गए हैं। पोस्टर में सवाल उठाया गया है कि, 'कॉरपोरेटर, विधायक और सांसद की संपत्ति आज करोड़ों रुपए तक पहुंच चुकी है, लेकिन सूरत म्युनिसिपल कॉरपोरेशन के पास साफ-सफाई के लिए झाड़ू खरीदने तक के पैसे नहीं हैं?' इस तरह के नारों के साथ बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष और सांसद सी.आर. पाटिल के खिलाफ सीधे प्रहार किए गए हैं, जिसे लेकर स्थानीय राजनीति में भारी चर्चाएं शुरू हो गई हैं। जनता के सवाल या राजनीतिक बदला? एक तरफ जहां प्रशासन द्वारा स्मार्ट सिटी और विकास के बड़े-बड़े दावे किए जाते हैं, वहीं दूसरी तरफ पालिका की आर्थिक स्थिति और बुनियादी सुविधाओं पर खड़े होने वाले सवालों ने सभी को चौंका दिया है। नेताओं की बढ़ती निजी संपत्ति और सरकारी संस्थाओं की खाली होती तिजोरी के बीच की इस विसंगति को इन पोस्टरों में बेहद आक्रामक तरीके से उजागर किया गया है। इन सनसनीखेज पोस्टरों के शहर में सामने आने के बाद सूरत पुलिस और खुफिया एजेंसियां भी एक्शन मोड में आ गई हैं। ये पोस्टर किसने और किस इरादे से लगाए हैं? इसका पता लगाने के लिए पुलिस ने आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगालने की कवायद शुरू कर दी है। आने वाले दिनों में इस मामले के और अधिक तूल पकड़ने की पूरी संभावना है।

महानगर मेट्रो की खास रिपोर्ट- विकास के बड़े दावों के बीच सड़क-रास्तों और सफाई के पीछे बजट के अभाव की चर्चाओं के बीच इस पोस्टर वॉर ने सत्ताधारी पार्टी की मुश्किलें बढ़ा दी हैं।

प्याज के दाम में 82 फीसदी उछाल, जून से सितंबर तक रसोई पर बढ़ा बोझ

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। देश में जून से सितंबर के बीच प्याज की कीमतों में तेज बढ़ोतरी दर्ज की गई है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, 1 जून को प्याज का औसत खुदरा भाव 29.50 रुपए प्रति किलो था, जो 17 सितंबर तक बढ़कर 53.78 रुपए किलो हो गया। यानी करीब साढ़े तीन महीने में खुदरा कीमत 82.3 फीसदी बढ़ गई। थोक बाजार में भी तेजी देखने को मिली। 1 जून को प्याज का औसत थोक भाव 22.60 रुपए किलो था, जो 10 सितंबर को बढ़कर 46.20 रुपए और 17 सितंबर को 45.68 रुपए किलो दर्ज किया गया। इस तरह जून की तुलना में थोक भाव लगभग दोगुने हो गए। महाराष्ट्र में गर्मियों की फसल खराब होने और आवक घटने को कीमतों में तेजी की प्रमुख वजह बताया जा रहा है। कर्नाटक से भी आपूर्ति कम हुई है। वहीं पुरानी फसल का स्टॉक घटने और नई खरीफ फसल की आवक में देरी से बाजार में प्याज की उपलब्धता प्रभावित हुई है। बारिश के कारण परिवहन और आपूर्ति व्यवस्था प्रभावित होने से भी मंडियों तक प्याज पहुंचने में देरी होती है त्योहारी मौसम में मांग बढ़ने से भी कीमतों पर दबाव रहता है। रक्षाबंधन और गणेश उत्सव के दौरान खपत बढ़ने के साथ आगामी त्योहारों की मांग भी बाजार को प्रभावित करती है। कीमतों को नियंत्रित रखने के लिए सरकार बफर स्टॉक का इस्तेमाल करती है। दाम बढ़ने पर भंडारित प्याज को कम कीमत पर बाजार में उतारा जाता है। जरूरत पड़ने पर घरेलू उपलब्धता बनाए रखने के लिए निर्यात संबंधी नीतियों में भी बदलाव किया जाता है। हालांकि मौजूदा तेजी से उपभोक्ताओं की रसोई का बजट प्रभावित हुआ है, लेकिन नई खरीफ फसल की आवक बढ़ने के बाद कीमतों में राहत मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

जापान में पहली बार भिड़ेंगे भारत-जापान, बारिश बनी रोड़ा

75 साल के रिश्तों पर क्रिकेट का नया अध्याय; तूफानी मौसम ने रोकी टीम इंडिया की तैयारी, श्रेयस अय्यर संभालेंगे कप्तानी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सानो। भारत और जापान के रिश्तों के 75 साल पूरे होने के मौके पर मंगलवार को सानो इंटरनेशनल क्रिकेट ग्राउंड में इतिहास रचा जाएगा। पहली बार भारतीय क्रिकेट टीम जापान के खिलाफ टी-20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबला खेलेगी। इस ऐतिहासिक मैच में टीम इंडिया की कप्तानी श्रेयस अय्यर करेंगे। मुकाबले से ठीक पहले बारिश और तूफानी मौसम ने भारतीय टीम की तैयारियों पर पानी फेर दिया। टीम अभ्यास नहीं कर सकी। ऐसे में जापान की पिच और परिस्थितियों को समझे बिना ही भारतीय खिलाड़ियों को मैदान पर उतरना होगा। अय्यर ने भी माना कि टीम को जापान की परिस्थितियों और विकेट के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं है। हालांकि उन्होंने साफ किया कि टीम मुकाबले के लिए तैयार है। पहली बार जापान के खिलाफ खेलने को लेकर उन्होंने इसे रोमांचक अनुभव बताया। क्रिकेट से इतर यह मुकाबला दोनों देशों के बीच बढ़ते रिश्तों का भी प्रतीक है। जापान पहुंचने के बाद अय्यर ने वहां के लोगों के व्यवहार और आतिथ्य की तारीफ की। उन्होंने

कहा कि लोग मिलनसार, उदार और मददगार हैं।

क्रिकेट से रिश्तों को नई ताकत

यह मुकाबला 'स्पोर्ट 75' पहल की शुरुआत भी करेगा। इसका उद्देश्य भारत और जापान के बीच खेल सहयोग बढ़ाने के साथ दोनों देशों के लोगों के बीच संपर्क मजबूत करना है। दोनों देशों के प्रधानमंत्रियों की शिखर वार्ता में इस पहल पर सहमति बनी थी। भारत के 2036 ओलिंपिक और पैरालिंपिक खेलों की मेजबानी के प्रयासों के संदर्भ में भी इसे महत्वपूर्ण माना जा रहा है। अब नजरें मैदान पर होंगी—जहां पहली बार भारत और जापान की टी-20 टीमें आमने-सामने होंगी और 75 साल पुराने रिश्तों को क्रिकेट की नई पारी मिलेगी।

कर्नाटक विधानसभा में वंदे मातरम पर विवाद, दो पैरा बाद रिकॉर्डिंग बंद होने पर भाजपा का विरोध

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बेंगलुरु। कर्नाटक विधानसभा के तीन दिवसीय विशेष सत्र के पहले दिन सोमवार को वंदे मातरम को लेकर विवाद हो गया। विधानसभा में वंदे मातरम की रिकॉर्डिंग दो पैरा के बाद रोक दी गई। इसके बाद भाजपा विधायकों ने विरोध जताते हुए राष्ट्रगीत के बाकी चार पैरा खुद गाए। विधान परिषद में भी भाजपा सदस्यों ने पूरा गीत गाया और सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। कर्नाटक सरकार ने सूखे की स्थिति और पश्चिमी घाट से जुड़ी कस्तूरीरंगन समिति की रिपोर्ट पर चर्चा के लिए तीन दिन का विशेष सत्र बुलाया है। इसी दौरान विधानसभा और विधान परिषद में वंदे मातरम को लेकर यह विवाद सामने आया। राज्य सरकार ने सरकारी कार्यक्रमों में वंदे मातरम के केवल पहले दो पैरा गाने का आदेश दिया है।

Printed, Published and Owned by SARABJIT MAKAN and Printed by ILEVAN HASMUKHRAI THAKAR Printed at Jay Graphics & Printers, C/15, Vikram Chambers, Ashram Road, Ahmedabd - 380009. and published from F/1 first floor, rajas apartment, near old railway crossing, maninagar east maninagar, Ahmedabad, Gujarat-380008. Editor SARABJIT MAKAN, Mo.: 9638877700, 9662420070.